हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

13 सितम्बर, 1994

खण्ड–2, अंक–8

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार 13 सितम्बर, 1994

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(2)1
नियम 45 के अधीन मेज सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उतर	(2)25
अतारांकित प्र न एवं उतर	(2)29

अनुपस्थिति की अनुमति	(2)40
विभिन्न विशयो का उठाया जाना	(2)40
ध्यानाकर्शण सूचना– हरियाणा राज्य में कानून तथा व्यवस्था की स्थिती संबंधी	(2)42
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– (i) वित्त मंत्री द्वारा (ii) राजस्व मंत्री द्वारा	(8)52 (2)55
वक्तव्य– मुख्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण सूचना सं0 10 संबंधी वैयक्तिक स्पश्टीकरण	(2)58
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– (iii) (क) चौधरी बंसी लाल द्वारा	(2)59
वक्तव्य– मुख्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण सूचना सं0 10 संबंधी वैयक्तिक स्पश्टीकरण	(2)60

वैयक्तिक स्पश्टीकरण– (iii) (ख) चौधरी बंसी लाल द्वारा	(2)63
वक्तव्य– मुख्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण सूचना सं0 10 संबंधी वैयक्तिक स्पश्टीकरण (पुनरारम्भ)	(2)65
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– (iii) (ग) चौधरी बंसी लाल द्वारा	(2)67
वक्तव्य– मुख्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण सूचना सं0 10 संबंधी वैयक्तिक स्पश्टीकरण (पुनरारम्भ)	(2)67
वर्श 1988–89 के लिए अनुदानो तथा विनियोजनो से अधिक मांगो पर चर्चा तथा मतदान	(2)77
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव– हरियाणा सरकार द्वारा हस्ताक्षरित यमुना–जल समझौते संबंधी बैठक का समय बढाना	(2)81 (2)94

नियम 84 के अधीन यमुना–जल समझौते संबंधी (पुनरारम्भ)	(2)94
बैठक का समय बढाना	(2)101
नियम 84 के अधीन यमुना–जल समझौते संबंधी (पुनरारम्भ)	(2)101
बैठक का समय बढाना	(2)112
नियम 84 के अधीन यमुना–जल समझौते संबंधी (पुनरारम्भ)	(2)112
बैठक का समय बढाना	(2)121
नियम 84 के अधीन यमुना–जल समझौते संबंधी (पुनरारम्भ)	(2)121
बैठक का समय बढाना	(2)125
नियम 84 के अधीन यमुना–जल समझौते संबंधी (पुनरारम्भ)	(2)125

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 13 सितम्बर, 1994

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

HAILSTORM

*917. Shri Dhir Pal Singh: Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) whether the Government is aware of the fact that the crops were badly damaged in villages Chhara, Matan, Kherhar, Rewari Khera and Surakhpur on account of Hailstorn during the month of April, 1994; if so, the extent of loss thereof;

(b) whether any compensation has been paid to the effected farmers; and

(c) if so, the details of amount paid per acre to each of village so far?

राजस्व मंत्री (श्री निर्मल सिंह):

(क) हां जी। प्रभावित गावों में वि ोश गिरदावारी करवाई गई और यह पाया गया कि गांव छारा व खेतहर में फसलो को नुकसान 25 प्रति ात से अधिक है। लेकिन गांव मबतन, रिवाडी खेडा और सुरखपुर में नुकसान 25 प्रति ात से कम था।

(ख व ग) विर्धारित दरो के अनुसार जिला रोहतक में मुआवजा की रा ि ा चार गावो नामतः छारा, खेरहर, सलोठी तथा मन्डोली के लिए कुल 778750 रुये बनती है। अब तक 4:56 लाख रुपये जिनमें गांव छारा को 149000 रुपये तथा गांव खेरहर को 49000 रुपये भाामिल है विपरित किये जा चुके है। भोश रा ि ा इस कारणव ा वितरित नही की जा सकी क्योंकि वितरण अधिकारी के दो बार दौरे के बावजुद भी संबंधित व्यक्ति गांव में उपलब्ध नही हुये।

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन्होने जो गिरदावरी करवाई है उसको करने का क्या क्राइटेरिया है? अध्यक्ष महोदय,आप स्वयं भी अच्छे किसान है। औला वृश्टी होने के बाद सरसो की फसल खत्म हो गई और गेहूं की कटाई के बाद जो ऊली बचती है जब उसका भी कुछ नही बचा तो इन्होने खडी फसल के बारे में आंकडे 25 प्रति ात कैसे दिए है? यह तो बात को टालने वाली बात है। मैने खुद देखा है कि वहां पर सारी फसलें नश्ट हो गई है और किसानो का बहुत नुक्सान हुआ है। मेरा प्र न यह भी है कि इसमें सब्जी की कितनी फसल नश्ट हुई

और कितने एकड का नुकसान हुआ तथा साथ ही साथ यह भी बताएं कि गेहं और सरसो की कितनी फसल का नुकसान हुआ है?

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, गिरदावरी पटवारी करते है और उस समय वहां पर किसान भी मौजूद होता है। पटवारी यही कहता है कि जितन किसी का नुकसान होता है, उसमें कोई संकोच की बात नही है इसमें सबका पूरा पूरा ध्यान रखा जाएगा। अध्यक्ष महोदय, जहां तक सब्जी की फसल का सवाल है, इस बारे में इन्होने इसमें नही पूछा है और ये आंकडे इस वक्त मेरा पास नही है।

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्र न यही है और इस बारे में आंकडे इनके पास होने चाहिए।

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, जो इन्होने पूछा है वह मैने बता दिया है।

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन्हे यह बताना चाहिए था कि प्याज, आलू और इसके अलावा दूसरी चीजो का प्रति एकड कितना खर्च आता है। अगर गिरदावरी ईमानदारी से हुई होती तो इसमें यह बताया होता कि इतना इतना इस–इस फसल का नुकसान हुआ है। यह सब अलग अलग बताते। यह तो इन्होने गोलमोल बात की है।

श्री अध्यक्षः क्या कम्पनसे ान के रेट्स अलग अलग है।

श्री निर्मल सिंहः जी हां सर। अलग अलग है। अगर ये जानना चाहते है तो हम यह फिगर कल या परसो दे देंगे। लेकिन अध्यक्ष महोदय, यह नही हो सकता कि प्याज की फसल खडी हो और हम कम्पनसे ान दे दें।

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह मेरा हक है और मे यह जानना चाहता हूं।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से अर्ज करता हूं कि हम फल और सब्जियो का दूसरी फसलो के मुकाबले में ज्यादा पैसा देते है। उसमें जहां पर खडी फसल का नुकसान होता है, उसमें अगर 75 प्रति ात से अधिक नुकसान होता है, वहां पर चार सौ रुपये प्रति एकड, जहां पर 50 से 75 प्रति ात नुकसान होता है, वहां पर तीन सौ रुपये प्रति एकड और जहां पर 25 से 50 प्रति ात नुकसान होता है, वहां पर 200 रुपये प्रति एकड देते है। यह जो अमाउन्ट मैने बताया है, इससे ज्यादा नही बनता है और मिनिस्टर साहब ने यह अलग अलग आंकडे दिए है।

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये मेरे पास नही है।

चौधरी भजन लालः यह मै आपको बता देता हूं। खेडा में 1230 एकड में, खेरहर में 310 एक डमें, छारा में 340 एक डमें और मंडोली में 1 लाख 342.5 एकड जमीन में नुकसान हुआ है।

हमें इसके लिए बकाया डी0 सी0 ने आंकडे दिए है। इसके लिए डी0 सी0 ने 7 लाख 78 हजार 750 रुपये मांगे और डी0 सी0 के पास हमने 4.5 लाख रुपये भेज भी दिए। अब तक 4 लाख 56 हजार रुपये बांटे भी जा चुके है। लेकिन कुछ लोग यह पैसा लेने नही गए है, उनको देने के लिए भी इसी महीने में यह रा ि। पहुंच जाएगी। जहां तक फसल और सब्जी का ताल्लुक है, इसके लिए हम गिरदावरी कराते है कि कितने एकड में सब्जी खराब हुई थी इसके लिए इतना मुआवजा होना चाहिए। जिस किसान की फल और सब्जी का नुकसान हुआ है, उसके मुआवजें के लिए हमारी एक नीति है और उसी नीति के मुताबिक किसान को फल और सब्जी का मुआवजा दिया जाएगा।

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानकारी चाही थी कि जो गिरदावरी आपने करायी थी, उसमें से कितने एकड सब्जी की फसल जैसे प्याज और भिंडी है, और कितने एक डमें दूसरी फसले हैं, जो कि पूर्ण रुप से बर्बाद हुई है? (व्यवधान) अगर वह कोई दूसरा किसान भी है, तो वह किसान है तो हरियाणा प्रदे ा का ही है, और वह इस प्रदे ा की तरक्की के लिए ही सब्जी पैदा करता है।

कृशि मंत्री (श्री हरपाल सिंह): स्पीकर साहब, ऐसा है कि जहां पर किसान का नुकसान 50 परसैंट होता है तो हम वहां पर 75 परसैन्ट की गिरदावारी कराते है और जहां पर 20 परसैंट का नुकसान होता है वहां पर 50 परसैंट की गिरदावरी करवाते है।

यानि हर एक फसल की गिरदावरी किसान के फेवर में ही करायी जाती है।

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, मै हाउस में आन ओथ कह रहा हूं कि मैने वहां पर मौके पर जाकर देखा है कि फसल को ओलो ने झाडकर रख दिया। मै मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा, जैसे कि इन्होने कहा है कि हमने ज्यादा गिरदावरी करायी है, अगर इन्होने ज्यादा गिरदावरी करवायी है तो वह कहां गयी? जहां पर 60 से 100 परसैंट नुकसान हुआ है, वहां पर तो आपने मुआवजा केवल 100 रुपये प्रति एकउ के हिसाब से दिखाया है। मै इनसे जानना चाहूंगा कि प्रति एकड कितनी गिरदावरी हुई और कितना मुआवजा दिया गया?

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, प्रति एकड कितना मुआवजा दिया गया है, यह तो जब गिरदावरी की रिपोर्ट आ जाएगी, तब बता देंगे। लेकिन सब्जी और दूसरी फसलो के खराब होने पर मुआवजा देने का फार्मूला वही है, जो इनकी सरकार के वक्त में हुआ करता था। जहां पर 75 परसैन्ट तक नुकसान हो, वहां पर सब्जी की फसल के लिए 600 रुपये और दूसरी फसलो के लिए 400 रुपये देते है। इसके अलावा जहां पर 50 से 75 परसैंट के बीच नुकसान होता है, वहां पर अनाज के लिये 300 रुपये और सब्जी की फसल के लिए 500 रुपये मुआवजा देते है। जहां पर 25 से 50 परसैंट के बीच नुकसान होता है वहां पर अनाज के लिये 200 रुपये और सब्जी के लिये 400 रुपये देते है। जहां तक इनका

कहना है कि प्याज की फसल का नुकसान हुआ है, तो जैसी कि सरदार साहब ने भी ठीक फरमाया और मै भी इनको बताना चाहता हूं कि हमने पटवारियो और एडमिनिस्ट्रे ान को हिदायतें दी हुई है कि किसान के साथ नरम रवैया अपनाते हुए ज्यादा गिरदावरी की जाए। अगर प्याज की फसल खराब हो गयी है और उसके बारे में जानना चाहते है तो हमें यह अलग से नोटिस दे दें, हम इनको बता देंगे।

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, मै आपसे उम्मीद करता हूं कि आप मंत्री जी को आदे ा देंगे िकवह मेरे प्र न का ठीक से जवाब दें।

श्री अध्यक्षः ठीक है। मंत्री जी आपके पास इसके बारे में पूरी डिटेल होनी चाहिए।

श्री मनी राम केहरवालाः स्पीकर साहब, मौजूदा सरकार ओला–वृश्टी और नैचुरल कैलेमिटी के लिये मुआवजा देती है, वह किसानो के नाम से दिया जाता है और देना भी चाहिए। लेकिन जो मुजारे है क्या उनको भी मुआवजा दिया जाता है?

श्री निर्मल सिंहः जी हां, मुजारे को भी दिया जाता है।

प्रो0 राम विलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री जी ने अपने लिखित जवाब में बताया कि इन्होने छारा, खेरहर, सलोठी तथा मंडोली के लिए 7 लाख 78 हजार 750 रुपये दिया है। यह मुआवजा इन्होने पुराने रेट के हिसाब से दिया है। पिछले

7–8 साल में किसान की लागत बहुत अधिक हो गई है। कुछ प्रान्तो ने मुआवजे की रा ि ा का रेट बढा दिया है। क्या यह सरकार भी मुआवजे का रेट बढाने पर विचार करेगी?

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमने तो मुआवजा हमारे पास जो फार्मुला है उसके तहत दिया है। मुआवजा बढाने की बात अलग है। उस पर सरकार गौर कर लेगी और क्षमता होगी, तो जरुर बढा देगी।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह मुआवजा आज की सरकार ने ही बढाया है। पहले यह मुआवजा 25 प्रति ात से 50 प्रति ात नुकसान तक 100 रुपये, 50 प्रति ात से 75 प्रति ात नुकसान तक 200 रुपये और उससे ऊपर 300 रुपये था। अब चूंकि किसान बीज, खाद, आदि महंगे भाव के डालता है इसलिये मुआवजा ज्यादा होना चाहिए तो हमने 100 का 200रुपये, 200 का 300 रुपये व 300 का 400 रुपये किया है यानि 100 रुपये फालतु किया है। इसी तरह से सब्जी पर भी 400, 500 और 600 रुपये किया है अर्थात् 200 का 400 किया है। किसान के हित में सरकार ने यह बहुत ही अच्छा काम किया है, जो किसान ओलावृश्टी एवं प्राकृतिक विपदा से प्रभावित होते है, उनकी पूरी मदद सरकार की तरफ से की जाती है।

Lining of Jhajjar-Sub-Branch Canal

***985. Chaudhri Om Parkash Beri:** Will the Minister for Irrigation be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government for lining of Jhajjar Sub-Branch Canal, District, Rohtak; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to materialize?

Irrigation Minister (Chaudhri Jagdish Nehra):

(a) Yes Sir,

(b) The lining work will be taken up and cmpleted according to availability of funds.

चौधरी औम प्रका ा बेरी: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूं ा कि क्या उनकी नौलेज में यह बात है कि झज्जर सब–ब्रांच की सैन्क ांड 900 क्यूसिक की थी। डीसिल्टिंग न कराने की वजह से कैपेसिटी आधे से कम रह गई है। यह बाकरा से आगे डाउन–स्ट्रीम से दूसरे गावों डुबलधन, अछेज की तरफ चलती है तो नहरी पानी उन इलाको को नही मिल पाता क्योंकि वहां नहर नाम की कोई चीज नही रह गई है। जब तक वहां डी–सिल्टिंग और लाइनिंग नही करा ली जाती, तब तक क्या सरकार कोई आल्टरनेटिव अरेंजमैंट करने के लिए तैयार है? दूसरे जिस तरह से मंत्री महोदय ने जवाब दिया है कि जे0 एस0 बी0 की लाइनिंग फंडज् की अवेलेबिलिटी के आधार पर करा देंगे तो यह इवेसिव रिप्लाई है। अगर सरकार की इंटैं ान हो तो फंडज् अवेलेबल कराए जा सकते है। कल मंत्री महोदय ने बताया था कि वर्ल्ड बैंक से 800 करोड रुपये से ज्यादा नहरो को ठीक

करने और उनकी डीसिल्टिंग के लिये मिल रहा है। क्या मंत्री जी हाउस में इस बात का आ वपासन देंगे कि जे0 एस0 बी0 कैनाल की वारफुंटिंग पर डीसिल्टिंग कराने के बाद किसानो को राहत दी जा सकेग? झज्जर सब–ब्रांच जवाहर लाल नेहरु कैनाल के पैरेलल चलती है। जब तक कि इसकी डीसिल्टिंग और लाइनिंग नही हो जाती, क्या तक तक जो प्रभावित किसान है, उनको जे0 एल0 एन0 से नहरी पानी देने के लिये सरकार तैयार है? या फिर झज्जर सब–ब्रांच को एंवडंड करके इन दोनो को एक नहर बना दिया जाए और उसमें से उन इलाको को पानी दे दिया जाए।

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने अपने पहले सवाल में कह कि इसकी कैपेसिटी 900 क्यूसिक है। 900 क्यूसिक नही है बल्कि 787 क्यूसिक है। इन्होने यह कहा कि इसका आधा पानी चलता है। यह बात ठीक है कि पानी की इसमें कमी है और डीसिल्टिंग और डीवीडिंग की वजह से है और इससे किसानो को बडी परे ाानी है, इसमें कोई दो राय नही है। इन्होने दूसरी बात यह कही है कि इस नहर को वर्ल्ड बैंक प्रोजैक्ट मे लिया गया है, यह दुरुस्त है कि वर्ल्ड बैंक का जो प्रोजैक्ट है जो अभी क्लीयर होने जा रहा है, उसमें यह प्रावधान है। 45 किलोमीटर के करबी काफी लम्बी यह नहर है। जे0 एस0 बी0 कैनाल जे0 एल0 एन0 के पैरेलल चलती है, जैसा कि इन्होने कहा है। इसके साथ साथ इन्होने यह भी कहा कि इसको जे0 एल0 एन0 के साथ मिला दिया जाए, इस तरह के प्रावधान का

सरकार का अभी कोई विचार नही है क्योंकि जे0 एल0 एन0 का जो पानी है, वह पैरीनियल है और यह बारामासी चलती है जबकि यह नान–पैरीनियल है। जे0 एल0 एन0 कैनाल में से बारि ा के दिो में पानी दिया जाता है इसलिये यह प्रावधान करना सम्भव नही है कि हम इसको जे0 एल0 उन0 में मिला दें।

चौधरी औम प्रका ा बेरी: अध्यक्ष महोदय, मै इनको यह बताना चाहता हूं कि माकरा हैड के बाद झज्जर सब–ब्रांच में पानी नही छोडाजा रहा है जिससे काफी गांव प्रभावित हुए है जिन गावों को पहले नहरी पानी मिलता था, अब वह पानी नही मिल रहा है। क्या सरकार इसके लिये कोई आल्टरनेटिव अरैन्जमैंट करने जा रही है या नही? स्पेसिफिक्ली मंत्री महोदय बताएं कि झज्जर सब–ब्राचं की लाइनिंग कब तक भ्ाुरु हो जाएगी? इसके साथ साथ यह भी बताएं कि बार फुटिंग पर डी–सिल्टिंग का काम कब तक करवा दिया जाएगा।

चौधरी जगदी ा नेहरा: अध्यक्ष महोदय, जो वर्ल्ड बैंका का प्रोजैक्ट है वह 1994–1995 से लेकर सन् 2000 तक का है और झज्जर सब–ब्रांच के लिये वर्ल्ड बैंक से 12 करोड रुपये का प्रावधान किया गया है। इसकी सारी की ही लाइनिंग करवाएंगे। जहां तक इस काम को भ्ाुरु करवाने का सवाल है, तो इस बारे में मै यही कहूंगा कि 1994–95 में जब भी पैसा मिल जाएगा, तब काम भ्ाुरु करवा देंगे। इसके लिये साल में हमने 2 करोड 10

लाख रुपये का प्रावधान करवा रखा है। जब भी हमें पैसा उपलब्ध होगा, हम जल्दी ही काम भाुरु करवा देंगे।

चौधरी औम प्रका ा बेरी: आल्टरनेटिव प्रबन्ध इसके लिये आप क्या करवा रहे है? यह बताए क्योंकि लोगो को पानी से वंचित किया जा रहा है, लोग परे ाान है।

चौधरी जगदी ा नेहरा: आल्टरनेटिक अरेन्जमैंट का इनका मतलब क्या है, मै समझ नही पाया। अध्यक्ष महोदय ये तो चाहते है कि जे0 एन0 एल0 से पानी दे दियाजाये जोकि ठीक नही है। झज्जर सब–ब्रांच लैफट पर है और जे0एल0 एन0 राईट पर है। तो जो राइट में किसान है, उनको तो हम ले0 एल0 एन0 के नीचे से पानी और पाईप लाईन के जरिये देते है और जो लैफट हैन्ड वालहे है, उनको इनका मतलब है कि जे0 एल0 एन0 से पानी दें, जोकि हम नही दे सकते क्योंकि जे0 एल0 एन0 खासतौर से महेन्द्रगढ और नारनौल के लिये है न कि यहां के लिये है। अगर किसानो को यहां से पानी दे दिया जाएगा तो पानी आगे नही जाएगा और एक बात और है कियह नान–पैरीनियल है। जो पानी अवेलेबल है, उसकी हम ठीक तरह से डिस्ट्रिब्यू ान करवा के ज्यादा से ज्यादा पानी देने की को ि ा ा करेंगे।

श्री अध्यक्ष: नेहरा साहब, आप जल्दी से जल्दी डी–सिल्टिंग करवा के पानी का प्रबन्ध करें।

चौधरी जगदी ा नेहरा: ठीक है जी।

श्री कर्ण सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि हमारे फरीदाबाद जिले में से गुडगांव नहर निकलती है, क्या .....

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, यह प्र न इससे संबंधित नही है, आप बैठें।

श्री कर्ण सिंह दलालः सर, यह मेरा प्र न इसी से रिलेटिड है। मै उनसे यह पूछना चाह रहा हमें कि जो पैसा वर्ल्ड बैंक से नहरो की मुरम्मत के लिये लेने जा रहे है..... (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप बैठे। यह प्र न इससे रिलेटिड नही है।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, आप इस बारे में मंत्री जी से पूछ लिजियेगा मेरा सवाल इससे मिलता जुलता है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः नही, आप बैठिये। यह इससे संबंधित नही है।

चौधरी बलवंत सिंह मैनाः अध्यक्ष महोदय, झज्जर सब–ब्रांच का बैड बहुत नीचा हे और जे0 एल0 एन0 का बैड बहुत ऊंचा है। जिन गावों को झज्जर सब–ब्रांच से पानी मिलता था, उसमें मोरी लगी हुई थी और जे0 एल0 एन0 के बीच का साईफन

अगले गांव में जाता है क्योंकि यह लैफट हैन्ड को है और वह दूसरा राईट हैन्ड को है। इस प्रकार से कई गावों में पानी की दिक्कत है। जैसे एक सूनारिया गावं है, उसका पानी साईफन टूटने या दबने के कारण पहुंच नही रहा है। अगर जे0 एल0 एन0 से पानी देते है तो वह बहुत नीचे रह जाता है और लोगो के खेतो मे पानी नही जाता। ऐसे गांव के बारे में सरकार क्या करवाएगी जहां पर पानी नही पहुंचता? क्या ऐसी जगह पर पानी पहुंचाने का सरकार प्रावधान करेगी?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, झज्जर सब–ब्रच से इनको पानी दिया जाता है ंजैसे इन्होने कहा कि कई जगहो पर दिक्कत है, तो उसको हम देख लेंगे। इनको पहले झज्जर सब–ब्राच से ही पानी दिया जाता था लेकिन फिर कई किसानो ने जे0 एल0 एन0 से पानी लेने की कोि ा ा की और उनको पानी दिया भी गया। लेकिन जे0 एल0 एन0 में सारा साल पानी चलता है इसलिए अब ये झज्जर की बात कर रहे है। मैने बता दिया है कि जहां कही दिक्कत होगी, उसे हम देख लेंगे।

चौधरी बलवंत सिंह मैनाः क्या मंत्री जी बताएंगे कि जहां पर अगर कही साईफन टूट जाए तो उस हालत में जे0 ए0 एन0 में मोरी लगाने का प्रावधान करेंगे?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, मैने पहले भी बताया है हम जे0 एल0 एन0 से पानी नही दे सकते। वह पानी

आगे के इलाको के लिए है। इनको तो जे0 एस0 बी से पानी मिलता है।हमारे पास कई बार पाईप लाईन टूटने की ि ाकायतें आई है और उनको म बकायदा चैक करवाते है। इसलिए जहां–जहां दिक्कत है, उसको देखा जा सकता है।

चौधरी बलवंत सिंह मैनाः स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नही आया। मै यह कहना चाहता हूं कि वहां पर जो साईफल लगाया हुआ था, उसमें एकसीजन ने एक पाईप और ठोक दिया और उस साईफन का साईज कम कर दिया। जे0 एल0 एन0 का बैड नीचे है और किसान के खेत ऊंचे है। इस वजह से वहां सिंचाई नही हो सकती। क्या इस समस्या का समाधान करेंगे?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, अगर ऐसी कोई स्पैसिफिक बात होगी तो उसको हल करने की हम कोि ा ा करेंगे। जब जे0 एल0 एन0 में पानी ज्यादा होता है, तो लोग कहते है कि हमें यहां से पानी दो। जब उसमें पानी नीचे चला जाता है तो दिक्कत होती है। हम उसका समाधान करने की कोि ा ा करेंगे।

चौधरी बलंत सिंह मैनाः मै ंयह जानना चाहता हूं कि यदि वहां के सिान जे0 एल0 एन0 से पानी लेना चाहे तो क्या देने का कश्ट करेंगे?

चौधरी जगदी ा नेहराः उनको जे0 एल0 एन0 से हम पानी नही देंगे। वह पानी तो महेन्द्रगढ और नारनौल के लिए है।

Providint Generators at Subsidized Rates

***917. Sardar jaswinder Singh:** Will the Minister for Power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide Generators to the farmers at subsidized rates?

Agriculture Minister (Shri Harpal Singh): Yes, A proposal is under consideration of the State Government to provide subsidy on diesel generating sets.

सरदार जसविन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, क्या मंत्री जी बताएंगे कि ये कितने के0 वी0 ए0 के जनरेटर्ज किसानो को देंगे?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, यह स्कीम अभी फाइनेलाईज नही हुई है। अगर मैंबर साहब कोई सजै ान देना चाहे, तो हम उसे वैलकम करेंगे।

श्री विरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया कि यह प्रपोजल अंडर कंसीड्रे ान हैं। सुना है कि हमारे साथ लगती स्टेट पंजाब में इन जनरेटर्ज को गवर्नमैंट सबसीडाईज्ड कर रही है। जब बिजली की कमी आ जाती है तो किसानो को बहुत तकलीफ होती है। तो मै जानना चाहता हूं कि इसको कब तक एकसपीडाईट कर सकेंगे?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने कैबिनेट की एक सब–कमेटी बनाई थी, जिसमें 7 मिनिस्टर है। बाकी सीनियर औफिसर्ज है। उस कमेटी में टोटल 13 मैम्बर है।

एग्रीकल्चर मिनिस्टर उस सब–कमेटी का चेयरमैन है। फाईनैंस मिनिस्टर, पावर मिनिस्टर, डिवैल्पमैंट मिनिस्टर, इरीगे ान मिनिस्टर, रैवेन्यू मिनिस्टर और मिनिस्टर आफ स्टेट फार इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग उस कमेटी के मैम्बर है। बाकी औफिसर्ज मैम्बर है। उस सब–कमेटी को दो मीटिंग्ज हो चुकी है और हम बहुत जल्दी इस बारे में फाईनल रिपोर्ट कैबिनेट में पुट–अप करने जा रहे है।

श्री कृश्ण लालः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि किसानो को सबसिडी के आधार पर जनरेटर सैट उपलब्ध करवाने का क्या क्राइटेरिया रखा है यानि कितने एकड जमीन के लिए यह सुविधा दी जाएगी?

श्री हरपाल सिहः स्पीकर साहब, जैसे अभी मैने सरदार जसवंत सिंह के सवाल के जवाब में बताया था कि यदि आपके पास इस बारे में कोई सुझाव है, तो हमें दें। अभी इस बारे में सब–कमेटी की रिपोर्ट फाईनल नही हुई है। यदि आपके पास इस बारे में कोई सुझाव है तो हमें दे दें। अभी सब कमेटी की रिपोर्ट फाइनल होने वाली है। उसकी रिपोर्ट फाइनल होने के बाद ही कहा जा सकता है कि यह फैसला किया है।

तारांकित प्र न संख्या 963

(यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्या श्रीमती चन्द्रावती हाउस में उपस्थित नही थी।)

Water Supply Scheme

***953. Chaudhri Zil Singh jakhar:** Will the Minister for Public Health be pleased to state-

(a) the number of water supply schemes based on canal and tubewells in Jhajjar Sub-Division, Separately; and

(b) whether there is any scheme under consideration of the Government to provide drinking water through tubewells in the villages in which the water is potable?

जन स्वास्थय मंत्री (श्री रामपाल सिंह कंवर):

(क)

	भाहरी	ग्रामीण	कुल
नहर पर आधारित योजनायें	2	41	43
नलकूपो पर आधारित योजनायें	—	17	17

(ख) जी हां।

चौधरी जिले सिंह जाखडः स्पीकर साहब, टयूबवैल से पीने का पानी प्लाई करने पर ज्यादा खर्च आता है और नहर से कम खर्च आता है। झज्जर सब–डिविजन में पीने का पानी बहुत कम आता है, क्योंकि झज्जर सब–ब्रांच सिल्ट से भरी हुई है। और वहां पर टयूबवै से पीने के पानी की सप्लाई बहुत कम है। झज्जर

सब–डिविजन में नीचे का पानी मीठा है। क्या सरकार वहां पर कैनाल और टयूबवैल, दोनो से पीने का पानी सप्लाई करेगी? मंत्री जी ने मेरे सवाल के बी भाग का जवाब दिया है: Yes, There is a scheme under consideration of the Government to provide drinking water through tubewells in the villages in which the water is potable. मै कहना चाहूंग कि मंत्री जी इस मामले में बतायें/आ वासन दे कि ये इस बारे में क्या स्टैप्स लेने जा रहे है? मै यह भी जानना चाहूंगा कि कैनाल बेस्ड स्कीम कितनी है और टयूबवैलो के जरिए कितने गावों को पीने का पानी दिया जा रहा है?

श्री राम पाल सिह कंवर: स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने पूछा है कि कैनाल बेस्ड स्कीमें कितनी है और टयूबवैलो के जरिए कितने गावो को पीने का पानी दिया जा रहा है। कैनाल बेस्ड लिफट स्कीम 13 है, जिनमें 41 गांव कवर्ड है। ाार्टेज आफ रा–वाटर की 10 स्कीमें है,जिनमें 26 गांव कवर्ड है। ग्रविटीफैड की 28 स्कीमें है जिनमें 87 गावं कवर्ड है। जहां पर कैनाल का वाटरपूरा नही है, वहं पर लोगो को पीने का पानी पूरी मात्रा में देने के लिए डीप भौलो टयूबवैल्ज लगाए है। इसके अलावा मै इनको बताना चाहूंगा कि चार कैनाल का काम चल रहा है जिनमें तीन गांव कवर्ड है। सरकार की कोि ा ा है कि आठवीं पंचवर्शीय योजना में हर गांव में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 40 लीटर पानी मिले।

चौधरी जिले सिंह जाखडः स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने कहा कि प्रति व्यक्ति प्रति दिन 40 लीटर पानी दिया जाएगा। मै आपको बताना चाहूंगा कि रोहतक से चलते ही मेहम रोड पर ब्रामणवास गांव है, उस गांव में कभी भी सारे दिन में 40 लीटर पानी नही आता है। उस गांव के लोग एक कए किलोमीटर से हैंड पम्प का पानी लेकर आते हैं इसी तरह से एक मातनहेल गांव है। उस गांव के लिए केवल एक टयूवैल है, जिसमें दो नल्के लगे हुए है और गांव की आबादी 12 या 13 हजार की है। उस गांव के लोगो को यह सरकार किस तरह से पीने का पानी देने के लिए सुधार करेगी? मैने यह कहा था कि जो कैनाल बेस्ड स्कीम्ज है, उन पर 30 से 40 लाख रुपया खर्च आता है और जो टयूबवैल बेस्ड स्कीमज है, उन पर 75–80 लाख रुपया खर्च आता है। मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या इन तीन चार गावों को पानी पहुंचाने के लिए कैनाल बेस्उ स्कीम से जोडा जाएगा?

श्री राम पाल सिंह कंवरः मैने अभी बताया है कि कई गावं ऐसे है, जिनमें 40 लीटर प्रति व्यक्ति पानी सप्लाई किया जा रहा है। यदि आप चाहे तो मै उनकी लिस्ट पढ कर सुना सकता हूं। जहां पर हम 20–30 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन दे रहे है, उसकी लिस्ट भी मेरे पास है। मै इनकी जानकारी के लिए पुनः बता देना चाहता हूं कि इनके सब–डिविजन में 178 गांव कैनाल बेस्ड स्कीमज में आते है ओर इनमें से 100 गावों मे हम 40 लीटर प्रति व्यक्ति पानी दे रहे है। इसी प्रकार से जो टयूवैल्ज बेस्ड

स्कीम के तहत गांव आते है, उनकी संख्या 33 है जिनमें हम 40 लीटर प्रति व्यक्ति पानी दे रहे है। इसके अलावा हम जिन गावो में 20 से 30 लीटर प्रति व्यक्ति पानी की सप्लाई कैनाल बेस्ड स्कीम के तहत दे रहे है उनकी संख्या और टयूबवैल्ज बेस्ड कीम के तहत इतनी मात्रा में पानी दे रहे है, उनकी संख्या कुल 39 है। जो कैनाल बेस्ड स्कीम है, उनका खर्चा ज्यादा है और टयूबवैल्ज बेस्ड स्कीमज का खर्चा कम आता है। यदि गहरे टयूबवैल्ज लगाएंगे तो पानी खारा निकलता है इसलिए हम वहां पर भौलो टयूबवैल लगाते है। हम लोगो की मांग को पूरा करने के लिए ऐसा करते है लेकिन इन टयूबवैल्ज की लाईफ कम होती है इसलिए कैनाल बेस्ड स्कीम की तर ज्यादा ध्यान दे रहे है।

श्री राम रत्नः अध्यक्ष मै आपके माध्यम`स मंत्री जी के नोटिस में लाना चाहता हूं कि मेरे हल्के में कई गांव ऐसे है जिनमें वाटर सप्लाई की स्कीम अभी तक नही पहुंची है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि इन गावों में कब तक वाटर सप्लाई की स्कमी पहुंचा दी जाएगी?

श्री राम पाल सिंह कंवरः इसके लिए आप अलग से नोटिस दे दें, जवाब दे दिया जाएगा।

श्री मनी राम केहरवालाः अध्यक्ष महोद, आज की सरकार ने हर गांव में पीने का पानी पहुंचा कर बहुत ही अच्छा कार्य किया है। लेकिन इसमें थोडी सी दिक्कत रहती है कि जो ढाणियां है,

उनमें अभी तक पानी नही पहुंचा है। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि कोई समयबद्ध कार्यक्रम करके इन ढाणियो की आबादी की सीमा मुकर्रर करके इनको पानी कब तक दे दिया जाएगा?

श्री राम पाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महोदय, गवर्नमैंट ने फैसला किया है कि जिन ढाणियो की आबादी 250 से 300 कब बीच की है, उनको 8वीं पंचवर्शीय योजना में पानी देने की कोि ा ा करेंगे।

डा0 राम प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जिन गावों में पेयजल के लिए टयूबवैल लगाये जाते है, क्या उनको बजली का कनैक ान प्रायरिटी बेसिज पर दिया जाता है? मै यह भी जानना चाहता हूं कि यदि गांव के लोग अथवा पंचायत पीने के पानी के लिए अपने टयूबवैल लगाने का प्रबंध कर ले तो क्या उनको बिजली का कनैक ान प्रायरिटी बेसिज पर दिया जाएगा। दूसरी दिक्कत यह है, कि कई जगह पर जो टयूबवैल है वे तो नीचे एरिया में लगे हुए है और उनसे पानी उंचाई पर पडने वाले गावो को दिया जा रहा है जिस कारण पानी की सप्लाई अच्छी प्रकार से नही हो पा रही। मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या ऐसी पाईप लाइनो के एलाईनमैंट को बदलने का कोई विचार है?

श्री राम पाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी की सरकार ने अपना एक फैसला दिया है कि वाटर

सप्लाई स्कीम्ज के लिए जो टयूबवैल्ज है, उनको बिजली का कनैक ान प्रायोरिटी पर दिया जाएगा और इससे पहले दिये भी जा चुके है। डा0 राम प्रका ा जी के दूसरे सवाल का जवाब यह है कि कई गावो में टयूवैल लगे है, वे नीचे है जिसके कारण पानी का पूरा प्रे ार नही बनता। पीने के पानी के लिए जो हम टयूबवैल लगाते है, उनके लिए जगह गांव वालो से मांगते है और जहां वे जगह दे देते है, वहीं पर टयूबवैल लगाने पडते है और कई बार मजबूरी में नीची जगहो पर टयूबवैल लगाने पड जाते है। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की प्रौब्लम चाहे कही पर भी है, ये हमारे नोटिस में लाए, हम पानी की बूस्टिंग करके या कोई और प्रबंध करके उनकी प्रौब्लम को दूर करने का इन्तजाम करेंगे।

डा0 राम प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल यह है कि एक गांव जहा टयूवैल लगा हुआ है, उससे 4 गावो में पानी जा रहा है। जिस गांव में टयूबवैल लगा हुआ है, वह गांव नीचे है और बाकी के चार गांव उंचाई पर है जिस वजह से पानी की सप्लाई सही नही होती। अगर किसी गांव के निकट का दूसरा टयूबवैल है तो क्या उसे उंचाई पर लगे टयूबवैल से जोडा जाएगा। कोई गांव अपने साधनो से पेयजल के लिए टयूबवैल लगा देता है, तो क्या टयूबवैल को प्रायोरिटी बेसिज पर बिजली का कनैक ान उपलब्ध करवाया जाएगा?

श्री राम पाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महोदय, अगर किसी गांव में पीने के पनी के लिए कोई टयूबवैल लगा है या कोई गांव

प्राइवेट टयूबवैल लगाता है, तो उसको बिजली का कनैक ान देने का काम पावर मिनिस्टर का है। दूसरा इनका जो सवाल है, उसके जवाब में मै यह बताना चाहूंगा कि अगर कोई 3 या 4 गावो के पानी की स्कमी है और वहां पर पानी की सप्लाई ठीक नही हो रही है, तो हमारे नोटि में लएं, हम दूसरा टयूबवैल लगवा कर या जो कुछ और हो सकता है, उसको पूरी तरह से कंसीडर करेंगे और जो समाधान उसका हो सकता है, वह करेंगे।

श्री अध्यक्षः राम प्रका ा जी, ठीक कह रहे है और इनका सवाल ठीक है। हमारे इलाके में भी कई गांव ऐसे है जिनमें पानी का फलो नौर्थ से साउथ या वैस्ट से इस्ट चलता है और कई जगह टयूबवैल ऐसी जगहो पर बोर किए हुए है, जहां पर पानी की सप्लाई के लिए जो गांव है, उनमें 7–8 फुट का फर्क है। जहां पर ईस्ट से वैस्ट पानी चल रहा है या सप्लाई ऊंचे गावों मे जा रही है, उन तक पानी ठीक पहुंचाने के लिए तो नये बोर ही करवाने पडेंगे।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, आपकी बात बिल्कुल ठीक है लेकिन इसमें भी कई तरह की प्रोब्लमज् है। कई जगहो पर पानी मीठा नही मिलता और कई जगो पर ऊंची जगहो पर जमीन नही मिलती (विघ्न) इसलिए ऐसी जगहो पर टयूबवैल्ज लग गए है, जहां से पानी का बहाव नही बनता, एक गाव ऊंचाई पर है तो दूसरा निचाई पर है। इस प्रकार की प्रौब्लम को डिपार्टमैंट को टैक्नीकली देखना चाहिए और हम डिपार्टमैंट

को कहेंगे कि वे टैक्नीकली इस बात को देखें। जहां पर आसानी से टयूबवेल लग सकते है, वहां पर टयूबवैल लगाएं और जहां पर पानी आसानी से उपलब्ध नही है, वहां पानी उपलब्ध करवाने के लिए जो प्रबन्ध हो सकता है, वह भी करने की कोि ा ा करेंगे। इसके अलावा टैंक बनाए जा सकते है और ऊी टैंकी बना कर पानी को टैंकी से छोडा जा सकता है। पानी को टैंकी में स्टोर करके सप्लाई करें तो गावं चाहे कितनी भी उंचाई पर हो पानी की सप्लाई ठीक हो सकती है। जहां आव यकता होगी वाटर टैंकी बना कर पानी की सप्लाई करवाने का प्रावधान करेंगे। अध्यक्ष महोदय, सभी गावों को पीने का पानी ठीक मिलेगा।

बिजली मंत्री (श्री ए0 सी0 चौधरी): स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने पूछा था कि जहां पर पीने के पानी के लिए प्राईवेट टयूबवैल लगवा कर देंगे, तो क्या उनको बिजली का कनैक ान प्रायोरिटी पर दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि अगर उस टयूबवैल को पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट मोनिटर करे तो उसको प्रायरिटी बेसिज पर तुरन्त कनैक ान दे दिया जाएगा। टयूबवैल के लिए इस बात की पूरी गारंटी होनी चाहिए कि उसका पानी पीने की सप्लाई के अतिरिक्त किसी और कार्य के लिए डिस्ट्रीब्यूट नही किया जाएगा।

डा0 राम प्रका ा: मेरे हलके में गांव उमरी है। वहां की पंचायत अगर अपने बाकी दो गावों को टयूबवैल लगा कर दे, तो

क्या मंत्री जी बिजली का कनैक ान दिलाने का कश्ट करेंगे? (विघ्न)

बिजली मंत्री (श्री ए0 सी0 चौधरी): अध्यक्ष महोदय, हम पंचायती टयूबवैल को प्रायोरिटी देंगे। अगर वे मेरे पास आ जाएंगे, तो एक दिन में ही उनको कनैक ान दिलवा दिया जाएगा।

श्री अध्यक्षः इसमें आप रेट क्या चार्ज करेंगे?

श्री ए0 सी0 चौधरीः सर, जो पब्लिक हैल्थ वालो का रेट होगा, वही चार्ज करेंगे।

श्री सतबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, इस सरकार की 20 लीटर पानी प्रति व्यक्ति देने की योजना है जबकि आजकल हफ्ते में तीन दिन तक बिजली नही आती तो क्या ये पूरा पानी देने के लिए बिजली को हर रोज देने की व्यवस्था करेगें क्योंकि अभी तक तो इनका बिजली का कोई सिस्टम नही है और न ही नहरो का कोई सिस्टम है। इसके अलावा अगर एक गांव में पानी नही आता है, तो क्या वहां पर नहरे न आने की सूरत में भौलो टयूबवैल लगाकर पानी देने की व्यवस्था करेंगे?

श्री राम पाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महोदय, भौलो टयूबवैल का लाभ बहुत ही कम होता है। हमारी कोि ा ा तो यही है कि जहां पर पानी कम है, वहां पानी दें। जैसा कि मैने अपने जवाब में भी बताया है कि हमने कुछ भौलो टयूबवैल लगाए है, ताकि वहां पर कुछ पानी पहुंचाया जा सके।

श्री अजमत खानः अध्यक्ष महोदय, इन्होने जो टयूबवैल बोर किए है चाहे वह पंचायतो ने किए है, चाहे पब्लिक हैल्थ वालो ने किए है, उनको बिजली न मिलने की वजह से वे वैसे ही पडे हुए है। पहले तो बिजली बोर्ड वाले खम्बा ही नही देते है। अगर दे देते है, तो बिजली ही नही आती है। मेरे हके में ऐसे 13 टयूबवैलज है, लेकिन उसमें से तीन पर ही बिजली मिलती है। मंत्री जी मेरे हल्के में गए थे और इन्होने कहा था कि हम कनैक ान दे देंगे लेकिन आज तक कनैक ान नही दिए गए। इसके अलावा मुख्य मंत्री जी ने भी ऐलान किया था कि हम दो महीने के अन्दर–अन्दर कनैक ान दे देंगे लेकिन आज एक साल हो गया है और कनैक ान नही दिए गए।

श्री ए0 सी0 चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मुझे इनकी यह बात सुनकर बहुत ही दुःख हुआ है। हमने ऐसे टयूबवैलज को प्रायोरिटी पर कनैक ान दिए है। अगर इनके टयूबवैल्ज रह गए है तो ये मुझे सैपरेटली लिख कर दे दें, मै इसको पर्सनली देख लूंगा।

Repair of Roads

***957. Shri Daryao Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state the total amount allocated to the Jhajjar Sub-Division of P.W.D (B&R) for the repair of roads of Jhajjar Sub-Division during the year 1993-94, together with the name of each road on which the aforesaid amount has been spent?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): वर्श 1993–94 के दौरान झज्जर उप–मण्डल (सिविल) की सउको की मरम्मत के लिए लोक निर्माण विभाग (भवन तथा सडके) के झज्जर उपमण्डलो द्वारा खर्च की गई रा ि ा 81.53 लाख रुपये है। ऐसी सडको की सूची सदन के पटल पर रखी जाती है।

वर्श 1993–94 के दौरान झज्जर उप–मण्डल (सिविल) की सउको की मरम्मत के लिए लोक निर्माण विभाग (भवन तथा सडके) भााखा के झज्जर उपमण्डलो द्वारा खच की गई रा ि ा।

क्र स0	सडक का नाम	खर्च की गई रा ि ा (लाखो में)
राज्य उच्च मार्ग		
1	रोहतक झज्जर रिवाडी सडक कि0 मी0 77.43 से 95.00	6.61
2	सांपला झज्जर सडक	2.73
3	झज्जर बहादुरगढ छुछकवास सडक	9.57
4	रोहतक झज्जर रिवाडी सडक कि0 मी 52.02 से 73.43	5.42

5	झज्जर फारुख नगर सडक	2.61
6	झज्जर सुचाना सडक	6.24
7	सांपला झज्जर सडक	3.16
मुख्य जिला सडके		
8	छारा दुजाना बेरी सडक	2.70
9	छुछकवास मातनहेल बाहु करोली सडक	4.11
10	झज्जर बादली सडक	1.47
अन्य जिला सडके		
11	बेरी जहाजगढ सडक	0.15
12	सांपला डीधल सडक	1.65
13	झज्जर धौड बेरी सडक	0.43
14	झज्जर जहाजगढ लिंक और पहुंच सडक	0.27
15	रोहतक झज्जर रिवाडी कि0 मी0 77.43 से 95.00 लिंक और पहुंच सडक	0.03
16	बेरी मेहम सडक विद इटस लिंकस	0.95

17	बेरी कबुलपुर सडक उपरोक्त	0.38
18	बेरी दुबलधन सडक	1.22
19	गाडरी से सफीपुर	0.03
20	हमायुपुर पहुंच सडक	0.16
21	बिरधाना पहुंच सडक	0.61
22	बैराना से छोछी	1.54
23	छुछकवास मातनहेल सडक की पहुंच तथा लिंक सडके	1.70
24	मातनहेल साहलावास सडक	0.53
25	साहलावास निवादा सडक	0.46
26	छुछकवास चंदवाना	0.55
27	छुछकवास बिंडावास	0.05
28	ससरौली से सुडेरना	0.50
29	मातनहेल बहु करोली से झामरी वाया बाजीपुर	1.01
30	ससरौली बेहरोर कालियावास	0.89

31	बेहरोर से डिलानवास	0.89
32	खौरा पहुंच सडक	0.94
33	छुछकवास से तलाव	0.07
34	डीधल बेरी सडक	0.33
35	सुरैी पहुंच मार्ग	0.06
36	रोहतक झज्जर रिवाडी सडक कि0 मी0 52.02 से 77.43	2.26
37	कुलाना पटोदा सडक	1.09
38	झज्जर फारुखनगर सडक	1.69
39	झज्जर बादली सडक	1.95
40	झज्जर धौड बेरी सडक	0.12
41	झज्जर सुबाना सडक	2.49
42	झज्जर छुछकवास तलाव सडक	2.17
43	झज्जर बहादुरगढ छुछकवास सडक	0.20
44	बहादुरगढ झज्जर सडक	1.83
45	सांपला झज्जर सडक	0.08

46	भााहजहांपुर सें कुंजिया सडक	0.45
47	ककाना से जाहिदपुर सडक	0.56
48	छुछकवास से चंदवाना सडक (कि0 मी0 3,6 और 7) पर हैवी पैच वर्क और प्रीमिक्स कारपेट	1.52
49	छुछकवास सउक से भााहजहांपुर सडक (कि0 मी0 2.70 से 3.40) पर हैवी पैच वर्क	0.63
50	बिथला से आम्भोली सडक (कि0मी0 2. 70 से 3.40) पर हैवी पैच वर्क तथा प्रीमिक्स कारपेट	0.57
51	बादली इकबालपुर विद इटस लिंकस	1.05
52	याकुबपुर से सौंडी	1.10
53	चन्दु बादली रोड	0.22
54	नंगला कुतानी सडक	0.05
55	बादली से पेलपा	0.84
56	बादली ककरोला वाया लाडपुर बामनोला	0.64

श्री दरियाओ सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन्होने जो बताया है वह सब कागजो में ही होता है लेकिन सडको की मरम्मत नही होती है और न ही हुई है। ये पता नही, क्या देखकर यहां पर जवाब दे देते है। आज वहां पर इनही के एक्सीयन और चपडासी सडको के ठेके लेते है लेकिन सडको को नही बनवाते और न ही मरममत करवाते है। अध्यक्ष महोदय, आप इस सबको देखने के लिए एक कमेटी गठित कर दें। उसमें दो अपोजी ान के मैम्बर हो और दो रुलिंग पार्टी के मैम्बर हो। वे जाकर चैक करें। अगर एक भी सडक की मरम्मत हुई हो, तो मै इस्तीफा दे दूंगा नही तो ये इस्तीफा दे दें।

श्री अध्यक्षः दरियाओ सिंह जी, यह ठेके का सवाल नही है, यह तो मरम्मत करने का सवाल है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै इनको यह बताना चाहता हूं कि 56 सडको की मरम्मत की गई है। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, ये भाायद ठीक ही कहते है। इतनी बडी स्टेट है। कोई रह गई होगी, लेकिन 56 सडको की मरम्मत हुई है। जिनमे से 7 स्टेट हाई–वे है जो झज्जर में से गुजरती है, 3 डिस्ट्रिक्ट की सडके है और 46 लिंक रोडज् है। उन पर 81 लाख 53 हजार रुपए खर्च किए है। माननीय सदस्य आज तक वहां पर नही गए होंगे। ये वहां पर जाकर देखें, तो कुछ पता चलेगा। यह आंकडा`की बात नही है बल्कि यह तो एक एक पैसे के खर्च की बात है कि कितनी सडको की मरम्मत की गयी है और कितनी

सडको पर कितना कितना पैसा खर्च हुआ है। यह सारा हिसाब मेरे पास है।

Roads Damaged on Account of Sand Mines

***951. Shri Jaipal Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether the Government is aware of the fact that roads from G.T. Road Kundli to village Jati-Kalan, Dhahisara road and from Beeswa Meel to villages Jakholi and Jatheri of District Sonipat have been damaged due to sand mines; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to repair the aforesaid roads?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) हां जी।

(ख) रेती की खानो के कारण इन सडको पर भारी ट्रक का आवागमन रहता है इसलिए ये क्षतिग्रस्त होती रहती है। इन सडको को चौडा/मजबूत करने की आव यकता है जिनको भागो में लिया जायेगा।

श्री जयपाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरे हल्के राई में रेती की खानो की वजह से सडके टूटी हुई है। मुख्य मंत्री जी ने 1992 में यह वायदा किया था कि वह सडको को 12 फूट चौडी कर देंगे। लेकिन मेरे हल्के में सडको पर रेती की खानो की वजह से बहुत ट्रक आते जाते है। स्पीकर साहब, अब 1994 आ गया लेकिन

अब भी वहां उन सडको की हालत ऐसी ही है। तीन गावों के लिए तो आने जाने के लिए दिल्ली कर तरफ से आना पडेगा क्योंकि वहां पर जाने के लिए सारी सडके टूटी हुई है। अगर एक महीने के अंदर अंदर ये सउको ठीक न करवायी गयी तो किसानो की फसल का एक दाना भी उनके घरो मे नही आ सकेगा क्योंकि वहां से उनके ट्रक्टर नही निकल सकते। जी0 टी0 रोड, कुंडली से लेकर धहीसरा गांव जोकि यमुना पर है, सारी पक्की सडक टूट चुकी है। और यह सडक टूट कर खान में जा चुकी है। क्योंकि खान चालीस फूट गहरी खोदी जाती है और सडक चालीस फूट उंची खडी रहती है। पटरी तो सारी ही टूट चुकी है लेकिन पक्की सडके भी इस तरह से खत्म होने वाली है। धहीसरा से जाटीकलां, जाटीखुर्द और सेरसा तक यानि चार गांव के लोगो का अनाज मंडी तक नही जा सकता। इसलिए मेरी आपसे रिकवैस्ट है कि इन तीन चार सडको को ठीक किया जाए। जी0 टी0 रोड कुंडल के साथ चार फुट गहरी सडक हो चुकी है। उसके साथ लगते मकान दुकान सब गिरने वाले है। इसके अलावा एक सडक जो जटेडी से छतेरा, बहादुरपुर, मंगरोली, और खरखौंदे की तरफ जाती है, तो उस एरिये के किसान भी अपनी फसल सडक टुटने की वजह से मंडी तक नही ला सकते। इसी तरह से एक सडक नरेले वाली भी है। मुख्य मंत्री जी वि वास तो दे देते है लेकिन काम कुछ भी नही होता है। पहले इन्होने 1992 में कहा था कि इन सडको को ठीक कर देंगे लेकिन आज तो 1994 भी जाने लग रहा है।

इसलिए मुख्य मंत्री जी बताएं कि कब तक इन सडको को ठीक करवा देंगे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इनकी बात ठीक है। वहां जो सडके पहले बनी थी, वह दूसरी जनरल सडको की तरह बनी थी। लेकिन जहां पर कम से कम 300 ट्रक रोजाना रेता लेकर चलते हो और बरसात के दिनो में भी यही हाल हो, तो वह सडके वाकई बरसात के दिनो में टूट जाती है। उन सडको को चौडा करने व उनकी रेजिंग करने का काम हमने अपने हाथ में ले लिया है। मै इनको बताना चाहता हूं कि हमने बीसवां मील से गांव जखोली, पडसेरा सडक का पैच वर्क का कार्य चालु कया है और यह प्रगति पर है। इसके अलावा बीसवां मील से जखोली के नजदीक सेवली की सडक को भी 12 फूट से 18 फुट चौडा करने का काम भी पूरा होने के नजदीक है। हमने यह फैसला किया है कि इन सउको को 12 फुट से 18 फुट चौडा किया जाए और थोडी रेजिंग करके उठाया जाए। इसके लिए हमने इस साम में 15 लाख रुपये दे दिए है। टोटल 43 लाख रुपये इन पर खर्च किए जाएंगे जिसमें से 15 लाख रुपये तो इस साल खर्च करेगे और बाकी 27–28 लाख रुपये अगले साल खर्च करेंगे और इन सडको को 18 फुट तक चौडी भी कर देंगे तथा बढिया पक्की पुख्ता भी बना देंगे।

श्री जय पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी वहां पर गए थे और मै भी वहां पर हाजिर था। वहां पर मुख्य मंत्री जी

की गाडी सेवली गांव के आगे नही निकल पायी थी क्योंकि वह बहुत दलदल और कीचड थी। मै मानता हूं कि उस सडक पर मिटटी पड रही है और उस सडक को उंचा कर रहे है लेकिन इन्होने जी0 टी0 रोड कुंडली से जाटी कलां धहरसरा रोड का जिक नही किया है जबकि वह सडक सबसे पहले खत्म होने वाली है। वहां के किसानो की फसल किस तरह से आएगी। क्या वह नरेले से होकर आएंगे? इसलिए आप इसके लिए कोई टाईम फिक्स कर दे कि उस सडक पर आप 15 दिन के अंदर काम भुरु करवा देंगे ताकि फसल आने तक मिटटी पडकर रोडी पडकर उस पर आने जाने का रास्ता तो हो जाए। तारकोल तो आप चाहे 1995 में डाल दें। अगर 1995 में भी डाले तो 1996 में तो हम स्वयं ही आकर उस सउक पर तारकोल डाल देंगे। अंत मे मै मुख्य मंत्री जी से कहूंगा कि वे कम से कम इन सडको को उंचा करवाने की कृपा करें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने यह बात ठीक कही है। बरसात की वजह से सडके बहुत सी जगहो पर टूटी है। मै जसवंत सिंह चौहान की तेरहवीं पर गया था। बहुत भारी बरसात हो गई थी। यह बात भी ठीक है कि पानी सडक पर 2–2 फुट खडा हो गया था। हमें दूसरे रास्ते से आना पडा था। मैने उसी दिन आदे ा दि थे और कहा था कि थोडी सी बरसात से पानी सडक पर रुक जाए यह ठीक नही है। उस सडक कीह रेजिंग का काम हमने भुरु कर दिया है औरा उस पर

मिटटी पडनी भाुरु हो गई है। 3–4 महीनो में हम बिल्कुल यह कोि ा ा करेंगे कि काम पूरा हो जाए। मार्च तक यह सडक ल्किुल ठीक तरह से कंपलीट हो जाएगी। 15 लाख रुपया हमने दे दिया है और अगले साल में 27–28 लाख रुपया और देकर के इन सडको को ठीक कराएंगे। बरसात से जो सडके टूटी है, उसके लिए हमने पी0 डब्ल्यू0 डी0 को दो करोड रुपये स्पे ाल दिए है। बरसात के दिनो में जो डके खराब होगी, उसको वारफुटिंग पर ठक किया जाएगा। आपने जो सडके बताई है, उनको हम पहले ठीक करा देंगे। आप वि वास कीजिए।

श्री अध्यक्षः जयपाल जी, आप बैठ जाइए। मुख्य मंत्री जी ने आपको ए योरैंस दे दी है। आपकी सडक ठीक हो जाएगी।

Appointment of Ophthalmic Assistant

***956. Smt. Janki Devi:** Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to appoint Ophthalmic Assistant in General Hospital, Karnal; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Assistant is likely to be appointed?

स्वास्थय मंत्री (श्रीमती भाांति देवी राठी):

(क) जी नही।

(ख) प्र न ही उत्पन्न नही होता।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, बहन जी आखों के डाक्टर के बारे में जो सवाल उठाया है, यह बहुत महत्वपूर्ण विशय है। मै बहन जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि पूरे हरियाण प्रदे ा में आखों की बीमारी चली हुई है, फाइनैंस मिनिस्टर साहब हाउस में च मे लगाकर बैठे है उनकी आखों पर भी इस बीमारी का प्रभाव लगता है। मै आपके माध्यम से बहिन जी से अनुरोध करुंगा कि आखो के डाक्टर न सिर्फ करनाल बल्कि पूरे हरियाणा के जितने भी भाहरो में नही है, उनको लगाना चाहिए?

श्रीमती भाांति देवी राठीः अध्यक्ष महोदय, मै अपने आदरणीय भाई को बताना चाहूंगी कि यह आखो के डाक्टर की बात नही है, बल्कि नेत्र सहायक की बात है। इस वक्त हमारे पास 90 नेत्र सहायक की पोस्टे है। 80 पी0 एच0 सी0/सी0 एच0 सी0 और 10 सिविल अस्पतालो में है। करनाल की जो बात बहिन जी ने कही है, तो करनाल में पोस्ट सैंक ान्ड नही है, इस वजह से नही लगाया जा सकता है।

Repari of School Building, Atali

***948. Ch. Balwant Singh Maina:** Will the Minister for Education bepleased to state-

(a) whether Government is aware of the fact that the building of Government High School, Atail in district Rohtak is in damaged condition; and

(b) if so, the time by which the aforesaid building is likely to be repaired?

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना):

(क) हां जी।

(ख) विद्यालय भवन की मरम्मत इस वर्श करवा दी जाएगी।

चौधरी बलवंत सिंह मैना: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस भवन की मरम्मत कब तक करा दी जाएगी?

श्री फूल चन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, मैने स्पश्ट भाब्दो में कहा है कि इस वर्श के अन्त तक करा दी जाएगी। इसके साथ साथ मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हरियाणा सरकार ने पिछले वर्श में भवनो की मरम्मत के लिए 2 करोड रुपये अपने बजट से और इससे फालतू जो कमेटी डिस्ट्रिक्ट लैवल पर सरकार ने बनाई है, उसके माध्यम से रखा गया है। अध्यक्ष महोदय, रोहतक जिले में 91 स्कूलो की हमने मरम्मत की है, जिस पर 31 लाख 31 हजार रुपया खर्च आया और बहुत सारे नये भवन भी

हमने बनवाए है और जो स्कूल ये बता रहे है, उसको इस साल ले लिया गया है और उसकी मरम्मत इसी साल करवा दी जाएगी।

श्री अध्यक्षः मुलाना साहब, रिपेयर का काम आप किस एजेन्सी से करवा रहे है?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, पहले तो हम यह काम पी0 डबल्यू0 डी से करवाया करते थे लेकिन हरियाणा सरकार ने इस बात के महत्व को देखते हुए कि अगर गांव में स्कूलो की मरम्मत का काम ठीक ढंग से न हो, तो इसके लिये जिला लैवल पर एक कमेटी बनाई है जिसमें डिप्टी–कमि नर उसके अध्यक्ष होंगे और उसमें बी0 डी0 ओ0 वहां की पंचायत का सरपंच, स्कूल का हैड भागमिल होंगे। उसके माध्यम से अब यह मरम्मत का काम सरकार करवाती है। सरकार का पैसा भी उसमें लगता है और जिला लैवल पर जवाहर रोजगार योजना के तहत मैचिंग ग्रांट, रुरल डिवैल्पमैंट फण्ड का पैसा होता है और बजट प्रोवीजन ि ाक्षा विभाग का भी होता है। इस तरह से स्कूलो की मरम्मत का काम करवाया जाता है।

प्रो0 छतर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अभी बतलाया कि पी0 डबल्यू0 डी0 (बी0 एण्ड आर0) पर ि ाक्षा विभाग का कोई वि वास नही रहा है। इसलिये स्कूलो की मरम्मत का काम किसी दूसरी एजेन्सी को दिया गया है। बडे दुर्भाग्य की बात है कि पी0 डबल्यू0 डी0 का विभाग मुख्य मंत्री महोदय के

पास हो और उसकी रिलायबिलिटी इतनी लो ऐब पर चली जाए और एक मंत्री उसके बारे में यह कहे कि पी0 डबल्यू0 डी0 (बी एण्ड आर) मरम्मत करवाने में पैसा खाती है (ाोर)। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जैसे उन्होने अभी बतलाया कि रोहतक जिले में 91 स्कूलो की मरम्मत का काम उन्होने करवाया है। अध्यक्ष महोदय, यह सारा मरम्मत का काम कागजी है। भिवानी जिले के लोग ि ाा मंत्री महोदय से इस बारे में मिले भी थे। वहां पर एक धनाना गांव है। वहां पर दो करोड की एक इमारत है, जोकि बिल्कुल टूट चूकी है और वहां पर बच्चे बैठ नही सकते, गिरने वाली है। क्या वे बताएंगे कि ऐसे स्कूलो की मरम्मत के लिये भी सरकार भिवानी के अन्दर पैसा खर्च करने का विचार रखती है या नही? और क्या मरम्मत करवाते वक्त सरकार किसी ईमानदार ऐजेन्सी को यह काम सौंपेगी क्योंकि सरकार को पी0 डबल्यू0 डी0 विभाग के उपर इनके कहने के अनुसार वि वास नही रहा है।

श्री फूल चनद मुलानाः अध्यक्ष महोदय, प्रोफैसर छतर सिंह जी इतिहास के विधार्थी रहे है और इतिहास के प्रोफैसर है। मुझे लगता है कि भाायद इन्होने इतिहास का पिछला पन्ना फरोल लिया है जो 91 से पहले का था। मैने यह बिलकुल नही कहा कि पी0 डबल्यू0 डी0 विभाग पर सरकार का वि वास नही रहा है। मैने यह कहा है कि पी0 डबल्यू0 डी0 विभाग बहुत अच्छा काम कर रहा है। (ाोर) इस तरह की बातें यहां कह कर सदन को

फि ा–मार्किट नही बनाया जाना चाहिये। (विघ्न) अगर ये भाई पहले बोलते है तो ये जरा सुनने की क्षमता भी अपने अन्दर रखे ताकि सरकार की आवाज इन तक पहुंच सके। इस तरह भाोर नही मचाया जाना चाहिये। हाउस की भी कोई मार्यादा होती है। (ाोर)

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मंत्री महोदय ने आन दा फ्लोर आफ दा हाउस कहा है और यह रिकार्ड में दर्ज है। आप रिकार्ड उठाकर देख लें। उन्होने यह कहा है कि पी0 डब्लयू0 डी0 विभाग पर उनको वि वास नही रहा है इसलिये हम यह काम किसी दूसरी एजेन्सी से करवा रहे है। अध्यक्ष महोदय, आपके पास टेप है। आप टेप सुन ले तो आप को पता चल जाएगा कि इनहोने क्या कहा है। फिर भी मंत्री महोदय बार बार यह कह रहे है कि मैने यह नही कहा। (ाोर)

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, मै इनकी जानकारी के लिये यह बताना चाहूंगा कि स्कूलो की रिपेयर करवाने का जहां तक सवाल हे, वह 10 लाख तक की रिपेयर का काम हम इस एजेन्सी से करवाते है, और उससे उपर का काम हमारा पी0 डब्लयू0 डी0 विभाग करता है।

श्री अध्यक्षः यह तो अलग अलग एजेंसीज है। पी0 डबल्यू0 डी0 को तो बडे काम दिए जाते है। यह तो रिपेयर का काम है।

श्री फूल चन्द मुलानाः स्पीकर साहब, मैने कभी नही कहा कि हमार पी0 डबल्यू0 डी0 पर वि वास नही रहा। पी0 डबल्य0 डी0 को तो बडे काम दिए जाते है। मरम्मत का काम दूसरी एजेंसी को दिया जाता है।

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, इन्होने कहा था कि हमारा पी0 डबल्यू0 डी0 पर वि वास नही रहा इसलिए हम दूसरी एजेंसीज से यह काम करवाते है। मंत्री जी ने दो ब्यान दिए है और दोनो ब्यान अलग अलग तरह के है। आप रिकार्ड देखिए कि उसमें क्या लिखा हुआ है। (विघ्न)

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, मैने बिल्कुल नही कहा। मैने यह कहा था कि पी0 डबल्यू0 डी0 से यह काम लेकर दूसरी एजेंसी को दिया है क्योंकि यह छोटा काम था।

Mr. Speaker: Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उत्तर

Releasing of Electricity Connections for Tubewells

***972. Ch. Suraj Bhan Kajal:** Will the Minister for Power be pleased to state-

(a) the Blockwise total number of Tubewell connections released to the farmers in district Jind during the years 1992-93, 1993-94 and 1994-95 separately; and

(b) the Blockwise total number of applications lying pending for electricity connection to the tubewells in Jind District at present togetherwisth the time by which the aforesaid connection are likely to be released?

ि ाक्षा मंत्री (श्री ए0 सी0 चौधरी): एक विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

(ए) जिला जीन्द में संदर्भित वर्शो के दौरान ब्लाक अनुसार दिये गये टयूबवैल कनैक ानो की संख्या निम्न प्रकार है:–

ब्लाक का नाम	दिये गये कनैक ान		
	वर्श 1992–93	वर्श 1993–94	वर्श 1994–95
1	2	3	4
जीन्द	27	9	8
जुलाना	25	10	3

अलेवा	117	6	11
नरवाना	129	20	22
उचाना	86	20	2
सफीदो	147	29	26
पीलूखेडा	271	12	11
योग	802	96	84

(बी) जिला जीन्द में दिनांक 31–8–94 तक टयूबवैल कनैक ानो के लिये लम्बित पडे आवेदन पत्रो की कुल संख्या का ब्लाक अनुसार विवरण निम्न प्रकार थाः–

ब्लाक का नाम	दिनांक 31–8–94 तक लम्बित पडे आवेदन पत्रो का संख्या
जीन्द	512
जुलाना	271
अलेवा	721
नरवाना	979
उचाना	368

सफीदो	965
पीलूखेडा	873
योग	4789

स्तोत्रो की उपलब्धि के आधर पर अधिक से अधिक टयूबवैल कनैक ान जारी करने के लिए प्रयत्न किये जा रहे है।

Repair of Roads

***968. Shri Ramesh Kumar:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the following roads:-

(i) from Mundlana to Busana;

(ii) from Jagsi to Matand;

(iii) from Ridhana to Dhanana; and

(iv) from Butana to Rana Kheri; and

(b) if so,the timy by which the roads as referred to in part (a) above are likely to be repaired?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) जी हां।

(ख) सडको की आव यक मरम्मत मार्च, 1995 तक कर दी जायेगी।

Admission for Engineering/Medical Courses in Other States

***947. Shri Karan Singh Dalal:** Will the Minister of State for Technical Education be pleased to state whether the Haryana domicile candidates have got admission in Engineering/Medical Courses in other States/U.Ts on the recommendation/nomination of the State Government during the year 1994-95 (current Acedemic year); if so, the names and address thereof togetherwith the criteris adopted for the purpose?

मुख्य मंत्री (चौधर भजन लाल): जी हां, ऐसे प्रत्याि ायो के नाम और पतो की सूची विधान सभा के पटल पर रखी जाती है। नामांकन पिछले वर्श से चली आ रही पद्धति के आधार पर किये गये है।

विवरणी

वर्श 1994–95 में डिग्री/डिप्लोमा कोर्सिज में नामांकित प्रत्याि ायो के नाम तथा पते की सूची–

क0 सं0	प्रत्या ी का नाम व पता	संस्था का नाम	डिग्री कोर्स
1	2	3	4

1	श्री तरुण कौ ि ाक सपुत्र श्री पी0 आर कौ ि ाक, आई ए एस वितायुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम तथा रोजगार विभाग, चण्डीगढ	पंजाव वि ववविद्याालय चण्डीगढ	कैमिकल
2	श्री ि ावान् ा मेहता समुत्र श्री एल एम मेहता, मं0 न0 81, सैक्टर 7, चण्डीगढ।	पंजाव वि ववविद्याालय चण्डीगढ	कैमिकल
3	श्री प्र ाान्त सिंह बि नोई, सपुत्र श्री बी0 एस0 बि नोई, 59, आफिसर्ज कालोनी, करनाल।	पंजाव वि ववविद्याालय चण्डीगढ	कैमिकल
4	श्री विवके कपूर सपुत्र श्री वी0 के0 कपूरी, मं0 नं0 361, सैक्टर–17ए पंचकूला	राजकी इंजी0 कालेज रायपुर	मैटलर्जीकल

5	श्री राजा अजुर्न गुप्ता सपुत्र श्री वीरेन्द्र नाथ, आई0 ए0 एस0 म0 नं0 1023, सैक्टर 24, चण्डीगढ	गुरु गोविंद सिंह कालेज आफ इंजी0 एण्ड टैक्नोलोजी	प्रोडक ान
6	श्री युधिश्ठिर भाटिया सपुत्र श्री जगदी ा चन्द्र भाटिया, म0 नं0 583–12, सुदामा नगर निकट जहाजपुल, हिसार	डा0 एच एस0 गौर वि वविद्यालय सागर (एम0 पी0)	बी0 फार्मेसी
7	श्री कपिल यादव सपुत्र श्री ओ0 पी0 यादव, गांव व डा0 कोसली, जिला–रेवाडी	–सम–	बी0 फार्मेसी
8	श्री प्रवीन कुमार सपुत्र श्री बलवान सिंह, म0 नं0 238, सैक्टर–14, पंचकूला	–सम–	बी0 फार्मेसी
9	कुमारी सोनिका मेहता सपुत्री श्री बी0 के0 मेहता, म0 नं0 891,	–सम–	बी0 फार्मेसी

	सैक्टर–7ए पंचकूला		
10	गुजन बंसल सपुत्र श्री द र्ान लाल बंसल, होस्पीटल कैम्पस, फतेहाबाद	–सम–	बी0 फार्मेसी
11	श्री मोहित भयाना सपुत्र श्री के0 एल0 भयाना, एक्सीयन बिजली बोर्ड आपरे ान राजगढ रोड, हिसार	भाांति लाल भााह, इंजीनियरिंग कालेज, सिदेसर न्यू कैम्पस, भाव नगर गुजरात	इन्स्टरुमैंट एवं कंट्रोल
मैडिकल			
1	दीपिका सरोहा सपुत्री श्री आ0 एस0 सरोहा, म0 नं0 250, सैक्टर 7, अर्बन एस्टेट, गुडगांवा, हरियाणा।	नेहरु होमियोपैथिक मैडिकल कालेज एवं हास्पीटल, नई दिल्ली।	बी0 एच0 एम0 एस0 कोर्स
2	ज्योत्सना मलिक सपुत्री	–सम–	–सम–

	श्री बलबीर सिंह मलिक, गांव व डा0 तिहाड मलिक, तहसील गोहाना(सोनीपत)		

अतारांकित प्र न एवं उतर

Power Sub-Station

190. Dr Ram Parkash: Will the Minister for Power be pleased to state-

(a) the division-wise names of Power Sub-Stations if any, set up in the State during the period from April, 1991 todate; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to set up new Power Sub-Stations or to up-grade the Sub-Sttions; if so, the names thereof?

बिजली मंत्री (श्री ए0 सी0 चौधरी): एक विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

कम संख्या	उपकेन्द्र का नाम	डिवीजन (मंडल) का नाम
220 के0 वी0 उपकेन्द्र		

1	भिवानी	भिवानी भाहर
2	भााहबाद	भााहबाद
3	पेहवा	पेहवा
4	औद्योगिक क्षेत्र हिसार	हिसार
132 के0 वी0 उपकेन्द्र		
5	सीवन	कैथल
6	धारसूल	टोहाना
7	मधुबन	करनाल भाहर
8	रानियां	सबर्बन सिरसा
9	चन्दौली	सबर्बन पानीपत
10	असन्ध	सबर्बन पानीपत
11	बीड	हिसार–1
12	आसन (पानीपत थर्मल परियोजना पानीपत)	सबर्बन पानीपत

66 के0 वी0 उपकेन्द्र		
13	जयौली	नारायणगढ
14	भाहजादपुर	नारायणगढ
15	बरवाला	नारायणगढ
16	बिलासपुर	सबर्बन जगाधरी
17	लायलपुर बस्ती अम्बाला भाहर	अम्बाला भाहर
18	चान्दहाट	पलवल
19	सैक्टर 10 गुडगांव	गुडगांव
20	इन्डाहेडा	गुडगांव
21	बबैन	सबर्बन गुडगांव
33 के0 वी0 उपकेन्द्र		
22	पपराला (कुरुक्षेत्र)	पेहवा
23	बेग्गा (सोनीपत)	सबर्बन सोनीपत
24	औद्योगिक क्षेत्र पानीपत (करनाल)	सबर्बन पानीपत

25	सिसवाल, हिसार	हिसार डिवीजन–2
26	किनाना, जीन्द	जीन्द
27	पुराना स्थल सिरसा	सिटी डिवीजन सिरसा
28	हुडा काम्पलैक्स रोहतक न0 पा0	सिटी मंडल रोहतक
29	औद्योगिक क्षेत्र करनाल	करनाल
30	झाडोदा, रोहतक	झज्जर
31	खोल, नारनौल	रिवाडी
32	लेड, भिवानी	दादरी
33	रामनगर/एन0 डी0 आर0 आई0 करनाल	करनाल
34	मेरठ रोड, करनाल	करनाल
35	फतेपुर बिलोच (फरीदाबाद)	फरीदाबाद

36	काहनौर (रोहतक)	रोहतक
37	मस्तगढ (कुरुक्षेत्र)	पेहवा
38	औ0 क्षेत्र (एच0 एस0 आई0 डी0 सी0)	सोनीपत
39	डाचर (करनाल)	सबर्बन करनाल
40	मोरनी (अम्बाला)	पंचकूला
41	पिंरथाला (हिसार)	टोहाना
42	अग्रोहा (हिसार)	हिसार
43	इ ाक (कुरुक्षेत्र)	पेहवा

(बी) हां, श्रीमान् जी, नए तथा क्षमता में वृद्धि होने वाले प्रस्तावित स्थापित होने वाले उपकेन्द्रो के नाम निम्न प्रकार दिए गए है:–

उपकेन्द्रो के नाम

220 के0 वी0	132 के0 वी0	66 के0 वी0	33 के0 वी0
निसिंग	अमीन	पंचकूला 2	खेडीगुलामअली
रोहतक	साग्गा	केसरी	फरल

सोनीपत	राई	नूंह	सीवन गेट कैथल
पल्ला (फरीदाबाद)	बहू	हथीन	पुराना बिजली घर करनाल
अै ाडम्प (फरीदाबाद)	भादडा	बरवाला (अम्बाला सिटी)	नरायना (करनाल)
यमुनानगर	उकसाना	औद्योगिक क्षेत्र में अम्बाला कैन्ट	संनौली रोड
महेन्द्रगढ	हिसार औ0 क्षेत्र (सैक्टर 27–28)	मुलाना	कचवा (करनाल)
फतेहाबाद	छाजपुर आर्यनगर	चंदपुर हसनपुर	केहरवाला (सिरसा)
	आर्यनगर	सूरज कुण्ड	
	एलानाबाद	(ग्रीन फील्ड)	
	लोहारु	सैक्टर 23 गुडगांव	नेहला (हिसार)

	पाली / गठोडा	जठलाना	नाकीपुर (भिवानी)
	इस्माईलाबाद	मोहरा	मोरवाला (भिवानी)
	पिपली	पंचकूला–3	धनोदा (जीन्द)
		मन्सा देवी	अलेवा (जीन्द)
		कम्पलैक्स के पास	गढी महासर (महेन्द्रगढ)
	मलिकपुर		गढी महासर (महेन्द्रगढ) / नारनौल
	पाई		बरसात (करनाल)
	कुण्डली		धर्मगढ (करनाल)
	खेडी तलौडा		बरसात रोड / जी0टी0 रोड
	माधो सिंधाना		नाली पार (करनाल)
	मुन्डीया खेडा		भाटला (हिसार)
			महमे ाा (हिसार)
			जहाजगढ (रोहतक)

			जास्सर खेडी (रोहतक)
			एस0 टी0 रेवाडी
			जे0 सी0 3 (जोनावास)
			नारनौल, बारडा (महेन्द्रगढ)

Number of Students in Schools

191. Dr. RamParkash: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) the total number of students in the Govt. Aided Private Schools and Govt. Primary Schools, in the State during the years 1991-92, 1992-93 and 1993-94 separately; and

(b) the number of students out of those referred to in part(a) above belonging to Scheduled Casters and Backward Classes; and

(c) the ratio of the student belonging to Schedules Castes and Backward Classes out of those referred to in part(b) above dropped out of the school before passing the Primary standard?

िक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना):

(ए) राजकीय सहायता प्राप्त प्राइवेट प्राथमिक विद्यालयो तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालयो मे पढने वाले छात्रो की संख्या (राजकीय माध्यमिक, उच्च तथा वरिश्ठ माध्यमिक विद्यालयो के संलग्न प्राथमिक अनुभागो में पढने वाले छात्रो सहित) वर्श 1991–92, 1992–93 तथा 1993–94 में राज्य में निम्नानुसार है:–

वर्श	राजकीय सहायता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयो में	राजकीय प्राथमिक विद्यालयो में
1991–92	64449	1649491
1992–93	91559	1685092
1993–94	113781	1731375

(बी) राजकीय सहायता–प्राप्त प्राईवेट प्राथमिक विद्यालयो तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालयो में पढने वाले अनुसूचित जातियो तथा पिछडी श्रेणियो के छात्रो की संख्या (राजकीय माध्यमिक, उच्च तथा वरिश्ठ माध्यमिक विद्यालयो के संलग्न प्राथमिक अनुभागो में पढने वाले छात्रो सहित) वर्श 1991–92, 1992–93 तथा 1993–94 में निम्नानुसार है:–

	राजकीय सहायता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयो में	राजकीय प्राथमिक विद्यालयो में

	अनुसूचित जातियो के छात्र	पिछडी श्रेणियो के छात्र	अनुसूचित जातियो के छात्र	पिछडी श्रेणियो के छात्र
1991—92	7640	7243	414251	293593
1992—93	8311	7440	204601	303919
1993—94	8988	8009	455911	325848

(सी) उपरोक्त (बी) में, राजकीय तथा प्राइवेट दोनो में, सम्मलित अनुसूचित जातियो तथा पिछडी श्रेणियो के ऐसे छात्रो का अनुपात जो प्राथमिक स्तर पास करने से पूर्व ही पढाई छोड कर चले गए, निम्नलिखित अनुसार है:—

वर्श	अनुसूचित जातियो के छात्रो का	पिछडी श्रेणियो के छात्रो का
1991—92	30.98	20.05
1992—93	32.74	21.70
1993—94	31.67	24.60

Construction/Widening of Roads in District Kurukshetra

192. Dr. Ram Parkash: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the lengthwise names of the roads constructed in Distt. Kurukshetra during the period from April 1991 to april 1994;

(b) the names of roads on which the construction work is in progress at present in Distt. Kurukshetra; and

(c) the names of the roads; if any, widened in Distt. Kurukshetra during the period as referred to in part(a) above?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) जिला कुरुक्षेत्र में अप्रैल 1991 से अप्रैल 1994 के दौरान सडको के निर्माण तथा लम्बाई का ब्यौरा इस प्रकार है:–

क0 सं0	सडका का नाम	लम्बाई (कि0 मी0 में)
1	कसरेला से कनेपला सडका का निर्माण	1.00
2	गुमरखेडा से सिंधपुरा निर्माण	0.60
3	प्रतापगढ से सांवला निर्माण	1.90
4	मेला बाईपास से मारकटेहडी निर्माण	2.00
5	आलमपुर से इन्द्रावास कालोनी निर्माण	0.29
6	गधली से सलीमपुर निर्माण	0.90

7	लाठी धनौरा से जैनपुर निर्माण	0.10
8	सिरसमा से सहिदपुर लाडवा निर्माण	1.00
9	भााहबाद मारकण्डा मन्दिर से पार्किंग पैलेस निर्माण	0.30
10	सुरमी से धलवान निर्माण	0.54
11	थानेसर पेहवा से सारसा निर्माण	0.74
12	डायवर्सन से सरस्वती तीर्थ पेहवा निर्माण	0.26
13	नरकतरी से जोगनाहेडा निर्माण	1.55
14	मेला बाईपास से तरकतरी वाया रामनगर निर्माण	0.80
15	सिरसला से सादीपुर निर्माण	1.53
16	कि ानगढ से डेरा बाजीगरां निर्माण	0.88
17	गदली से सलीमपुर तक निर्माण	1.70
18	सिरसला से सलीमपुर तक निर्माण	1.41
19	करींडवा से जलखेडी तक निर्माण	0.03
20	चाहरपुर से मुकरपुर तक निर्माण	0.70

21	मेधामाजरा से जलबेहडा तक निर्माण	1.99
22	कसेरला से कनेपला तक निर्माण	1.10
23	खेडी मारकण्डा से नया बस अडडा कुरुक्षेत्र निर्माण	0.80
24	जरसी कलां से डेरा भगतपुरा तक निर्माण	1.50
25	पेहवा, पटियाला सडक से डेरा सतनाम सिंह तक निर्माण	0.56
26	एन0 टी0 जे0 से अजरानाकलां तक निर्माण	0.45
27	मेघामाजरा से जलबेडा तक निर्माण	0.20

(ख) सडको के नाम जो इस वर्श के प्रोग्राम मे भाामिल किये गये है और जिन पर निर्माण कार्य हाथ में लिया गया है या लिया जाना है निम्नलिखित है:–

क0 सं0	सडका का नाम
1	खेडी–मारकण्डा से नया बस अड्डा कुरुक्षेत्र तक निर्माण।
2	लिंक सडक ज्योतिसर से ज्योतिसर रेलवे स्टे ान तक

	निर्माण।
3	कुरुक्षेत्र सलारपुर से ब्रहा सरोवर कुरुक्षेत्र तक निर्माण।
4	जोरासी कलां से डेरा भगतपुरा तक निर्माण।
5	मेघा माजरा से जलबेडा।
6	कडा साहिब से अधोया निर्माण।

(ग) अप्रैल, 1991 से अप्रैल, 1994 तक के दौरान जिला कुरुक्षेत्र में चौडी की गई सडको के नाम निम्न प्रकार है:–

क0 सं0	सडका का नाम
1	किरमच से सलारपुर सडका को चौडा करना।
2	करनाल रम्भा इन्द्री लाडवा भााहबाद सडक को चौडा करना।
3	4–लैन अम्बाला हिसार सडक ईस्माईलाबाद में।
4	थानेसर झांसा ठोल सडक को चौडा करना।

Upgradation of Schools in the State

193. Dr. Ram Parkash: Will the Minister for Education be pleased to state the district wise number of schools upgraded from Primary to Middle, Middle to High and

High to 10+2 syste in the State during the period from July, 1987 todate?

ि ाक्षा मंत्री (फूल चन्द मुलाना): जुलाई 1987 से अब तक स्तरौन्नत किये गये सरकारी स्कूलो की जिलावार सूची विधान सभा के पटल पर रखी जाती है।

Statement showing the District wise Number of Govt. Schools Upgraded from July, 1987 to date

Sr No.	Name of District	Primary to Middel	Middle to High	High to 10+2
1	Ambala	26	22	19
2	Bhiwani	42	19	16
3	Faridabad	13	18	15
4	Gurgaon	34	16	5
5	Hissar	51	55	22
6	Jind	23	23	11
7	Karnal	17	24	10
8	Kurukshetra	13	6	9
9	Kaithal	16	16	9
10	Mohindergarh	18	14	7
11	Panipat	21	15	7

12	Rewari	8	13	8
13	Rohtak	42	47	27
14	Sonepat	14	17	24
15	Sirsa	28	23	16
16	Yamuna Nagar	14	5	7

Besides above, order of upgradation of 6 Schools (3 Govt. High School) upgraded to 10+2 level of District Karnal, Rohtak and Sonepat on each, 2 Primary schools upgraded to Middel schools of District rohtak and Mohindergarh one each and one middle school upgraded to High school of District mohindergarh) were issued during 1992-93 to start functioning w.e.f July, 1993. But the financial sanction of these scholls is still awaited from the Finance Department.

Construction of a escape channel

***199. Sh. Karan Singh Dalal:** Will the Minister for irrigation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a escape channel on the Dhatir distributary of Gurgaon Canal in Palwal Division during the year 1994 and the amount likely to be spent thereon?

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी । नेहरा): हां योजना की जांच पडताल की जा रही है।

Declaration of Palwal Sub-Division as District Head Quarter

200. Shri Karan Singh Dalal: Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to declare the Palwal Sub-Division as the district Head Quarter of the Faridabad District; and

(b) if so, the time by which it is likely to be declared?

राजस्व मंत्री (श्री निर्मल सिंह):

(क) नही श्रीमान् जी।

Revenue Receipts of Market Committes of Palwal and Hodal

***201. Shri Karan Singh Dalal:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) the Revenue/Receipts of the Market Committies of Palwal and Hodal during the year 1993; and

(b) the total quantity of Wheat and rice arrival in Palwal and Hodal Market Committies during the year 1993?

कृशि मंत्री (श्री हरपाल सिह):

(क) आय (रुपये लाखो में)

पलवल 78.20

होडल 115.99

(बी)

	चावल धान (आवक क्विंटलो में)	गेहूं
पलवल	711770	296462
होडल	1078650	656201

Breach in Gurgaon Canal

202. Shri Karan Singh Dalal: Will the Minister for Irrigation be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the crops of Yadupur, Dhatir Maheshpur, Badha and Joharkhera Villages in the Palwal Sub-Division were damaged on account of the breach in Gurgaon Canal during the year 1994;

(b) if so, the reasons therefore; and

(c) whether any officers/officials have been found guilty for dereliction of duty; if so, the action taken against each of them?

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा):

(क) वर्श 1994 के दौरान गुडगांव नहर मे ऐसी कोई दरार नही आई है। (ख एवं ग) प्र न ही नही उठता।

अनुपस्थिती की अनुमति

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a telegraphic intimation from Smt. Chandravati, M.L.A which is as under:-

"Request condone absence due to illness"

It is the pleasure of the House that leave of absence be granted to Smt. Chandravati, M.L.A to remain absent from the current session of the Haryana Vidhan Sabha?

Voices: Yes.

Mr. Speaker: The leave is granted.

विभिन्न विशयो का उठाया जाना

प्रो0 राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मैने रुल 84 के तहत एक मो ान दिया था। पिछले दिनो मुख्य मंत्री जी ने प्रधान मंत्री जी से कोई आ वासन लिया है कि एस0 वाई0 एल0, चण्डीगढ की ट्रांसफर का मामला और फजिल्का अबोहर के मामले पर अलग अलग विचार किया जाएगा।

श्री अध्यक्ष: वह आपका मो ान आज ही आया है।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: सर, यह बहुत जरुरी मामला है। 1 नवम्बर 1966 से लेकर अब तक इन सारे मुद्दो पर इकट्ठी

चर्चा हुई। कितनी बार प्राईम मिनिस्टर्ज ने अपने डिसिजन इकट्ठे दिये है।

श्री अध्यक्षः वह आपका मो ान अंडर कंसीड्रेसन है।

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, कल मैने भी एक काल अटैं ान मो ान दिया था। पानीपत की सहकारी भ्ागर मिल किसी प्राइवे संस्था को दी जा रही है। ऐसी सरकार की मन् ाा है।

श्री अध्यक्षः इस बारे में गवर्नमैंट से कमैंटस मांगे गए है।

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, मैने कल भी एक काल अटैं ान मो ान का नोटिस दिया था जो कि मुडाखेडा गांव मे मीठे पानी के बारे में था।

श्री अध्यक्षः वह कल के लिए एडमिट हो गया हैं।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मैने भी दो ध्यानाकर्शण प्रस्ताव एक आईफल ओर दूसरा ग्रास होयर्ज के बारे में दिये थे।

Mr. Speaker: Both these calling attention notices are under consideration. गवर्नमैंट से कमैंटस मांगे है। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः * * * * * * * *

श्री अध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाए।

चौधरी औम प्रका ा बेरीः स्पीकर साहब, मैने कल आपकी सेवा में दो ध्यानाकर्शण प्रस्ताव दिए है, एक तो लिबर्टी सीड्स कार्पोरे ान के बारे में दिया है। वह एजेन्सी किसानो के साथ बहुत ज्यादती कर रही है।

श्री अध्यक्षः यह कामैंटस के लिए गवर्नमैंट को भेजा हुआ है। and we are considering it.

चौधरी औम प्रका ा बेरीः दूसरा काल अटैं ान मेा ान 96 एक्साईज इंस्पैक्टर्ज के बारे में था, जिनके बारे में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया है।

श्री अध्यक्षः यह भी कमैंटस के लिए गवर्नमैंट को भेजा हुआ है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमने कानून व्यवस्था के बारे मे जो एडजर्नमैंट मो ान दी थी, उसके बारे में आपने कल कहा था कि उसको ध्यानाकर्शण प्रस्ताव में कंवर्ट कर दिया गया है। हम आपकी बात को मान रहे है लेकिन ध्यानाकर्शण प्रस्ताव और स्थगन प्रस्ताव में अंतर होता है। ध्यानाकर्शण प्रस्ताव में पूरी बात लिख कर आपको दी जाती है और उसके बारे में गवर्नमैंट की तरफ से रिप्लाई आ जाता है। स्थगन प्रस्ताव मे जनरल सी बात लिखी जाती है और उस पर बहस होती है।

इसलिये मेरी आपसे प्रार्थना है कि हमें उसके बारे में बोलने के लिए समय दे और सरकार उन बातो का रिप्लाई दे दे।

Mr. Speaker: Please take your seat. आपको टाईम दिया जाएगा।

डा0 राम प्रका I: स्पीकर साहब, मैने आपकी सेवा में एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव दिया है कि हरियाणा मे चावल एक्सपोर्टज को 16 परसैंट के करीब टैक्स देना पडता है जबकि पंजाब व राजस्थान में 4 परसैंट कय टैक्स है। इससे व्यापारियो को बहुत नुकसान हो रहा है। क्या सरकार कर कम करेगी?

श्री अध्यक्ष: यह गवर्नमैंट को कमैंटस के लिए भेजा हुआ है।

ध्यानाकर्शण सूचना–

हरियाण राज्य मे कानून तथा व्यवस्था की स्थिती संबंधी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received an Adjournment Motion given notice of by Sarvshri Om Parkash Sampat singh, Satbir Singh Kadian, Ram Kumar Katwal, Mani Ram Rupwas, Krishan Lal, Ramesh Kumar and Balwant Singh regarding the law ans order situation in the Haryana State, Hon'ble Member, as I announced in the Housr, yesterday, I haveconverted this Adjourenment Motion into calling attention

motion No. 10 and I have admitted it for today. shri Sampat Singh may read his notice.

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय मेरा एक निवेदन है कि एडजर्नमैंट मो ान को कालिंग अटें ान मो ान मे तबदील करने से एक या दो मैम्बरो को फायदा होता है इसलिए मेरी पहली बात तो यह है कि उसको एडजर्नमैंट मो ान ही रखना चाहिये क्योंकि लॉ एण्ड आर्डर का मामला बहुत ही सीरियस होता है यदि उसको एडजर्नमैंट मो ान नही रखनाहै तो आप उसको अंडर रुल 84 कर दे ताकि पूरे हाउस को अपनी बात कहने का मौका मिले। लॉ एंड आर्डर का बहुत अहम मसला है, बहुत सीरियस बात है। इसको लाईटली नही लेना चाहिए। इसलिये मेरा निवेदन है कि इसको तो एडजर्न मैंट मो ान ही रखना चाहिये। अगर इसको एडजर्नमैंट मो ान ही रखना है, तो इसको अंडर रुल 84 रखा जाना चाहिये।

Mr. Speaker: The members have already agreed to it. Now, Sh. Sampat Singh may read the notice.

प्रो0 संपत सिंहः मै इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव य लोक महत्त के विशय की ओर दिलाना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदे ा मे कानून व्यवस्था ठप्प हो चुकी है। राज्य मे कानून व्यवस्था तथा प्र ाासन नाम की कोई चीज नही है। प्रतिदिन बडे पैमाने पर हत्याएं, बच्चो की बलि, बलात्कार, अपहरण, फिरौजी, डकैती, तथा लूटपाट की घटनाएं हो रही है। ये घटनाएं

सत्ता प्राप्त राजनीतिज्ञो के संरक्षण मे हो रही है। पुलिस हिरासत मे लोगो की जाने चली गई। हरियाण राज्य अपराधियो तथा अपहरणकर्ताओ की संरक्षण स्थली बन गया है। अतः हरियाणा का हर वासी असुरक्षित महसूस कर रहा है। अतः मै सरकार से निवेदन करता हूं कि वह इस संबंध मे सदन मे एक वक्तव्य दें।

स्पीकर साहब, जैसे अभी मैने अपनी मो ान मे कहा था कि आज हरियाणा प्रदे ा मे कानून व्यवस्था ठप्प है, इसका अकेला हरियाणा प्रदे ा ही जिम्मेदार नही हैं। काईम केवल हरियाण प्रदे ा के ही लोग नही कर रहे है। हरियाणा प्रदे ा के अंदर आज बहुत ज्यादा असुरक्षा का वातावरण बना हुआ है। हरियाणा प्रदे ा क्रिमिनल्ज के लिए सुरक्षा का प्लेस बना हुआ है। इस बात को कहने मे कोई अति योक्ति नही होगी। जैसे सुल्तानपुर लेक है, उसको बर्ड सैंचुरी कहते है। तो इसी तरह से हरियाणा प्रदे ा को भी क्रिमिनल सैंचुरी कह सकते है। लोग अपराध कही ंपर करते है भारण यहां पाते है। पिछले दिनो रोमानिया के एम्बैस्डर का अपहरण पंजाब के उग्रवादियो ने किया था तो उसको किडनैप करके फरीदाबाद मे रखा गया। इसी प्रकार से दिल्ली के एक उद्योगपति के लडके का अपहरण किया गया तो उसको भी फरीदाबाद मे रखा गया। यानि काइम करने वाले हरियाण प्रदे ा को एक सेफ जगह समझते है। उनके लिए यह सैंचुरी बन चुकी हैं अगर इस पर कंट्रोल नही किया गया तो ये काईम और बढते जाएंगे। दूसरी बात यह है कि जो घटनाएं हो

रही है, उनको देखकर सुनकर बडा दुख होता है। पिछले दिनो पीले मन्दोरी मे एक सातसाल के राजन नाम के बच्चे की बलि चढा दिया गया और उसके बीसो टुकडे कर दिए गए। यह घटना जुलाई की है। घटना के तीन चार दिनो के बाद उसकी ला ा के 3–4 टुकडे मिले। पहले इस केस मे कुछ लोगो को पकडा गया। बाद मे किसी हरिजन दंपत्ति को पकड लिया गया। आज सारे प्रदे ा मे भांका जाहिर की जा रही है कि ऐसा आप लोगो की भाह पर हो रहा है। हम यह बात कोई राजनीतिक रोटियां सेकने के लिए नही कह रहे बल्कि आए दिन जो धटनाएं हो रही है, उनकी तरफ आपका ध्यान आकर्शित कर रहे है ताकि लोगो की सुरक्षा आप कर सके। इस केस मे लोग खुले आम इल्जाम लगा रहे है कि पहले जिन लोगो को पकडा गया था, उनका आपके भतीजे ने छुडवाया है। इस बारे मे आपसे अनुरोध है कि इस सारे केस की जांच सी0 बी0 आई0 से करा ली जाए ताकि सबको पता लग सके कि इसमे सच्चाई क्या है? इसी प्रकार से जींद मे जो हुआ है वह भी सबको पता है। नरवाना मे जो गैंग चल रहा था, उसको भी सत्तासीन लोगो का संरक्षण था। आज नरवाला वाली घटना पर सीधी उंगली मंत्री पर उठाई जा रही है। पांच लोगो का अपहरण किया गया था लेकिन उनमे से एक को फिरौती लेकर छोड दिया गया। बाकी का पता नही क्या हुआ। जींद मे महिलाएं भाांतिपूर्वक प्रद र्न कर रही है, तो भी उन पर लाठी चार्ज किया जाता है। जो औरतें न्याय के लिए लड रही थी, उनको बुरी तरह से पीटा गया। वे अपना जुलूस लेकर चण्डीगढ आना चाहती थी

लेकिन उनको डिस्ट्रिक्ट हैड क्वार्टरर्ज पर ही रोक लिया गया। यानि जो काइम्ज करते है उनको तो पकडा नही जाता। उल्टे उनको इंजैक ान दे रहे है। जींद मे और क्या हुआ वह सब देखकर हमें बडी भार्म आ रही है। आज वहां पर जातिवाद का जहर फैलाया जा रहा है। यह बडे ही दुख की बात है। हैरानी की बात यह है कि लछमनदास अरोडा जैसे व्यक्ति को जिनकी सारी उम्र लडते हुए बीत गई, उनको स्टेज पर से नीचे उतार कर नीचे फेंक दिया। कहने का मतलब यह है कि मांगेराम गुप्ता जी ने ऐसी गदा मारी कि ये वहां पर ठहर नही सके। इसी प्रकार से बहन भाकुंतला भगवाडिया जी के साथ भी उस स्टेज पर अरोडा साहब जैसा व्यवहार किया गया। इनको भी वहां से स्टेज छोडकर भागना पडा। वहां पर सीधा मंत्री का रोल है। यह आम लोगो का कहना है कि मंत्री जी है, वे ही कास्टिजम का जहर फैला रहे है। किमिनल लोगो को पकडवाले की बजाय उनको छुडवाा जा रहा है। जो अब वहां पर पुलिस के एस0 पी0 लगे हुए है, उनको छुडवाया जा रहा है कि इनको बदलवाकर ही दम लूंगा। मुलजिम पकडे जाए या न पकडे जाए इस तरफ कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। मेरे कहने का मतलब है कि इस मामले में मुख्य मंत्री जी प्रका ा डाले की क्या हुआ, कोई आदमी पकडा गया या नही। स्पीकर साहब, इसको जाति–पाति का रंग नही देना चाहिये। 1947 का वक्त लोगो को अभी भी याद है। लोगो मे अमन और चैन रहना चाहिये। दूसरे स्पीकर साहब, मैने अम्बाला का रैफरेंस दिया था। अम्बाला मे जो कुछ हुआ, वह अफसोसजनक है। एक

ऐजुकेटिड इंजीनियर आदमी था जो कि एक पैट्रोल पम्प का मालिक था। वह हंसमुख और मिलनसार तथा होनहार लडका था। कांग्रेस के एम0 एल0 ए0 और यहां तक कि निर्मल सिह जी इस बारे मे जब बात करते थे तो कहते थे कि वह बहुत बढिया लडका था। लेकिन स्पीकर साहब, दिन–दहाडे चौराहे पर उसकी हत्या कर दी गई। जब वे लोग पकडे गए तो वे सरेआम खुला इल्जाम चौराहो पर लगा रहे थे कि यह काम मंत्री जी ने हम से करवाया है। स्पीकर साहब, एकदम सीधा इल्जाम था और उसके बाद मुख्य मंत्री जी को चाहिये था कि हवाई जहाज वाले मामले मे जो किया था, वही इस केस मे भी करते। हवाई जहाज वाले मामले मे जैसे बदनामी होने पर इन्होने मंत्री जी को डिसमिस किया, इसी केस मे भी ऐसा ही करते। हवाई जहाज केस मे जो बदनामी हुई, वह इनको मालूम है। इस केस मे क्या दिक्कत हो रही थी? इनके खिलाफ भी 302 का केस रजिस्टर्ड करते और इनको भी डिसमिस करते तो हमको भी मालूम हो जाता कि ये ठीक है। लेकिन ये इनका खुद की पार्टी का मामला है। ये खुद जाने लेकिन इसके बारे मे एक ान जरुर होना चाहिए था। स्पीकर साहब, इसी प्रकार से मुख्य मंत्री जी खुद ही इस बात का फैसला करे। ब्लाक समिति पिन्जौर के चेयरमैन है, जिनका नाम बाबू राम है, दूसरे दिवान वाला के सरपंच प्रेम सिंह है। उनका कत्ल हुआ। स्पीकर साहब, इसी तरह से कालका प्रोपर मे आश्रम है। वहां पर भी संदिगध अवस्था मे एक लडकी मरी है। कालका सकूल का चौकीदार मरा पाया गया। सैक्टर 11 पंचकूला मे कोई व्यक्ति स्कूटर पर जा रहा

था। उसको गोली मार कर उसका स्कूटर छीनकर ले गए। अब हमे तो मालूम नही कि उसको पैरिस बना रहे है या अमेरीका में काईम के कुछ सिटीज है, उनकी तरह बना रहे है। स्पीकर साहब, आपको पता है कि ि ाकागो है, न्युयार्क है, कैलिफोर्निया स्टेट मे लासएंजिल्स है, क्या उसी तरह का इसको भी बना रहे है। यानि क्या कोई काइम कैपिटल बनाने जा रहे है? पंचकूला के लोग तो मांग कर रहे है कि पंचकूला को स्टेट की राजधानी बनाओ। भाायद ये इसको काइम की कोई कैपिटल बना रहे है। मुख्य मंत्री जी खुद तीन दिन का हुकुम देकर आए थे कि 3 दिन के अंदर अंदर गिरफतारियां होनी चाहिए थी लेकिन स्पीकर साहब, अभी तक कुछ नही हुआ है। अगर मेरे यह इनके बोलने से पहले कुछ हो जाए, तो अलग बात है। स्पीकर साहब, इसी तरह सोनीपत अदालत से कैदियो को ले जाया जा रहा था और पुलिस संरक्षण था। लेकिन पुलिस संरक्षण मे भी उन पर अटैक बोला जाता है और अटैक बोल कर दो कैदियो को मार दिया जाता है। जो मारने वाले है, वे फरार है। उनको अब तक नही पकडा गया। मुख्य मंत्री जी को याद होगा कि इससे पहले मेहम मे भी ऐसा हुआ था। मेहम मे कुछ कैदी खाना खा रहे थे और वे पुलिस संरक्षण मे थे। लेकिन पुलिस संरक्षण मे लोग कैदियो को मार कर चले गए। इस हालत मे लोग पुलिस से किस प्रकार संरक्षण महसूस करेंगे। पुलिस कस्टडी मे अगर संरक्षण नही मिलता तो इससे ला एण्ड आर्डर का अंदाजा, स्पीकर साहब, आसानी से लगाया जा सकता है। स्पीकर साहब, दूसरी तरफ क्या हो रहा है

कि लोग पुलिस कस्टडी के अंदर मारे जा रहे है। मै मुख्य मंत्री जी को 4–5 उदाहरण देकर बताना चाहता हूं। एक तो जमालपुर गांव का है जो बिलासपुर थाने मे आता है। मोहर सिंह नाम के आदमी को थाने मे पुलिस कस्टडी मे मार दिया गया। एक सीसर गांव मेहम थाने मे पडता है। वहां एक आदमी अमरजीत है। उसको थाने मे मार दिया गया। इसी तरह से पानीपत थाने मे बलराज नाम के एक लडके को मार दिया गया। स्पीकर साहब, अभी 3 दिन हुए है। नगीना थाने मे एक लडके को मार दिया। डी0 एस0 पी0 साहब सडक पर आ रहे थे। कोई बेचारा आदमी जानवर चरा रहा था और कोई भेड बकरी सडक पर आ गई होगी। उसने सायरन बजाया, अब भेड–बकरी सायरन को क्या जाने? मेवात के लोगो को तो वैसे ही सायरन के बारे मे ज्यादा मालूम नही। क्या जानवो को ये लोग पढाये लिखाए कि सायरन क्या होता है? इनके नये डायरैक्टर जनरल आए है। पहले डायरैक्टर जनरल तो बीमार रहते थे क्योंकि कुछ तो सरकार उनको कन्फयूजन मे डाले रहती थी और वे नीचे के लेवल तक कोई लीडरि ाप नी दे पर रहे थे। नये डी0 जी0 पी0 आये है। भाायद वे इच्छी लीडर ीप देकर प ाुओ को भी ट्रेनिंग दिलवाएं कि डी0 एस0 पी0 का सायरन बजे तो जानवर सडक छोड दें। स्पीकर साहब, उस डंगर चलाने वाले आदमी को डी0 एस0 पी0 साहब ने वहां सडक पर लम्बा डाल लिया और बाद मे उसकी मृत्यु हो गई। स्पीकर साहब, अगर यह हाल है तो लोग संरक्षण के लिए कहां जाएंगे। मेवात इलाके मे हरियाण रोडवेज की बस जा रही

थी। उसको रात को लूट लिया गया। हरियाणा रोडवेज की डी–लक्स बस को दिन–दहाडे लूट लिया गया था। करनाल मेजिस ढंग से 8 लाख लूट लिये गए, वह स्पीकर साहब, आपको मालूम ही है। नारायणगढ–नाहन रोड पर एक दुकानदार से 3 लाख रुपये ले गए और साथ मे उसको चौकीदार को भी मार दिया। स्पीकर साहब, इसी तरह से होडल मे भी एक डेयरी वाले को लूटा और साथ मे उसको मारा भी। रोहतक मे बिजली बोर्ड का कै ियर कै ा लेकर जा रहा था। तलवार से उसके दोनो हाथ काट दिये तथा पैसे लेकर भाग गए।

स्पीकर साहब, घरौंडा मे एक औरत को थाने मे पीटा गया और उसको नंगा कर दिया। मुख्यमंत्री जी नपाना गांव आपके अपने जिले का है। वहां पर कुम्हारो की एक औरत को सरेआम एक लडके ने पीटा और उसको नंगा कर दिया। उस पर लोगो ने कपडा डाला तब उसे थाने ले गए। स्पीकर साहब, अगर वह पोजी ान हरियाणा मे होगी तो लोग अपने आप को कैसे सुरक्षित महसूस करेंगे? इसी तरह से बल्लभगढ मे अग्रसेन चौकी है। वहां पर दो आदमी हथकडी लगे बैठे थे। यह बात 28 जुन की है। उनको थानेदार ने वहां से भगा दिया इसके अलावा कुरुक्षेत्र मे लोगो ने अपने ही थाने बना रखे है। जैसे की सी0 आई0 ए0 स्टाफ होता है, जहां पर रस्सियां और मुसलियां वगैरह इन्वैस्टिगे ान के लिए रखी होती है, उस किस्मका वहां से एक अडडा पकडा गया है। वहां पर लोगो को पकड कर रस्सियों से

टांग दिया जाता था और मुसलियां दिखाई जाती थी तथा उनसे पैसे मांगे जाते थे। पैसे मिलने के बाद उनको छोड दिया जाता था। इस प्रकार से थाने कौन चला रहा है? वे है प्राईवेट फाइनैंसर और पुलिस वाले। अध्यक्ष महोदय, अगर आप इस तरह की सत्ता रहेगी तो लोग मारे जाएंगे। इसी तरह से कई अपहरण की कोि ा ो भी हुई है। सतनाली मे 20 जुलाई को सुरेन्द्र सिंह का अपहरण कर लिया गया। इसके अलावा राम बिलास नाम का एक व्यक्तिजो जींद का है, उसको तीन बार पटियाला चौक से अपहरण कर लिया जाता है। इससे बडी बात और क्या हो सकती है? इसी तरह से बडखल मे पुराने चीफ सैक्रेटरी के साथ क्या बीता, और तो और नए चीफ सैक्रेटरी के साथ भी स्काईलार्क मे वही घटना घटी। उनके साथ क्या बीता, यह तो मै बाद मे बताउंगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री जी के जिले उकलाना थाना मे चमारखेडा गांव पडता है। वहां पर कि ानलाल नाम का स्टोरकीपर था, उसको उठा लिया गया और उसकी ला ा 7 तारीख को मिली। आज उसकी ला ा मिले दो महीने हो गए हैलेकिन मारने वालो का आजतक कोई पता नही चला है। वह इतना ईमानदार था कि स्टोर का सारा स्टाक पूरा मिला। अध्यक्ष महोदय, यह जो कुछ भी हो रहा है, वह सब आपके सामने ही हो रहा है। इसी तरह एक मिनिस्टर थे, उनका आचरण देख लें। उसके विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट मे इन्कवायरी का आर्डर दिया और दिल्ली के डी0 एस0 पी0 ने इन्कवायरी की और उसको दोशी पाया। मुख्य मंत्री जी आज आनन्द सिंह डांगी मिनिस्टर तो नही है

लेकिन आपकी पार्टी मे एम0 एल0 ए0 है। इसके अलावा फरमाना गांव मे तीन लडकियो का अपहरण करने के बाद जो बलात्कार कांड हुआ था, उन बलात्कारिो और अपहरणकर्ताओ की इन्होने मदद की है। स्पीकर साहब, वह मामला भी आपके सामने है। इन बच्चियो का ि ाकार तो हुआ ही है लेकिन यहां मझलियो के भी ि ाकारी है। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी के पीछे जो मंत्री जी (राव इन्द्रजीत) बैठे हुए है उन पर 25 हजार रुपये जुर्माना होता है और कोई ऐक ान नही लिया जाता है। वे अभी भी हंस रहे है। अध्यक्ष महोदय, हम मेवात के अंदर गए थे और वहां पर जलसा हो रहा था। अध्यक्ष महोदय, भाकरुल्ला जी के गांव के पास से ट्रालियां जा रही थी ओर उन्होने उन ट्रालियो को रोक लिया, जैये ये यहां के ठेकेदार लगे हो। उन लोगो का चालान करवाया और फिर कोर्ट से छुट कर आए। इस तरह की तो पोजी ान हरियाणा के अंदर इन्होने कर रखी है। इसी तरह से हमारे पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी है। उन्होने वहां पर एक डेरे की जमीन है पर किसी का कब्जा करवा दिया। उस जीमन को डेरे के बाबा ने देने से मनाकर दिया तो उसमे क्या जुल्म हो गया? उस जमीन को काबू करने के लिए वहां से सरपंच पर कातिलाना हमला किया गया और उसके बावजुद भी यह सरकार कोई कार्यवाही नही कर रही है।

सिंचाई मत्री (चोधरी जगदी ा नेहरा): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। यह काल अटैन्ा ान मो ान है। ये

रुल 84 के तहत मो ान पर नही बोल रहे है। यह जो डिटेल बता रहे है यह इररैलेवैन्ट है। हमारा प्रान्त इतना बडा है इसमे कोई न कोई बात तो अव य ही हो सकती है। ये इस तरह की बातें करके सदन का समय बर्बाद कर रहे है इन्हे ऐसी बाते रुल 84 के तहत बोलनी चाहिए। यह मेरी अध्यक्ष महोदय, आपसे गुजारि ा है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः नेहरा जी, आप बैठ जाएं। सम्पत सिंह जी, आप बिना इजाजत के न बोलें।

प्रो0 सम्पत सिंहः अच्छा जी। स्पीकर साहब, मै यह कह रहा था कि किस तरह के केसिज आज प्रदे ा मे हो रहे है। मुख्य मंत्री जी को भी पता है कि हिसार की टीचर सु ाीला देवी को आज डेढ साल हो गये, लेकिन अब तक भी उसका कोई पता नही है। ऐसे ही रोहतक मे वकील की दिन–दहाडे हत्या हुई। स्पीकर साहब, जब इनकी 14 जुलाई को दिल्ली मे रैली हो रही थी, तो हमारे एक विधायह रामरतन जी को युथ कांग्रेस के लोगो ने लाठियो से मारा। स्पीकर साहब, वह एक एम0 एल0 ए0 है और आज जब एक एम0 एल0 ए0 सुरक्षित नही है तो फिर आम लोगो का क्या होगा? (विघ्न) स्पीकर साहब, इस तरह से आज छोटी छोटी बच्चियो के साथ, हरिजनो की लडकियो के साथ बलात्कार हो रहे है। मै उनका नाम नही लूंगा लेकिन मुख्य मंत्री जी को यह सब मालूम है क्योंकि इनके अपने गांव मोहम्मदपूर रोही मे वाटर वर्क्स एम्पलाई की लडकी के साथ कुकर्म हुआ है। कम से कम

मुख्य मंत्री जी के गांव मे तो लोगो को सुख की नींद सेाना ही चाहिए लेकिन ऐसा नही हो रहा है। स्पीकर साहब, ऐसे कांड नही होने चाहिए। सर, आज इस तरह के लोगो को पोलिटिकल संरक्षण मिला हुआ है। इसके अलावा आज हमारे आफिसर्ज भी काबू मे नही आ रहे है। जैसा पंजाब के अंदर हुआ और वहां की विधान सभा मे यह कहा गया कि ''बाबा तेरा पोता बिगडा जाए'' इसी तरह से हमारे यहां अफसर बिगडे जा रहे है। सर, दैनकि ट्रिब्यून मे एक खबर आई है, जिसमे एक आई0 ए0 एस0 अफसर के बारे मे लिख हुआ है कि उसने प्राईवेट एजेंसी को एडवरटाइजमैंट देने के लिए क्या क्या किया। वह अफसर प्राईवेट एजेंसी को एडवरटाईजमैंट देता रहा। क्या वह हमारा डिपार्टमैंट है? विज्ञापन पब्लिक रिले ान डिपार्टमैंट द्वारा दिये जाते है। इसके लिए इस विभाग को 15 परसैन्ट पैसा मिलता है। जब मौहल्ले के लोगो के बाद वहां पर लोगो द्वारा यह नारा लग रहा था जोकि अखबार मेभी दिया हुआ है कि '' हम तुम एक कमरे में बंद हो और पडौसी आ जाए''। स्पीकर साहब, इससे बुरी बात कोई हो ही नही सकतीं जब उनको पकडकर कमरे से बाहर निकाला गया तो वहां पर एक दारु की आधी बोतल और दो गिलास पडे हुए मिले। इस तरह का तो आज हमारे अफसरो का आचरण हो गया है। सर, अगर ऐसा ही चलता रहा तो यह सब कुछ बर्बाद हो जाएगा। इसका मतलब यह है कि सारा सिस्टम ही कलैप्स हो गया है, एडमिनिसट्रे ान ही कम्पलैक्स हो गया हैं। इसलिए सर, इसको

जितनी भी जल्द हो सके, बचाया जाना चाहिए वरना सारा सिस्टम ही कलैप्स हो जाएगा।

चौ0 बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, आज स्टेट मे लॉ एंड आर्डर नाम की कोई चीज नही हैं। अभी चौधीरी संपत सिंह जी ने यहां पर एक नही बल्कि अनेक मिसाले बतायीं। कोई उनकी सारी को याद भी नही रख सकता। लेकिन जब नै ानल हाई वे पर किसी प्राईवेट फैक्ट्री के लेन–देन मे कलकत्ता और बम्बई के आदमी तक उठ जाएं और उनको उठाने मे जब पुलिस के ए0 एस0 पी0 और एस0 पी0 जैसे आदमी हो, तो फिर कानून कहां से होगा? अध्यक्ष महोदय, चौधरी सम्पत सिंह जी ने जींद की भी चर्चा की कि जींद से आदमी उठाए गए तथा जींद मे पुलिस के अधिकारियो ने सटटा चलवाया। यह जुआ इतनी जोर से चलवाया कि उस जुए को खेलने के लिए बाहर से भी लोग आते थे। और जो वे मुलजिमान है उन के बारे मे जींद मे बच्चे बच्चे की जुबान पर एक ही बात है कि कालका के इलैक ान मे मुख्य मंत्री जी के सुपुत्र के गले मे उन्होने मालएं डाली। उनके साथ सिक्योरिटी मे चलते थे और उनके लिए उन्होने बूथ कैपचरिंग की। (विघ्न) ये तला ा करते है और कही, और आदमी इनके अपने है। मेरी समझ मे नही आता कि ये अपने आदमियो को गिरफतार क्यो नही कर सकते? सुबह से भााम तक कनकीक ान करते रहते है। पिछले दिनो एक अखबार मे छपा। अभी रिसैन्टली छपा है कि इनका जो आज का ''''''''''''''' है वह पहले आई0 जी0 प्रिजन्स

था उसके बारे मे दया सिंह लाम के कैदी ने ब्यान दिया कि अदालत से उसकी रिहाई के लिए हुक्म हो गया था लेकिन आई0 जी0 र्पिजन्स ने उससे मोटी रकम मांगी। मोटी रकम उसके पास उनहे देने के लिए नही थी तो उसे दो साल फालतू जेल मे रखकर छोडा गया। बजाये इसके कि आई0 जी0 प्रिजन्स के खिलाफ इंक्वायरी करके उसे ससपैंड करते उसे हवालात मे दे देते, उसको ''''''''''''''''' बना दिया।

अभी सुप्रीम कोर्ट ने श्री ओ0 पी0 जिंदल और चौधरी भजन लाल के केस मे एक फैसला दिया। हिन्दुस्तान टाईम्ज ने इस पर एक ऐडीटोरियल लिखा है। उस ऐडिटोरियल के कुछ अं ा मै पढकर सुनाता हूं।

".....More noteworthy than the predictable verdict was the plain-speaking by the Supreme court about the conduct of the Chief Minister in the case, which was not at all becoming of his high office and not compatible in the least with his attempt to allege a judicial bias."

Further it has been writtin.....

".....judges should not be dragged in and their names mentioned in such matters. The Court is unhappy that the Chief Minister should have felt compelled to speak information as to what transpired within the judicial fortess among the judicial brethren. The Supreme Court has added to the sting of its main comments by sharply criticizing also the conduct of High Court Judge G.R. Majithia in seeking an

explanation for fixing Mr. Jindal's petition, before the acting Chief Justice S.S. Sodhi in place of the tax bench."

"what the apex court has accused Mr. Bhajan Lal of even if not in so many words, is a balatant attempt to political interference in the judiciary's functioning. Such attempts should of course, be strongly rebuffed, but this cannot be done, only by steps to stay the hands of the political culprits."

Further it has been written-

"……..There is need for the judiciary as well to make its fortess" impenetrable to external, and especially executive, influences and interferences."

अध्यक्ष महोदय, इस जजमैंट मे सुप्रीम कोर्ट ने बहुत ही क्लीयरकट भाब्दो मे कहा है कि चीफ मिनिस्टर का जो यह कंडक्ट था, यहठीक नही था। चीफ मिनिस्टर ने यह जो ट्रासफर ऐप्लीके ान दी, यह इसलिये दी कि सोढी–जज की बैंच की अवायड करना था और सुप्रीम कोर्ट की बडिंग है, जिस जज के खिलाफ मुख्यमंत्री जी ने इल्जाम लगाये थे, उस बारे मे सुप्रीम कोर्ट कहती हैः–

"There is nothing to indicate that the then Acting Chief Justice S.S. Sodhi evinced an interest in hearing this matter or that or he was biased." अध्यक्ष महोदय, सुप्रीम कोर्ट यह नही कहती बल्कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि as rightly urged by Shri Shanti Bhushan, Counsel-

"It appears the attempt was to avoid the Bench headed by S.S. Sodhi, J."

"We are unhappy that the (appellant means the Chief Minister, Shri Bhajan Lal), should have felt compelled to seek information as to what transpired within the judicial fortress, among the judicial brethren. Judges should not be dragged and their names mentioned in such matters. Rightly the former Chief Justice Mr. Rama Jois refused to allow his name to be quoted considering it improper to talk about any conversation which might have taken pace between the Chief Justice and other judgesof the High Court in their Chamber."

अध्यक्ष महोदय, इस जजमैन्ट हो देखने के बाद मै यह कह सकता हूं कि मुख्य मंत्री महोदय को इस जजमैन्ट को देखने के बाद उसी दिन इस्तीफा दे देना चाहिये था। उनको एक मिनट भी मुख्य मंत्री रहने का हक नही था कि सुप्रीम कोर्ट की वरडिक्ट आने के बाद भी मुख्य मंत्री बने रहे। आनंद सिंह डांगी की तो छोटी सी बात पर छुटटी की जा सकती है मगर हरियाणा के मुख्यमंत्री केउपर इतने सीरियस ऐलीगे ान्ज लगाने के बाद भी उनकी छुटटी नही हो सकती। अध्यक्ष महोदय दूसरी बात यह भी है कि जिन जजो के नाम मुख्य मंत्री ने अपने ऐफिडेविट मे दिये थे, प्रोप्रायटी यह डिमांड करती है कि उन जजिज़ को इस्तीफा देना चाहिये। वे जजिज़ जुडि ायल बैंचिज पर बैठने के लायह नही है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने क्लीयर कट भाब्दो मे यह कहा है कि जुडि ायल फोर्टस के उपर ऐसा नही होना चाहिए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः बंसी लाल जी, आप जुडि ायरी के बारे मे कुछ न कहे। (ाोर)

चौ0 बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै लॉ एंड आर्डर की बात कर रहा हूं (ाोर) जब रक्षक ही भक्षक बन जाएंगे तो कानून रहेगा कहां? कानून रहेगा ही नही। इन्होने तो ने ानल हाईवे पर आदमी उठवाए (ाोर) अगर ऐसी बाते होगी तो फिर इंसाफ तेा किसी को मिलेगा ही नही।

Mr. Speaker: Ch. Bansi Lal Ji, judges conduct cannot be discussed in the House.

चौ0 बंसी लालः स्पीकर साहब, मै जजो का कंडक्ट डिस्कस नही कर रहा हू। मै किसी जज का नाम नही ले रहा हू। मै तो यह कह रहा हूं कि मुख्य मंत्री ने जिन जजिज़ के नाम अपने एफीडेविट मे दिये थे, उस ऐफिडेविट को सुप्रीम कोर्ट ने डिसबिलीव किया है। मे उन जजो के नाम तो नही ले रहा परंतु इतना जरुर कहूंगा कि उन जजो को अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नही है। They should resign keeping in view the high standards of judiciary. This is what I say. तो स्पीकर साहब, लॉ एंड आर्डर नाम की कोई चीज रही ही नही है। कानून इन्होने कभी पढा नही। जानते नही। समझते नही। तो इलिये मुख्य मंत्री ी को नैतिकता के आधार पर अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिये और साथ मे उन जजो को भी इस्तीफा दे देना चाहिये जिनके उपर सुप्रीम कोर्ट ने आक्षेप किया हो। इंडिक्ट किया हो।

जो डी0 जी0 पी0 है, उनके खिलाफ जो दया सिंह के ब्यान है, उसके आधार पर उनके खिलाफ केस रजिस्ट्र करना चाहिये और उसे प्रोसीक्यूट करना चाहिये। ये मेरी रिक्वैस्ट है। यह मै कहना चाहता था (ाोर एवं व्यवधान)

विता मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने बोलने से पहले मै दो बातें यहां कहना चाहूंगा। (ाोर) संपत सिह जी आप बैठे बैठे बोल रहे है। मैने आप लोगो की सारी बाते सुन ली है। इसलिये अब मुझे भी अपनी पर्सनल एक्सपलेने ान के तौर पर बाते कहने का अधिकार होना चाहिये। (ाोर)

प्रो0 राम बिलास भार्मा:अध्यक्ष महोदय, काल अटैं ान मो ान के बारे मे मै आपकी रुलिंग चाहूगा। आज आप की ही अनुमति से उस बारे मे सदन मे चर्चा भी हो रही है जिस पर चौधरी बंसी लाल जी भी बोले, चौटाला साहब भी बोले तथा अब मांगे राम गुप्ता को भी बोलने के लिए आपने समय दिया है हालांकि उनके नाम का रैफरैनस कही नही हैं इसलिए बाकी मैम्बर्ज को भी बोलने का मौका मिलना चाहिये।

श्री अध्यक्ष: नही नही। वे तो केवल अपना पर्सनल एक्सपलेने ान देना चाहते है इसलिए उन को समय दिया गया हैं

प्रो0 राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, इस काल अटैन ान मेा ान मे उनका नाम तो आया ही नही, तो वे फिर

किस बात का पर्सनल एक्सपलेने ान देना चाहते है? आप उनको बोलने की इजाजत दे, तो हमे कोई ऐतराज नही है। यह बडा अहम मसला है इसलिये आप बाकी मैम्बर्ज को भी बोलने का समय दें।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

(i) वित्त मंत्री द्वारा

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मै पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, आज हाउस में चौधरी सम्पत सिंह और चौधरी बंसी लाल ने कानून व्यवस्था पर चर्चा करते हुए सरकारका और इस हाउस का कुछ बातो की तरफ ध्यान दिलाया कि हरियाणा में बहुत सी जगह कुछ ऐसे वाकयात हुए है। उन्होने यह भी जिक किया कि जींद में बहुत बडा सट्टा पुलिस और राजनैतिक नेताओ के संरक्षण मे हो रहा था जिसमें चार आदमियो का किडैनप हो गया। अध्यक्ष महोदय, सामने खम्बे पर जो हरफ लिखे हुए है, इनके बारे में रोज याद दिलाते है। आज मै सदन में जो कहने जा रहा हू, वह इन हरफो को पढ कर कहने जा रहा हू और आन औथ कह रहा हूं कि अगर मेरा एक भी भाब्द गलत हो, तो आप हाउस की एक कमेटी बना दे, वह जो सजा मुझे देगी, मै उसे मंजूर कर लूंगा। अध्यक्ष महोदय, पहली बात तो यह है कि जींद में कोई जुआ और सट्टा नही हुआ। इन्होने थोडी सी गुमराह करने की कोि ा ा की।

सही बात यह है कि जींद मेरा जिला है और मै आज हरियाणा में मंत्री हूं और मेरी जिम्मेदारी बनती है जिससे मै पिछे नही हटता। जहां की ये बात कर रहे है, वह हल्का चौधरी औम प्रका ा का है। उनके हल्के मे जुआ खेला जा रहा था। इनकी उसको बन्द करवाने की कोई ि ाकायत नही आई। यह इनकी जिम्मेदारी थी। इनको सरकार को लिखकर देना चाहिए था। अध्यक्ष महोदय, जो जुआ खेलने वाले व्यक्ति थे, उनको मै बाई फेस और बाई नेम आज भी नही जानता। जो किडनैप करने वाले मुजरिम है, मै उनको भी नही जानता और न उनके साथ कोई संबंध रखता हूं तथा न मैने उनको अपने नजदीक लगने दिया। अध्यक्ष महोदय, लेखू नाम का एक लडका जींद का था। सम्पत सिंह जी ने खुद माना है कि उसके साथ तीन और किडनैप हुए। उनमे से दो फिरौती देकर वापिस आ गए है। एक लडका काकू नाम का उसके साथ किडनैप्ड है। क्या काकू किसी मां बाप का बेटा नही है। एक लेखू नाम से लोगो मे रोश हो सकता है। चाहे वह कैसा भी खोटा बेटा हो, लेकिन अपने मां–बाप का तो प्यारा है। अध्यक्ष महोदय, हमने तो बिल्कुल पूरी ईमानदारी से और जितने प्रयास कर सकते थे, करके उनको बरामद किया है। वहां पर सारा मंत्रिमण्डल बैठा है। मैने मुख्य मंत्री जी को अपने मंत्रियो के सामने कहा कि मुख्य मंत्री जी, 20 दिन हो गए है। लडका कैसा ही हो लेकिन आपको पता है कि मां बाप के दिल पर क्या गुजरती है। हमारा फर्ज बनता है कि उसको बरामद करके मुलजिमो को गिरफतार करवाएं। उन्होने सारे मंत्रियो के सामने कहा कि मुझे भी

इस बात का दुख है और मैने पुलिस को बहुत खिंचा है और आज भी खींच करके कहा है कि आपको 15 तारीख तक का टाईम देता हूं। अगर तब तक मुलजि नही पकडे गए तो एक एक अफसर के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। यह मै नही कह रहा हमें बल्कि जिन मंत्रियो की आप बात कर रहे है, उनसे भी पूछा जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक जनता मे रोश का सवाल है वह उनमे होना चाहिये क्योंकि यह उनका अधिकार है। मै उनका नुमाइंदा हू। उनको रोश करना ही चाहिये। यह कहा गया कि महिलाएं प्रद र्न कर रही थी उनको मैने कुछ कह दिया। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः आपने उन महिलाओ को 'वे या' कहा है और आपने यह अपनी जुबान से कहा है।

श्री मांगे राम गुप्ताः आपकी अपनी जुबान है। आप कुछ भी कह सकते है। अध्यक्ष महोदय, आप सम्पत सिंह जी की अध्यक्षता मे एक कमेटी बना दे और ये इस बारे मे तहकीकात कर लें। अगर प्रद र्न करती हुई महिलाओ के बारे मे मैने कोई भी ऐसा भाब्द कहा हो तो मेरे परिवार के किसी सदस्य ने कहा हो या मेरे किसी स्पोर्टर ने कहा हो, तोये मुझे जो सजा देंगे, वह मै भुगतने के लिए तैयार हूं।

प्रो0 सम्पति सिंहः स्पीकर साहब, मै इस बारे मे तहकीकात करने के लिए तैयार हूं। (ाोर)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): आप इस तरह से खडे हो कर कहे कि मै तैयार हूं, तो क्या सरकार उसको मानेगी? नही (ाोर)

श्री मांगे राम गुप्ता: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से एक बात और कहना चाहता हूं कि उन महिलाओ ने मेरे घर के सामने बहुत भद्दा प्रद र्ान किया। अध्यक्ष महोदय, उन महिलाओ के साथ इन विपक्ष के लोगो ने भाामिल हो कर वहां जो हालात पैदा किए, वह बहुत ही भार्मनाक थे। आज ये ला एण्ड आर्डर की बात किस मुहं से करते है? अध्यक्ष महोदय इन्होने उनके साथ मिलकर जींद की फिजां को खराब करने की कोि ा ा की। संपत सिंह जी, जितना बडा मंच जितनी बडी पंचायत वहां पर इकट्ठी हुई, अगर आप गाडियां लेकर भी घूमें, तो आपसे उतनी बडी पंचायत इकटठी नही होगी।

प्रो0 सम्पत सिंह: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी जात पात की पंचायत बुलाए, इससे बडी भार्मनाक बात और क्या हो सकती है?

श्री मांगे राम गुप्ता: अध्यक्ष महोदय, आप भी बुद्धिजीवी है आप भी बहुत सी पंचायतो मे गए होंगे। पंचायत मे हर व्यक्ति को अपनी बात कहने का अधिकार होता है और हर व्यक्ति को बात सुने का अधिकार होता है। हर व्यक्ति खडा हो कर अपनी बात कह सकता है और उसका जवाब सुन सकता है।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, माननीय वित्त मंत्री जी अपनी पर्सनल एक्सपलेने ान दे रहे है और पर्सनल एक्सप्लेने ान देते देते यह बात कैटेगरीकली कह रहे है कि वहां पर अनफार्चुनेटली इन्सीडैंट हुआ है। मै यह कहता हूं कि इनके मुहें से ऐसी कोई बात निकली अव य है, जिसके लिए इन्होने वहां पर पंचायत बुलाई और बहन भाकुंतला भगवाडिया, लछमन दास अरोडा और ए0 सी0 चोधरी उसमे गए थे। यदि उन्होने ऐसी कोई बात नही कही थी तो ये किस लिए वहां गए थे। (ाोर)

Mr. Speaker: No interruptions, please.

श्री मांगे राम गुप्ता: अध्यक्ष महोदय इतना होते हुए भी जींद मे कानून व्यवस्था की स्थिती खराब नही हुई और न ही आगे होने देंगे। (ाोर एवं विघ्न) ये हमारे मंत्री साथयो को उकसाने की कोि ा ा कर रहे है लेकिन हमारे मंत्री जी धीरज रखना जानते है। वहां पर पंचायत बैठी। यह जरुरी नही है कि पंचायत बैठी तो उसी वक्त फैसला हो जाए। वहां पर जो सभा हुई उसमे 25–30 हजार आदमियो ने भाग लिया और हजारो की संख्या मे पंजाबी समुदाय के लोगो ने भी हिस्सा लिया। जिस सभा मे पंजाबी समुदाय के वी0 आई0 पी0 भाामिल हो, और दूसरे लोग भी हो, और उसमे जो कोई गलती करता है, वह गलती मान ले तो इससे बडी बात और क्या होगी, जो गलती को गलती मान ले वह आदमी होता है। मैने कहा कि यदि मेरे से जाने–अनजाने कोई भाब्द निकले हो, जिनसे उनको ठेस लगी हो, तो उसके लिए

मै माफी चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, माफी मांग लेना कोई बडी बात नही है। जब यह सभा हुई तो पंजाबी समुदाय के भाईयो ने कहा कि अब हमारा मांगे राम गुप्ता जी से कोई गिला–ि ाकवा नही है और जो प्रस्ताव हमने पास किया है उसको वापिस लेते है। आप लोग जो फायदा उठाना चाहते है, वह फायदा हम नही उठाने देंगे। विपक्ष के लोग जो तैनाव जींद मे पैदा करना चाहते है, वह नही होने देंगे और हमारा आपस का भाई चारा हमे ाा बना रहेगा। धन्यवाद।

(ii) राजस्व मंत्री द्वारा

राजस्व मंत्री (श्री निर्मल सिंह): अध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायंट आफ पर्सनल एक्सप्लेने ान। हमारे अपोजी ान के लीडर सम्पत सिह जी ने अम्बाला के सिखो हत्याकंड की चर्चा करते हुए जिक्र किया कि यह हत्या मैने करवाइ है और जो मुलजिम पकडे गए है, उन्होने कहा है कि हत्या निर्मल सिंह ने करवाई है। (विघ्न) चलो आप का कहना सही नही हो सकता है। कुछ लोगो द्वारा ऐसा चौराहो पर कहा जा रहा है जो मुलजिम पकडे गए है। उन्होने कहा है कि यह हत्या मैने करवाई हैं। स्पीकर साहब, सबसे पहले तो यह एक यह इस बात की पुश्टी कर ले कि जो मुलजिम पकडे गए है उनसे पूछ ले कि उन्होने मेरा नाम लिखा भी है या नही। पता चल जाएगा। (विघ्न) इस सिखो हत्याकांड पर ये पिछले डेढ महीने से सियासी रोटियां सेकते चले आ रहे है। इन्होने यह भी कहा है कि हमारा उम्मीदवार निर्मल सिंह जी ने मरवा दिया।

ये कह रहे है कि हमने अपने इस उम्मीदवार को तो अगले इलैक ान मे निर्मल सिंह के खिलाफ चुनाव मे खडा करना था। इसी प्रकार से इन्होने हमारे एक पूर्व उम्मीदवार की भी हत्या निर्मल सिंह ने की है ओर इसी प्रकार से किसी एक कार्यकर्ता का भी नाम लिया। यानि इन्होने कहा है कि निर्मल सिंह ने अब तक 12 कत्ल किए है। अध्यक्ष महोदय, मै कोई ऐसी बात नही कहूंगा और ज्यादा बोल कर हाउस का ज्यादा समय भी नही लूंगा। ये लोग इस बात को सियासी तौर पर इस्तेमाल करना चाह रहे है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, हरियाणा बिल्कुल पीसफुल था और आ ाा करता हूं कि भविश्य मे भी यह पीसफुल ही रहेगा। पोलिटिकल मर्डर्ज का जहां तक ताल्लुक है, राम चन्द्र सरपंच और उसके 2 साथी मारे गए। अमीर सिंह का मर्डर हुआ। 1988 मे मेरे हलके मे मोहडी गांव मे गुरनाम सिंह हरिजन का मर्डर हुआ। अजमेर सिंह का मर्डर हुआ जो कि अभी तक अनट्रेस्ड है। ये तो कुछ छोटी मोटी बातें थी जो कि मुझे याद है। अध्यक्ष महोदय, मै पहले ही कह चुका हूं कि मै ज्यादा नही बोलूंगा। (विघ्न) आपकी तसल्ली के लिए हमने तो पूरी कार्यवाही भी की है। अम्बाला वाले केस मे 4 आदमी पकडे गए है और 9 आदमी के और चालान पे ा किये जा चुके है। कुल 12–13 आदमियो के चालान हुए है और 6 चालान कांस्पीरेसी के हुए और हमने किसी मे कोई दखलअंदाजी नही की ताकि इन भाईयो की तसल्ली रहे। (विघ्न) आप इतनी देर बोलने परंतु आपने जय प्रका ा जी की चर्चा नही की। क्या उसके केस को भी सी0 बी0 आई0 को सौंप दे? अजमेर सिंह का केस

अभी तक अनट्रेस्ड है। क्या उसको भी सी0 बी0 आई0 को सौंप दे? (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आप इनको सी बी आई को सौंपिये तो सही। (विघ्न)

श्री निर्मल सिंहः सुप्रिया वाला केस तो सी बी आई को गया ही था। (विध्न) यदि सी0 बी0 आई0 मुझे इन्डिकट कर दे तो मुझे जेल हो जायेगी और मै जेल भी काट लूंगा। जेल मे भी तो इनसान ही जाते है। सम्पत सिंह जी आप अपने स्वास्थय का ख्याल करो, बडे चौधरी का नाम भी आ सकता है। जय प्रका ा वाले केस का भी मैने जिक किया है, सम्पत सिंह जी आप जरा अपना ध्यान रखना। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः यह सम्पत सिंह की आवाज है, जिसे आप दबा नही सकते। यह आवाज बंद होने वाली नही है और न ही आप इसको बंद ही कर सकते है। अगर दम है तो कर के देख लो। (विघ्न एवं भाोर) **********

श्री निर्मल सिंहः **********

श्री अध्यक्षः जो बात इन्होने कही है उसको रिकार्ड न किया जाए। निर्मल सिंह जी आप बैठे। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपसे यह जानना चाहता हूं कि क्या इस हाउस के सम्मानित सदस्य को

धमकाया जा सकता है? क्या इस ढंग से डराने धमकाने की कार्यवाही की जा सकती है? अध्यक्ष महोदय आप इनको थोडा समझाइए कि ये इस प्रकार का व्यवहार न करे। (विघ्न)

चौधरी बीरेन्द्र सिंह (नारनौंद): स्पीकर साहब, प्रो0 सम्पत सिंह जी तो वैसे ही आपे से बाहर हो गए। वे थ्रैट नही कर रहे थे बल्कि इनको समझा रहे थे। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः आपने तो इनकी सलाह मान ली, लेकिन दूसरो को यह लाह आप न दें। (विघ्न)

Mr. Speaker: Hon'ble Member, under Article 211 of the Constitutuion, 'Restriction on discussion in the Legislature;:-

"No discussion shall take place in the Legislature of a State with respect to the conduct of any judge of the Supreme Court or of a High Court judge in the discharge of his duties."

श्री कर्ण सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

Mr. Speaker: No, I rule out your point of order.

श्री कर्ण सिंहः अध्यक्ष महोदय, एक बार मेरी बात तो सुन लें।

Mr. Speaker: This is not the right time. I wil not allow it. Please take your seat.

चोधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपसे एक प्रार्थना करुंगा कि कर्ण सिंह दलाल भी सदन के बाकी सदस्यो की तरह है। इन को भी आप बोलने का मौका दे। ये जब भी बोलने के लिए खडे होते है आप कह देते है कि बैठ जाओ। He is also an Hon'ble Member of this House.

Mr. Speaker: Yes, everybody has the right to speak.

Ch. Bansi Lal: He has the right to rise on a point of order.

Mr. Speaker: This is not the right time to raise the point of order.

Sh. Karan Singh Dalal: This is the right time and right procedure also.

Mr. Speaker: No, Please take your seat.

श्री कर्ण सिंह दलालः **********

Mr. Speaker: Nothing to be recorded. It is no point of order.

वक्तव्य–

मुख्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण सूचना सं0 10 संबंधी

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, सदन मे स्टेट की कानून व्यवस्था की चर्चा हो रही है। इस बारे मे भाुरुआत सम्पत सिंह जी ने की। इन्होने कहा कि प्रदे ा मे कानून

नाम की कोई चीज नही है। अध्यक्ष महोदय, इन्होने ऐसे ऐसे भाब्दो का इस्तेमाल किया जो इनको भाोभा नही देते है। यह बात वह तो कह सकता है जो भाासन मे न रहा हो, बहुत ही धार्मिक विचार का व्यक्ति हो, लेकिन ये तो राज–पाट मे रहे है गृह मंत्री रहे है। इनके मुहं से यह बात सुनकर मुझे हंसी आ रही थी। इनके अपने राज मे क्या हालात थे? किसी आदमी की, किसी बहन बेटी की इज्जत सेफ नही थी। किस तरह से ये लोग जमीनो पर कब्जा करते थे, महम मे कांड किए, किस तरह से किसी उम्मीदवार का कत्ल कर दिया,यह जग जाहिर है। अब ये अमनो–चैन की बात करते है। आज भी लोग इनके राज को भुले नही है। इस बात को इनको ध्यान मे रखना चाहिए कि दोबारा ऐसा न हो। चौधरी देवी लाल जी ने वी0 पी0 सिंह को पार्लियामैंट मे कहा था कि वी0 पी0 सिंह जी, अगर जय प्रका ा ग्रीन ब्रिगेड न लेकर जाता तो तू एम0 पी0 नही बन सकता था। अब ऐसे व्यकित तो आपके साथ थे। आज मुझे खु ाी हैकि चौधरी बंसी लाल ने उसे बहुत ही प्यार से अपनी पार्टी मे ले लिया है।

चौधरी बंसी लालः उसको अपनी पार्टी मे लेने की कोि ा ा तो आपने भी बहुत की लेकिन वह नाट गया। (हंसी) कोि ा ा करने मे आपने कोई कसर नही छोडी कभी भिवानी से गाडी लगा दी और कभी खुद 15 अगस्त को पहुंच गए। सारे काम कर लिए लेकिन इनकी बात उसने नही मानी।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सर, आज श्री जय प्रका ा जी इस सदन के सदस्य नही है। वह तो केन्द्र सरकार मे मंत्री रह चुके है। इसलिए ऐसे सदस्य के लिए अगर मुख्य मंत्री जी यह कहे कि वह गुंडा है या बदमा ा है तो यह ठीक नही है। मुख्य मंत्री जी को ऐसे सदस्य के बारे मे जो कि इस सदन का सदस्य न हो कुछ नही कहना चाहिए। सर, इसलिए इन्होने कहा है वह सब एक्सपंज किया जाना चाहिए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह मैने नही कहा है बल्कि यह तो चौधरी देवी लाल और चौधरी बंसी लाल जी कहते थे।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

(iii) (क)चौधरी बंसी लाल द्वारा

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेने ान है। मैने श्री जय प्रका ा को कभी भी गुंडा नही कहा जो कि मुख्य मंत्री जी कह रहे है। मुख्य मंत्री जी गलत और गुमराह करने वाली बात कह रहे है।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): आपने तो धर्मबीर के बारे मे भी और जय प्रका ा के बारे मे भी कहा था।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय मैने ग्रिन ब्रिगेड के बारे मे कहा था लेकिन जय प्रका ा के बारे मे नही कहा था।

मुख्य मंत्री जी याद कर ले कि ये उसके पास भिवानी के दस आदमी रोजनाना भेजते ि कि वह विकास पार्टी मे न जाए। लेकिन उसने इनकी रिकवैस्ट को टर्न डाउन कर दिया इसलिए ये परे ाान हो गये और उसकी सिक्योरिटी भी विदड्रा कर ली।

चौधरी भजन लालः .'अध्यक्ष महोदय., इनका हमारी बात भी सुननी चाहिए मैने न तो भिवानी के आदमी उसके पास भेजे और न ही उसको अपनी पार्टीमे आने के लिए कहां कुछ आदमी मेरे पास आए थे और उन्होने कहा था कि इसको कांग्रेस मे ले लेा। मैने कहा कि हमे इसके लिए सोचना पडेगा, सलाह करनी पडेगी। इसलिये हम जल्दबाजी मे कोई बात नही कह सकते। अगर औम प्रका ा चौटाला का कोई भाई थोडा बहुत इधर उधर हो तो, उसे हमारी पार्टी मे लेने का कोई सवाल ही पैदा नही होता। लेकिन लेने की दुकान तो आपने खोल रखी है।

चौधरी बंसी लालः आप थोडे दिन और इंतजार किजिए। ये सब भी मेरे पास आने वाले है।

चौधरी भजन लालः चौधरी साहब, जिनको आपने अपनी पार्टी मे लिया है वह तो सब चले हुए कारतूस है। जय प्रका ा के अलावा आपने जिस दूसरे आदमी जगन नाथ को अपने साथ लिया है, वह भी चला हुआ कारतुस ही था। अब उसमे ऐसी कोई भी खास बात नही है।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी को कहिए कि वह जो कोि ा ा अटैं ान मो ान है या दूसरी बाते है, उनका जवाब दे। ये जिस आदमी के बारे मे चर्चा कर रहे है, उसकी न तो कोई बात हुई है और न ही उसके बारे मे कोई बात कही गयी है। इसलिए इन्होने उसके बारे मे जो कहा है वह सक एक्सपंच होना चाहिए।

वक्तव्य–

मुख्य मंत्री द्वारा अपरोक्त ध्यानाकर्शण सूचना नं0 10 संबंधी (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मैने तो उसका जिक्र ही नही किया। जब इन्होने कहा तभी मेने उसका उतर दिया। इन्होने ही उसको अपना सरदार बना रखा है। चलो अच्दी बात हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा सम्पत सिंह जी ने पीली मंदारी गांव का जिक्र कर दिया कि वहां बच्चे की बलि चढा दी गयी और असली मुजरिम को छोड दिया गया और नाम ले दिया कि भजन लाल के भतीजे के कहने पर ऐसा किया गया इन्हे तो किसी न किसी का नाम लेकर कुछ कहना ही है। वह गांव तो दडबा कलां क्षेत्र का है। मे इनको बताना चाहता हूं कि हमे जिस पर भाक था, उसको हमने बुलाया। बाद मे असली मुजरिम का पता लगा ओर दोनो मिया बीवी ने इस बात को कबूल किया। वे दोनो हरिजन है। उनके कोई बच्चा नही होता था। इसलिए उन्होने

किसी तांत्रिक के कहने पर ऐसा किया। किसी तांत्रिक ने उनसे कह दिया कि अगर तुम किसी बच्चे की बलि चढा दोगे, तो तुम्हारे औलाद हो जाएगी। उन्होने एक बच्चे का ले जाकर मार दिया और उन दोनो ने अपराध के बारे मे स्वयं माना है। और कुल्हाडी व दराती भी बरामद हुई है। इस मामले मे सी0 आई0 डी0 ने और बाद मे क्राइम ब्रांच ने तफती ा की हैं। सुनार का इस केस मे कोई हाथ नही है। सुनार ने कुछ लोगो को गांव मे पैसा दे रखा था। उन्होने सोचा कि यह 302 के केस मे फंस जाए तो बीस साल के लिए अंदर चला जाएगा और हमे पैसे नही देने पडेंगे। कोई गलत कहानी बनाने का मायना क्या है। गरीब आदमी तांत्रिक के धोखे मे चढ गए।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै मुख्य मंत्री महोदय के नोटिस मे एक बात ला दू कि वह जो हरिजन दंपति पकडा गया है। **********

श्री अध्यक्षः यह जो इन्होने कहा है यह रिकार्ड न किया जाए। वह बच्चे वाली बात रिकार्ड न कि जाए।

चौधरी भजन लालः चौधरी बंसी लाल जी ने जुए के अडडे की बात कही है कि जींद का भी जिक किया है अम्बाला कत्ल केस के बारे मे मै इकटठी बात करुंगा। जहां तक मागेराम जी का ताल्लुक है, जुलाना मे 50 हजार की हाजिरी थी। 50 हजार लोगो की हाजिरी मे मांगे राम जी ने कहा कि किसी भाई

को मेरे लफजो से ठेस पहुंची है तो मै क्षमा चाहता हू। माफी चाहता हूं। मेरी ऐसी कोई मं ाा नही थी। वहां खडे होकर उन्होनै पंजाबी भाईयो से कहा ********** (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मै बहनो का आदर करता हूं नारी का पूरा सम्मान करता हू। मैने ऐसी कोई बात नही कही जिससे नारी जाति का कोई तकलीफ हुई हो। अगर ऐसी बात हुई हो तो भी मै माफी चाहता हू। माफी मे तो 302 के मुजरिम को भी बख्भाते है। पता नही, इन लोगो के दिमाग मे जातपात की बाते हर समय क्यों रहती है। जात पात के नाम से ये लोगो को भडकाने की कोि ा ा करते है। लोगो को गुमराह करते हैं। इन बातो के सिवाये इन लोगो के पास कोई दूसरे प्रोग्राम है ही नही। न ही कोई इनकी पालिसी है। फिर ये पंजाबी से पता नही कैसी हमदर्दी दिखाते है। कभी कहते है बनियो की, कभी कहते है ब्राहमणो को वोट देने का कोई अधिकार नही होना चाहिए फिर ये पता नही किस मुहं से उनके साथ हमदर्दी जता रहे है? इन लोगो को ऐसी बाते कभी नही करनी चाहिए जिससे किसी के दिन को चोट लगे, जिससे लोग गुमराह हो। जिस बात का ये जिक्र करते है, ऐसी कोई बात नही है। हमारे मंत्री यहां पर गये थे और हमने कहा कि हमे आपस मे भाई चारे से रहना चाहिए।

श्री बलबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। इन्होने अभी विपक्ष पर यह लांछन लगया कि हम जात पात की बात करते है। कभी पंजाबियो के बारे में, कभी

बनियो के बारे मे कहते है कि उन्हे कोई वोट का अधिकार नही होना चाहि। हमारी पार्टी की और से कभी ऐसा नही कहा गया। ऐसे विचार तो कांग्रेस पार्टी के लोगो के ही लगते है। कभी तो इनके नेतागण बनियो के नेता बनने जा रहे है। कभी पंजाबीयो के नेता बनते है। (ाोर)यह सब बाते इनकी अपनी ही मन गढंत बनायी हुई है। यह लोगो को आपस मे लडा रहे है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय जहां तक जुए का सवाल है। अगर कही पर जुआ खेला जाता है तो वह पुलिसकी मिली भगत के बिना नही खेला जाता। मै सच्चाई को सच्चाई ही मानुगा चाहे मेरा नुकसान ही क्यो न हो जाए। चाहे मुझे किसी के खिलाफ एक ान लेना पडे, मै सच्चाई ही कहूंगा। जब मुझे मालुम पडा कि जुआ हो रहा है तो मैने उसी समय काय्रवाही की और एक उी0 एस0 पी0, दो इंस्पैक्टर, एस एच ओ सदर जींद और एस एच ओ नरवाना को उसी वक्त सस्पैंड कर दिया और एस0 पी0 को वहां से बदल दिया। मुलजिम हर हालत मे मिलने ही चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः उस मंत्री का क्या बना जो एस0 पी, डी0 एस0 पी0 ओर इंस्पैक्टर्ज को प्रोटैक ान देते रहे? (विघ्न)

चौधरी भजन लालः जहां तक अध्यक्ष महोदय, ये प्रोटैक ान देने की बात करते है, वह मै बतलाता हूं। प्रोटैक ान देता है इनका बडा भारी भ्राुरु से तैयार किया हुआ बदमा ा,

जिसका नाम है: जितेन्द्र पहलवान। वह इनकी अपनी ही पार्टी का आदमी है।

आवाजेः हमारा ऐसे लोगो सेकोई संबंध नही है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः संबंध क्यों नही है? आप लोगो के साथ उसकी फोटो है, वह मै दिखा दूंगा। दूसरा बंसी लाल जी ने भी एक बात कह दी। एक और असली मूलजिम जिसका नाम है सतपाल उर्फ पहाडी जोकि उनके अपने घर मे ही रह रहा है, इन्होने उसे मुलजिम होने के बाद भी अपने घर मे छुपा रखा है। दूसरी तरफ अखबारो मे यह आता रहा है कि पुलिस उस मुजरिम की तला ा मे है। फिर उस आदमी ने सै ान कोर्ट मे अपनी जमानत के लिये एक ऐप्लीके ान भी दी है। उसमे लिखा है कि मै बंसी लाल और चौधरी सुरेन्द्र सिंह का खास आदमी हू। और उन्ही के साथ रह रहा हू और इनकी पार्टी का जिला जनरल सैक्रेटरी भी हूं। यह रिकार्ड मे है। यह उसमे अपनी जमानत की ऐप्लीके ान मे लिख कर दिया है।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

(iii) (ख) चौधरी बंसी लाल द्वारा

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायंट आफ पर्सनल एक्सप्लेने ान प्लीज। यह बात ठीक है कि सतपाल पहाडी हमारा समर्थक रहा है। न तो वह हमारी पार्टी का आफिस बियरर

है और न ही वह हमारे घर मे कभी रहा है। वह तो हरियाणा सरकार का एक कांट्रक्टर है। एक बात मै इनकी पुलिस की बताता हूं। डी0 जी0 पी0 के दिन मे 10–10 फोन आते है कि सुरेन्द्र सिंह पर पहाडी नाम से मुकदमा बनाओ। आज जींद के एस पी का अंग्रेजी के एक अखबार मे ब्यान भी आया है कि पहाडी को उठाने वालो मे किसी का कोई डायरैक्ट ताल्लुक नही है। डायरैक्टर भाब्द का इस्तेमाल उसने इसलिए किया है कि उस पर मुख्य मंत्री का प्रै ार है कि हर सूरत मे सुरेन्द्र पर मुकदमा बनाओ। इसलिए हमने न कभी किसी मुलजिम को पनाह दी है और न ही देंगे। अगर कोई कसूर करता है तो हम यह कहेंगे कि उसको जितनी मर्जी चाहो सजा दो। अध्यक्ष महोदय, मै मुख्य मंत्री जी से एक बात और जानना चाहूंगा कि इंडियन एक्सप्रैस के 7 अगस्त 1994 के अखबार मे पूरे हाफ पेज मे 6 कालम की खबर एक दया सिंह मुलजिम था, उसके बारे मे अखबार मे लिखा है किः–

"He complained that instead of being released after competing 20 years in prison, he was let out after 22 years. He alleged that the then DGP (Prisons) of Haryana had held up his release as he could not pay the huge bribe that he demanded....."

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। जो आदमी अपने आप को इस हाउस मे डिफैंस कर सकता, उसका नाम हास मे नही लिया जा सकता। चौधरी बंसी लाल को अफसरो की बुली करने की आदत है। पहले

ये चीफ सैक्रेटरी को बुली करते रहते थे। अब दूसरे अफसरो को बुली कर रहे है। जो आदमी अपने को हाउस मे डिफैंड नही कर सकता, उसका नाम नही आना चाहिए।

श्री अध्यक्षः उनको गवर्नमैंट डिफैंड करेगी।

चौधरी भजन लालः बंसी लाल जी को तो फोबिया हो जाता है। वे किसी भी अफसर का नाम ले कर कह देते है, जिसमे कोई सच्चाई की बात नही होती। इन्होने खुद माना है कि सतपाल पहाडी मेरा आदमी है।

चौधरी बंसी लालः मैने यह कहा था कि वह हमारा समर्थक रहा है।

चौधरी भजन लालः कब तक रहा है।

चौधरी बंसी लालः जब तक हमने इलैक ान नही लडे। 1991 के बाद तो कोई इलैक ान ही नही हुआ। अब हमारा उससे कोई वास्ता नही है।

चौधरी भजन लालः वह रहता तो आपके घर में है।

चौधरी बंसी लालः अगर कोई हमारा समर्थक रहा हो और आज वह क्राइम करे तो इसमे हम क्या कर सकते है? सरकार उसको सजा दे।

चौधरी भजन लालः उसके खिलाफ भिवानी मे पहले भी 302 का केस दर्ज हुआ था और वह इनके घर मे रहता है।

चौधरी बंसी लालः मेरे घर मे सतपाल पहाडी कभी नही रहा।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। चौधरी भजन लाल जी एक बात भूल गए कि किसी जमाने मे वे भी इनके समर्थक थे।

श्री अध्यक्षः आप बैठिए। यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नही है।

चौधरी भजन लालः बंसी लाल जी, अगर मुख्य मंत्री रहे तो वह भी भजन लाल की वजह से रहे वरना तीन महीने मे छुटटी हो जाती।

चौधरी बंसी लालः ये उस समय मेरा एक असिसटैन्ट था और चारपाई पर बाहर बैठ कर टैलीफोन सुना करता था। (ाोर)

चौधरी भजन लालः मैने कभी भी टेलीफोन नही सुनाऊ मैने आपकी तरह से हरद्वारी लाल के पैर नही दबाए। मै कुछ इखलाक रखता हू। हरद्वारी लाल ने अपनी किताब मे लिखा है कि बंसी लाल मेरा खाना बनाता था। (ाोर)

चौधरी बंसी लालः मेरे द्वारा उसके पैर दबाने तो दूर रहे, मै तो उनके साथ भी नही रहा। ये उनके साथ रहे और इन्होने बहुत कुछ बनाया।

वक्तव्य–

मुख्य मंत्री द्वारा अपरोक्त ध्यानाकर्शण सूचना नं0 10 संबंधी (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): चौधरी बंसी लाल जी, आपने मुझे कहा था कि भजन लाल जी हरद्वारी को लाकर अपोजी ान का लीडर बना दो। हरद्वारी लाल तो एस0 जे0 पी0 के लीडर के भी खिलाफ है। (ाोर) कहो तो मै पढकर सुना देता हू। वह बंसी लाल के भी खिलाफ है और देवी लाल के भी खिलाफ है। मेरे पास यह किताब है। इस मे लिखा है कि चौधरी देवी लाल का असली रुप। कहो तो पढकर सूना दू। फिर चौधरी हरद्वारी लाल ने लिखा है कि बंसी लाल एक पागल मुख्य मंत्री है। जब कभी आपको मौका मिल आप इस किताब को पढ लेना। वह ऐसा व्यक्ति है अगर वह किसी से कुछ लेना चाहे ओर उसको न मिले तो उसके खिलाफ लिख देगा। वह ब्लैक मेलर है। (ाोर) मै जींद के बारे मे कह रहा था। वहां पर हमने कुछ मुलजिम पकड लिए है। बाकी मुलजिमो को हम बहुत जल्दी पकड लेंगे। मेल मुलजिम पहाडिया था, जो चौधरी बंसी लाल जी का आदमी है,

उसको पकड लिया है। सम्पत सिंह जी, बाकी रहता है, आप वाला उसको भी पकड लेंगे।

प्रो0 सम्पत सिंहः वह तो कालका के चुनाव मे पंचकूला के अन्दर आपके साथ था। (ाोर)

चौधरी भजन लालः वह हमारे साथ बिल्कुल नही था। (ाोर)

चौधरी बंसी लालः वह मुख्य मंत्री जी के लडके के इलैक ान मे कालका बूथ कैपचर कर रहा था। क्या यह बात आप भूल गए। (ाोर)

चौधरी भजन लालः पहाडिया हमारे साथ बिल्कुल नही था और न ही कभी हमारे साथ वह आ सकता है। चौटाला साहब, कालका से आपकी पार्टी ने भी चुनाव लडा था और चौधरी बंसी लाल जी, आपकी पार्टी ने भी चुनाव लडा था। उसका हमारे साथ आने का सवाल ही पैदा नही होता। यह मै नही कह सकता कि अब की बार जब चुनाव होंगे, तब क्या वह हमारे साथ आ भी सकता है?

चौधरी बंसी लालः वह कालका के चुना मे बूथ कैपचरिंग के लिये भजन लाल के लडके के समर्थन मे कालका आया हुआ था। (ाोर)

चौधरी भजन लालः मेरे लडके के समर्थन मे पता नही कौन कौन आए है? अंदरुनी तो आप भी मेरे लडके के समर्थन मे थे। आप चाहते थे कि वहा ंसे बी0 जे0 पी0 के कैन्डीडेट की जमानत जब्त हो जाए। (ाोर)

चौधरी बंसी लालः बाकी जगह तो बूथ कैपचरिंग होती है। यहां कालका मे तो कांस्टीच्यूएंसी की कैपचरिंग हुई है। अगर किसी को दिल्ली जाना था तो वह वाया नाहन गया था, वाया कालका नही गया।

चौधरी भजन लालः चौधरी बंसी लाल जी, आप जैसा आदमी यह कहे कि बूथ कैपचरिंग हुई है, यह आपको भाोभा नही देता है। आप बाल–बच्चेदार आदमी है। बहुत सीनियर है। आप अपने दीन–ईमान से बात करे। मै कहता हूं कि वहां एक भी वोट गलत नही डाला गया। (ाोर)

प्रो0 छतर सिंह चौहानः चौधरी भजन लाल जी, आप अपने लडके को बूथ कैपचरिंग करके कालका से जीता जाए। (ाोर)

चौधरी भजन लालः मै आपकी तरह से जात पात की राजनीति नही करता। भजन लाल लोगो के काम करता है और मेरी इज्जत करते है, इसलिये मेरा लडका चुनाव जीत कर आया है। चौधरी बंसी लाल जी, आपको तो मैने कई बार हराया है।

आपको मैने 1977 मे पौने दो लाख वोटो से हराया था। क्या आप आज उस बात को भूल गए हैं?

चौधरी बंसी लालः इलैक ान मे तो आदमी हारता भी है और जीता भी है। आप अब की बार मेरे सामने मैदान मे आना, पता लग जाएगा कौन हारेगा और कौन जीतेगा।

चौधरी भजन लालः ठीक है। हम भी मैदान मे आएंगे, आप भी आएंगे। चुनावो मे अभी डेढ साल बाकी है। हम भी आपको बता देंगे कि कौन जीतेगा और कौन हारेगा। (ाोर)

श्री अध्यक्षः चौधरी बंसी लाल जी ने जब चीफ मिनीस्टर होते हुए चुनाव लडा था, तब उन्हे 98 परसैंट वोट मिले थे।

चौधरी भजन लालः चौधरी बंसी लाल जी मै आपकी तरह से बूथ कैपचरिंग नही करता और न ही कभी बूथ कैपचरिंग की बात सोचता हूं। आप 1986 मे बूथ कैपचरिंग करके 98 परसैंट वोट ले गए थे। यह रिकार्ड की बात है। इससे भद्दी बात और क्या हो सकती है? फिर 1987 मे चुनाव मे आपका क्या हाल हुआ वह भी बता दें। (ाोर)

वर्श 1988–89 के लिए अनुदानो तथा विनियोजनो से अधिक मांगो पर चर्चा तथा मतदान

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now discussion and voting on the excess demands over grants and appropriations for the year 1988-89 will take place, As per the

past practice and in order to save the time of the House, all the demands on the order paper will be deemed to have been read and moved. The Hon'ble Members can discuss any demand but they are requested to indicate the demand number on which they wish to raise discussion.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 25726550 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Revenue.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 4753234 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Excise & Taxation.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 65803136 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Buildings and Roads.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 118041823 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Education.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 4292347 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Medical & Public Health.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 1256558 be made to regularize the charges already incurred in excess of

the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Urban-Development.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 965365 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Food & Supplies.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 179814309 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Irrigation.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 2385990 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Industries.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 21789693 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Agriculture.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 11888003 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Animal Husbandry.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 24084598 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Community Development.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 35490329 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Transport.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 1388619 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Tourism.

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): स्पीकर साहब, मेरी प्रार्थना है कि ये डिमाण्डज 1988–89 की है ओर बहुत पुरानी डिमाण्डज है। यह केवल फारमैलिटी है और ये डिमाण्डज मेरे विरोधी भाईयो की सरकार के टाईम की है। इन डिमाण्डज पर बोलने वाली कोई बात नही है और न ही इन पर वोटिंग की कोई बात है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, नेहरा साहब ने ठीक कहा है कि ये बहुत पुरानी डिमाण्डज है। लेकिन मै कहना चाहता हूं कि हमारे पास सरकारी बिजनैस कोई लम्बा चौडा नही है। इसलिए आप इन डिमाण्डज पर मैम्बर्ज को बोलने का मौका दे ताकि मैम्बर्ज अपने इलाके की समस्याए सरकार के सामने रख सके।

श्री अध्यक्षः आप एप्रोप्रिए ान बिल पर बोल लेना।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, कुछ मैम्बर्ज को डिमाण्डज पर बोलने का टाईम जरुर दें।

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, इन्होने यमुना वाटर के बारे मे रुल 84 के तहत डिस्क ान के लिए मो ान दिया हुआ है, अगर आप डिमाण्डज पर डिस्क ान करेंगे तो उस पर डिस्क ान नही हो सकेगी। अगर आप लोग यमुना वाटर के बारे मे सीरियस है, तो आप उस पर डिस्क ान कर लें। ये डिमाण्डज तो बहुत पुरानी है। इन पर डिस्क ान करने वाली कोई खास बात नही है। यदि आप डिमाण्डज पर डिस्क ान करेंगे तो यमुना वाटर के बारे मे डिस्क ान करने के लिए टाईम नही रहेगा। स्पीकर साहब, यह बात है। They are not serious about the Yamuna Water Agreement.

चौधरी भजन लालः मैने कभी भी टेलीफोन नही सुनाऊ मैने आपकी तरह से हरद्वारी लाल के पैर नही दबाए। मै कुछ इखलाक रखता हू। हरद्वारी लाल ने अपनी किताब मे लिखा है कि बंसी लाल मेरा खाना बनाता था। (ाोर)

चौधरी बंसी लालः मेरे द्वारा उसके पैर दबाने तो दूर रहे, मै तो उनके साथ भी नही रहा। ये उनके साथ रहे और इन्होने बहुत कुछ बनाया।

वक्तव्य–

मुख्य मंत्री द्वारा अपरोक्त ध्यानाकर्शण सूचना नं0 10 संबंधी (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): चौधरी बंसी लाल जी, आपने मुझे कहा था कि भजन लाल जी हरद्वारी को लाकर अपोजी ान का लीडर बना दो। हरद्वारी लाल तो एस0 जे0 पी0 के लीडर के भी खिलाफ है। (ाोर) कहो तो मै पढकर सुना देता हू। वह बंसी लाल के भी खिलाफ है और देवी लाल के भी खिलाफ है। मेरे पास यह किताब है। इस मे लिखा है कि चौधरी देवी लाल का असली रुप। कहो तो पढकर सूना दू। फिर चौधरी हरद्वारी लाल ने लिखा है कि बंसी लाल एक पागल मुख्य मंत्री है। जब कभी आपको मौका मिल आप इस किताब को पढ लेना। वह ऐसा व्यक्ति है अगर वह किसी से कुछ लेना चाहे ओर उसको न मिले तो उसके खिलाफ लिख देगा। वह ब्लैक मेलर है। (ाोर) मै जींद के बारे मे कह रहा था। वहां पर हमने कुछ मुलजिम पकड लिए है। बाकी मुलजिमो को हम बहुत जल्दी पकड लेंगे। मेल मुलजिम पहाडिया था, जो चौधरी बंसी लाल जी का आदमी है, उसको पकड लिया है। सम्पत सिंह जी, बाकी रहता है, आप वाला उसको भी पकड लेंगे।

प्रो0 सम्पत सिंहः वह तो कालका के चुनाव मे पंचकूला के अन्दर आपके साथ था। (ाोर)

चौधरी भजन लालः वह हमारे साथ बिल्कुल नही था। (ाोर)

चौधरी बंसी लालः वह मुख्य मंत्री जी के लडके के इलैक ान मे कालका बूथ कैपचर कर रहा था। क्या यह बात आप भूल गए। (ाोर)

चौधरी भजन लालः पहाडिया हमारे साथ बिल्कुल नही था और न ही कभी हमारे साथ वह आ सकता है। चौटाला साहब, कालका से आपकी पार्टी ने भी चुनाव लडा था और चौधरी बंसी लाल जी, आपकी पार्टी ने भी चुनाव लडा था। उसका हमारे साथ आने का सवाल ही पैदा नही होता। यह मै नही कह सकता कि अब की बार जब चुनाव होंगे, तब क्या वह हमारे साथ आ भी सकता है?

चौधरी बंसी लालः वह कालका के चुना मे बूथ कैपचरिंग के लिये भजन लाल के लडके के समर्थन मे कालका आया हुआ था। (ाोर)

चौधरी भजन लालः मेरे लडके के समर्थन मे पता नही कौन कौन आए है? अंदरुनी तो आप भी मेरे लडके के समर्थन मे थे। आप चाहते थे कि वहा ंसे बी0 जे0 पी0 के कैन्डीडेट की जमानत जब्त हो जाए। (ाोर)

चौधरी बंसी लालः बाकी जगह तो बूथ कैपचरिंग होती है। यहां कालका मे तो कांस्टीच्यूएंसी की कैपचरिंग हुई है। अगर किसी को दिल्ली जाना था तो वह वाया नाहन गया था, वाया कालका नही गया।

चौधरी भजन लालः चौधरी बंसी लाल जी, आप जैसा आदमी यह कहे कि बूथ कैपचरिंग हुई है, यह आपको भाोभा नही देता है। आप बाल–बच्चेदार आदमी है। बहुत सीनियर है। आप अपने दीन–ईमान से बात करे। मै कहता हूं कि वहां एक भी वोट गलत नही डाला गया। (ाोर)

प्रो0 छतर सिंह चौहानः चौधरी भजन लाल जी, आप अपने लडके को बूथ कैपचरिंग करके कालका से जीता जाए। (ाोर)

चौधरी भजन लालः मै आपकी तरह से जात पात की राजनीति नही करता। भजन लाल लोगो के काम करता है और मेरी इज्जत करते है, इसलिये मेरा लडका चुनाव जीत कर आया है। चौधरी बंसी लाल जी, आपको तो मैने कई बार हराया है। आपको मैने 1977 मे पौने दो लाख वोटो से हराया था। क्या आप आज उस बात को भूल गए हैं?

चौधरी बंसी लालः इलैक ान मे तो आदमी हारता भी है और जीता भी है। आप अब की बार मेरे सामने मैदान मे आना, पता लग जाएगा कौन हारेगा और कौन जीतेगा।

चौधरी भजन लालः ठीक है। हम भी मैदान मे आएंगे, आप भी आएंगे। चुनावो मे अभी डेढ साल बाकी है। हम भी आपको बता देंगे कि कौन जीतेगा और कौन हारेगा। (ाोर)

श्री अध्यक्षः चौधरी बंसी लाल जी ने जब चीफ मिनीस्टर होते हुए चुनाव लडा था, तब उन्हे 98 परसैंट वोट मिले थे।

चौधरी भजन लालः चौधरी बंसी लाल जी मै आपकी तरह से बूथ कैपचरिंग नही करता और न ही कभी बूथ कैपचरिंग की बात सोचता हूं। आप 1986 मे बूथ कैपचरिंग करके 98 परसैंट वोट ले गए थे। यह रिकार्ड की बात है। इससे भद्दी बात और क्या हो सकती है? फिर 1987 मे चुनाव मे आपका क्या हाल हुआ वह भी बता दें। (ाोर)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

(iii) (ग)चौधरी बंसी लाल द्वारा

चौ0 बंसी लालः अध्यक्ष महोदय मेरी पर्सनल एक्सप्लेने ान है। मैने न तो कभी बूथ कैपचरिंग की है और न ही कोई और बात की है। बूथ कैपचरिंग का सिलसिला तो इनहोन ही टोहाना के चुनाव मे किया था। जहां तक अन–डिजायरेबल एलीमैंटस को संरक्षण देने का ताल्लुक है, वह भिवानी का एक केसा था, जिस केस मे पुलिस वालो को सजा हुई थी। तीन चार मुलजिमो को छोडा गया इनकी सरकार ने अपील करने से मना कर दिया और प्राईवेट पार्टी ने अपील की। जिन पुलिस वाले मुलजिमो को सजा हुई उनको पहले तो भजन लाल ने दो चार दिन के लिए अस्पताल में भेज दिया। फिर उसके बाद पैरोल पर भेज दिया। पैरोल पर उस आदमी को भेजा जाता है जिस आदमी

का जेल मे गुड कंडक्ट रहा हो। लेकिन वे तो जेल मे रही ही नही। उनका गुड कंडक्ट कहां से हो गया। पहले तो उनको एक सप्ताह के लिए पैरोल पर भेज दिया फिर उनका टाईम बढाते रहे। असली मुलजिम जिनके खिलाफ अपील करनी थी, उसको इन्होने नामंजूर कर दिया कि अपील नही करनी। इससे ज्यादा और प्रोटैक ान किस बात को कहते है?

वक्तव्य–

मुख्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण सूचना सं0 10 संबंधी **(पुनरारम्भ)**

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी ने बोलते हुए अम्बाला कत्ल के बारे मे जिक्र किया है। इस बारे मे निर्मल सिंह जी ने पूरी तफसील से बता दिया है। उस केस की इंक्वायरी सी0 बी0 आई कर रही है। इसलिये उस बारे मे ज्यादा कुछ कहना भाोभा नही देता। यह ठीक है कि कालका क्षेत्र मे भी कत्ल हुए है। इन केसो सें संबंधित कुछ मुलजिम पुलिस ने पकडे है और कुछ का पता चला है। आ ाा है वे भी 1–2 दिनो मे पकड लिए जाएंगे। किसी किस्म की कोई कोताही किसी मुलजिम को पकडने मे नही की जाएगी। कालका क्षेत्र मे विकास के बहुत अच्छे काम हो रहे है। अब कालका और पंचकूला पहले वाला नही है वहां पर पीने का पानी भी न मिले। पहले वहां पर सडके भी नही थी। इसी प्रकार से इन्होने मेवात के एरिया के बारे

मे भी एक हत्या का जिक्र किया। इस बारे मे मै बताना चाहता हूं कि वहां के डी0 एस0 पी0 को सस्पैंड कर दिया गया है और धारा 302 के अंतर्गत केस दर्ज किया गया है। जिसकी मुत्यु हुई है, उसके परिवार को 50 हजार राज्य सरकार की तरफ से सहायता के तौर पर भिजवा रहे हैं (विघ्न)

इन्होने एक यह बात कही कि प्राईवेट थाने चल रहे है। थाने तो आपके राज मे चलते थे जिसके लिए आपने एक ग्रीन ब्रिगेड बना रखी थी और उस की जिस के पास कोई चीट हो, कही भी घुम कर किसी की भी जमीन पर कब्जा कर लेते थे। आपके समय मे कोई टोका टाकी नही थी। अब ऐसी कोई बात नही हो रही। यदि ऐसी कोई बात हुई हो तो आप हमारे नोटिस मे लाएं, हम उस पर एक ान लेंगे।

प्रो0 संपत सिंहः मै आपके नोटिस मे लाना चाहता हूं कि आदित्य प्रिंटिंग प्रैस का एक कर्मचारी था, उसको मारा गया, पीटा गया। जब पुलिस ने वहां पर रेड किया तो सारी बाते खुली। आपके जो वहां पर पुराने एस0 एच0 ओ0 यह डी0 एस0 पी0 या एस0 पी0 रहे है, उनके संरक्षण मे यह सब चलता रहा है। आप इस बारे मे पता करके फिर बता देना।

चौधरी भजन लालः ठीक है, पता कर लेंगे। इसी प्रकार से इन्होने बोलते हुए श्री डांगी के बारे मे भी कह दिया कि एक्साईज इन्सपैक्टरो की भर्ती मे हई गडबड हुई। मै आपको याद

दिलाना चाहता हूं कि यह सिलैक ान आपके समयकी है और आप ही ऐसा गलत काम करते रहे है। इसी प्रकार से फरमाण गांव की बात का जिक्र किया गया। इस बारे मे मै आपको बताना चाहता हूं कि उसकी पूरी रिपोर्टअभी मैने पढी नही है। पुलिस वाले किसके खिलाफ क्या लिख दें और कोर्ट उस को कहा तक ठीक मानती है, यह तो देखने वाली बात है। इसी प्रकार से इन्होने हिसार की भीला देवी के केस मे जिक्र भी किया। यह केस हमने सी0 बी0 आई0 को दे दिया है।

प्रो0 संपत सिंहः सी0 बी0 आई0 वालो ने यह केस लेने से इंकार कर दिया है। बे ाक आप पता करवा लें।

चौधरी भजन लालः हमने लिख कर दिया हुआ है, उनकी तरफ से हमारे पास न का कोई जवाब नही आया है। यदि आप वाली बात सही है तो फिर कोि ा ा करेंगे कि सी0 बी0 आई0 उस केस की जांच करे। इसी प्रकार से आपने एक किसी एडवरटाइजमैंट एजेंसी का जिक्र कर दिया। वह मै समझ नही पाया, आप दोबारा बता दें।

प्रो0 संपत सिंहः मैने यह कहा था कि आपके जितने भी विभाग है उनकी जो भी एडवरटाइजमैंट होती है, वह पब्लिक रिले ान विभाग के माध्यम से होती है, और संबंधित अखबार उस पर उनको 15 परसैंट कमी ान देता है। अब यह काम पब्लिक

रिले ान के जरिए करवाने की बजाए किसी प्राईवेट आदमी को दे दिया है। इस का आप पता करवा लें।

चौधरी भजन लालः ऐसी हो नही सकता, फिर भी हम पता करवा लेंगे। चौधरी बंसी लाल जी ने कहा कि किसी आदमी को पकड लिया। अध्यक्ष महोदय, कोई भी आदमी चाहे कलकत्ते का हो या बम्बई का, अगर कोई गुनाह करके आ जाए तो उसको तो पकडेंगे ही, चाहे वह कही का भी क्यों न हो। पुलिस उसको गिरफतार करेगी ही, इमे कोई बुरी बात नही है। दूसरे इन्होने कह दिया कि दया सिंह को छोड दिया और साथ ही डी0 जी0 पी0 का नाम ले दिया कि दो ाल पहले जब वह आई0 जी0 जेल था, उससे उसने पैसे मांगा (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इनको इस डी0 जी0 पी0 से बहुत तकलीफ हो सकती है। इनको तकलीफ क्यों है, वह भी मै आपको बतलाता हू। आप सुन लिजिए। अध्यक्ष महोदय, इनके साथ तो इनकी बहुत पुरानी दोस्ती है। तब की है, जब ये मुख्यमंत्री बन कर हिसार गये थे। उस वक्त यही लछमन दास हिसार मे एस0 पी0 था। तब ` इनको रडक है क्योंकि इन्होने उनसे गलत काम करवाना चाहा और उसने मना कर दिया। वह गलत काम क्या था? वह भी मै आपको बताता हूं। मनी राम गोदारा के रि तेदार गलत काम कर रहे थे। नहर काटते हुए उनके रि तेदार थानेदार ने पकड लिये। मनी राम गोदारा ने थाने दार की दाढी पकड ली। वह केस आज भी दर्ज है। इन्होने कहा कि उसको छोड दो। उस एस0 पी0 ने कहा कि नही मै उस

गुनेहगार को कैसे छोड दू? मै उको नही छोडूंगा। उन्होने थाने दार की दाढी तक फाडी है। इन्होने कहा कि छोडना पडेगा और इन्होने उसकी बेज्जती करने की कोि ा ा की। उसने इनका हाथ पकड लिया। मै उस वक्त मौके पर मौजुद था। उस वक्त मै एम0 एल0 ए0 था। उसने इनका हाथ पकड कर कहा था: चौधरी साहब खबरदार मुझ से तमीज से बात करना। इसलिए उससे इनको बडी तकलीफ है। इन्होने वहां से उसको 7 दिन के अंदर अंदर बदल दिया था। (विघ्न)

चौधरी बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, आप आज भी सारे हरियाणा के अफसारो से पूछ सकते है। मैने आज तक किसी अफसर को गलत काम करने को नही कहां (विघ्न) यह बात ठीक है कि मेरा उस एस0 पी0 के बारे मे यह इम्प्रै ान था कि वह मैण्टल केस है।

चौधरी भजन लाल: अगर वह मैण्टल केस था, तो फिर उसको हिसार कैसे लगा दिया? अध्यक्ष महोदय, ये कह रहे है कि ह मेण्टल था। अध्यक्ष महोदय, हिसार सबसे बडा जिला है। जिसमे भिवानी एक तहसील थी, सिरसा भी हिसार जिले की तहसील था। और हिसार तहसील भी हिसार जिले मे ही थी। इस हिसार जिले से तीन जिले बन गए और उस जिले मे ही लछमन दास एस पी थे औरचौधरी बंसी लाल जी मुख्य मंत्री थें इतने बडे जिले मे इन्होने उसको एस पी लगाया था। पता नही मैण्टल वह था या ये थे? क्लीयरली यह बात तो मै नही कह सकता। (विघ्न)

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, तजुर्बे से ही पता चलता है कि कौन कैसा है? (विघ्न)

चौ0 भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होने तो उसको हिसार मे लगाया था जो बहुत बडा जिला था, तथा यह अफसर निहायत ही भाानदार और बढिया अफसर है। पता नही इन्होने कैसे कह दिया कि उसने पैसे मांग लिये?

चौ0 बंसी लालः हनुमान गढ की खबर है और यह ने ानल डेली मे छपी है। ऐसी बात गवर्नमैंट के नोटिस मे न आए, अध्यक्ष महोदय, यह तो बडे ताज्जुब की बात है।

चौ0 भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह बिल्कल बेसलेस व बेबुनियाद और गलत बात है। अब सुनिए कैदी की बात। (विघ्न)

श्री भोर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। ये इन अफसरो को चमार और चूडा कह कर बुलाते है। पार्लियामैंट मे मलिक साहब होते थे। उनहोने यह कहा थाः 'इस आदमी को बचाओ' क्या बात करते है। यही वजह है कि पिछले 20 साल से जो भी अफसर आता है, वह इनके खिलाफ होता है। (विघ्न)

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, कोई भी आदमी कुछ भी कह दे, वह सब मानने लायह नही होता। बहुत से आदमी खु ाामदी होते है। अध्यक्ष महोदय, मै हरिजनो ओर बैक्वर्ड क्लास के सबसे बडे समर्थको मे से हुं और एक बात पूछना चाहता हू।

चौधरी भजन लाल हरिजनो और बैकवर्ड क्लास के लोगो के सबसे बडे समर्थक है। 30 एच0 सी0 एस0 भर्ती किए गए थे और उनके कोटे के हिसाब से बैक्वर्ड को कोटा तो साढे आठ का बनता था जबकि हरिजनो का 6 बनता था उसके बदले एच0 सी0 एस0 की भर्ती मे एक हरिजन लिया है और एक बैकवर्ड का आदमी लिया है। क्या इस तरह से ये इनकी भलाई कर रहे है?

चौ0 भजन लालः अब आप जरा सुने की कृपा करे। मै इसका भी जवाब दे दूंगा और इनकी तसल्ली हो जाएगी। दूसरी बात अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल वकील है और मुख्य मंत्री भी रहे है। जेल मे से किसी को छोडने का अधिकार आई0 जी0 को नही है। उस के लिए बकायदा एक कमेटी बनी हुई है। उस कमेटी का अध्यक्ष गवर्नर साहब को केस भेजना है। छोडने का अधिकार केवल गवर्नर को है। किसी के बारे मे यूं ही कह देना, ठीक बात नही है।

चौधरी बंसी लालः वह तो सुप्रीम कोर्ट के हुक्म से छुटना ही था, उसको कोई भी नही रोक सकता था।

चौधरी भजन लालः फिर भी कोई डी0 जी0 पी0 उनको नही छोड सकता है। बकायदा डिमांड गवर्नमैंट करती है। आपने कह दिया कि उसको छोड दिया। उसकी फासी की सजा 20 साल मे बदल गई ओर उसके बाद उसको उम्र कैद हो गई और उसे 14 साल के बाद छोड देना चाहिए था जबकि उसको दो साल

फालतू रखा गया। उसका जुर्म तो यह था कि वह एक सियासी आदमी सरदार प्रताप सिंह कैरो के मर्डर केस की लीडर था। उनकी हत्या कर दी थी। उसको छोडने मे मेरा हाथ नही था। वह तो चौधरी देवी लाल जी ने उसकी फांसी की सजा को उम्र कैद मे बदलवा दिया था।

चौधरी बंसी लालः उस दया सिंह ने कहा है, जो साफ तौर पर अखबार मे लिख हुआ है, कि चौधरी देवी लाल ने मेरी कोई सहायता नही की है। यह अखबार मे साफ तौर पर लिखा हुआ है।

चौधरी भजन लालः आपने सहायत कर दी होगी। हमने तो जो कुछ भी किया है वह कानून के मुताबिक ही किया है। कायदे कानून के मुताबिक सजा पूरी होने के बावजुद सुप्रीम कोर्ट मे दोबारा केस दायर करने जा रहे थे। हमें सुप्रीम कोर्ट का आदे ा है कि सजा पूरी होने के बाद छोडो। जब सुप्रीम कोर्ट ने कह दिया कि छोडो और अगर हम नही छोडेंगे तो अवमानना का हमारे खिलाफ केस बनता कि सरकार ने कोर्ट के आदे ा की पालना नीह की इसलिये हमें छोडना पडा। अध्यक्ष महोदय, किसी के बारे मे कुछ इल्जाम लगाना इससे ज्यादा गलत बात नही हो सकती। भोर सिंह ने ठीक ही कहा है कि बंसी लाल जी हरिजनो के खिलाफ है और पार्लियामैंट मे भी इनके खिलाफ भाोर मचता था।

दूसरी बात मै संपत सिंह जी को बताना चाहता हूं कि हिसार के टीचर के केस मे सी0 बी0 आई की तफती ा जारी है और उन्होने 18–8–94 से यह केस ले लिया है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठ जाए। (ाोर एवं व्यवधान) आप लोग आपस मे बात न करें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, एक बात बंसी लाल जी ने अखबार मे से पढी। वे पढते वक्त बैरिस्टर लग रहे थे। ये अंग्रेजी के भाब्दो को कभी कुछ पढ रहे थे तो कभी कुछ पढ रहे थे। (ाोर एवं व्यवधान) मै तो यही कह रहा हूं कि आप बहुत भाानदार अंग्रेजी पढ रहे थे। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने के लिए मौका नही मिला है। मै 1991 मे भूत माजरा मे जो घटना हुई उस पर बोलना चाहता हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होने बोलतेहुए सुप्रीम कोर्ट का जिक्र किया और कहा कि जज को इस्तीफा देना चाहिए, भजन लाल को इस्तीफा देना चाहिए। इन्होने पता नही क्या क्या कह दिया। अब तो अध्यक्ष महोदय, मुझे इस केस की कहानी ही बतानी पडेगी। जिंदल जो माननीय सदस्य यहां पर बैठे हैउनकी तरफ भी 22 करोड रुपया सेलज टैक्स का बकाया है यानी बीस करोड से ज्यादा है। इन्होने वह पैसा न देकर हाई

कोर्ट से स्टे ले लिया। इन्होने हाई कोर्ट मे यह केस डाल दिया कि सरकार ने मुझ पर गलत सेल्ज टैक्स लगा दिया। एक जज ने वह केस दूसरी बैंच से अपने पास ले लिया जबकि दूसरी बैंच मे लगा हुआ केस कोई भी जज ट्रांसफर नही करवा सकता। मैन उस वक्त जो चीफ जस्टीस थे ''''''''''''''''''''''''''

चौधरी औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अभी आपने फैसला किया था''''''''''''''

श्री अध्यक्ष: औम प्रका ा जी, आप पहले मुख्य मंत्री जी को बोल लेने दे ताकि यह पता लग जाए कि उनका प्वायंट क्या है।

चौधरी औम प्रका ा: अध्यक्ष महोदय, यह कुछ भी कहें लेकिन मै यह कहना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री महोदय इस बात को थोडा ओर स्पश्ट करें कि किस जज की मार्फत उन्होने कहलवाकर ऐसा किया।

चौधरी भजन लाल: मेरे कहने का मतलब किसी जज से मिलकर केस लगाने का नही बल्कि मेरा मतलब है कि यह केस एक ऐसे जज के पास लग गया, जिससे हम जानते थे कि हमं इंसाफ नही मिलेगा। इसलिए हमने सुप्रीम कोर्ट मे अपील की कि इस केस को वहां से ट्रांसफर करके किसी भी दूसरे बैंच में भेजा जाए। इसमे हमें कोई भी दिक्कत नही है। जब ट्रांसफर करने की एप्लेके ान आ जाए तो उस जज को भी वह केस अपने पास नही

रखना चाहिए था। उन्होने उस केस को पकडे रखा कि नही, इस केस को तो मै ही अपने पास रखूंगा। इसके बाद मैने चीफ जस्टिस को बंगलौर फोन किया ओर उनसे कहा कि यह केस उस जस्टिस ने अपने पास ले लिया है। मेहरबानी करके उसको रोकिए। कोई और जज इस केस को अपने पास रखे तो रखे लेकिन हमे इस जज से इंसाफ मिलने की उम्मीद नही हैं। फिर उन्होने बाद मे जस्टिस सोढी को फोन कियाा और उनसे कहा कि आप इस केस को मत सूनिये। उन्होने उसे नही सुना। फिर अपने पास ले लिया और जब वह केस उन्होने अपने पास ले लिया तब हमको सुप्रीम कोर्ट मे जाना पडा। सुप्रीम कोर्ट ने हमारा केस सुना और सुने के बाद सोढी यहां से इलाहबाद हाई कोर्ट मे चले गए। जब वह यहां से चले गए तो यह एप्लीके ान अपने आप ही खारिज हो जानी थी। अगर वे यहां पर रहते तो फैसला करते कि यह केस इनके पास नही रहेगा। जब जज ही चले गए तो फिर फेसला देने का सवाल ही नही था। उन्होने भी लिख दिया कि सरकार को भी ऐसे मामलो मे बीच मे नही आना चाहिए। जस्टिस मजीठा ने भी एक चिठठी लिखी की जज इस केस को तब तक नही सुन सकता जब तक कि वह केस किसी दूसरी बैंच मे लगा हुआ है। दूसरी बैंच मे से लेकर कोई केस अपने पास नही रख सकता। वह किसी ओर बैंच को लेकर दे तो सकता है लेकिन अगर अपने पास ही रख ले तो इससे संदेह जाहिर होता है इसलिए हम सुप्रीम कोर्ट में गए। सुप्रीम कोर्ट ने कह दिया कि अब तो वह गया, इसलिये अब तो जरुरत ही नही रही लेकिन सरकार

को इस तरह से ट्रांसफर करने की एप्लीके ान नही देनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, तो इसमे क्या खास बात है? क्या गलत बात है? क्या बुरी बात है? इसमे क्या मैलाफाईडी है और क्या मैलाफाईडी किसी ने होल्ड कर दी? कहने के लिए कोई कुछ भी कह दे लेकिन किसी बात मे न तो झिझकने की बात है और न ही किसी से डरने की बात है। कोर्ट के सामने भी जो हमारी बात ठीक है, वह हम कहेंगे। हम समझते थे कि उस जज से हमे इंसाफ की उम्मीद नही थी। इन्होने भी तो सुप्रीम कोर्ट मे एप्लीके ान दे रखी है। हरियाणा हाई कोर्ट मे इन्होने जो अपील कर रखी है, वहां वह केस नही लगना चाहिए और यह केस बाहर ट्रांसफर किया जाना चाहिए। भिवानी के सै ान जज ने दो तीन आदमियो को तो छोड दिया और दो तीन आदमियो को सजा कर दी लेकिन आपने कह दिया कि यहां से हमे इंसाफ की उम्मीद नही है, तो क्या यह कायदे की बात है। सुप्रीम कोर्ट किसलिए बना है? सुप्रीम कोर्ट इंसाफ देने के लिए ही है। अगर किसी को कही पर इंसाफ नही मिलता है, तो वह सुप्रीम कोर्ट मे ही इंसाफ मांगने जाता है। आप भी तो सुप्रीम कोर्ट मे गए हो।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै इस बारे मे कलैरीफिके ान देना चाहता हूं। मेरा कोई व्यक्तिगत मुकदमा नही है और न ही हमने कोई केस ट्रांसफर करने की ऐप्लीके ान सुप्रीम कोर्ट मे दी है। मुख्यमंत्री जी कहते है कि जज के जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने यह कह दिया कि वह चला गया अब ट्रांसफर

करने की जरुरत नही है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले मे यह लिखा है।

"There is nothing to indicate that the then acting Chief Justice S.S. Sodhi evinced an interest in hearing this matter or that, he was biased."

सुप्रीम कोर्ट ने इनकी, अपनी एग्रीहैं ान को गलत होल्ड किया है। एक बात मै मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं। इन्होने जो वहां कहां कि एन0 के0 सोढी ओर ए0 पी0 चौधरी जो वहां जज थे, उनके चैम्बर मे एस0 एस0 सौढी गया था, वह इतलाह आप कहां से लाए?

चौधरी भजन लालः किसके चैम्बर में गए?

चौधरी बंसी लालः आपने अपने एफीडैविट मे लिखा है कि एन0 के0 सोढी ने इस बात की रिजैटमैंट की कि यह केस हमसे गलत लिखा गया है। ए0 पी0 चौधरी ने भी नोट भेजा, यह सारी बाते आप कहां से लाए?

चौधरी भजन लालः सही है या गलत?

चोधरी बंसी लालः मुझे पता नही कि सही है या गलत? मे वहां उनके पास थोडे ही बैठा रहा, आप पता करो?

चौधरी भजन लालः जो इन्होने कहा है, वह सही है कि हमारे से केस आपको लेना नही चाहिए था। (विघ्न)

चौधरी बंसी लालः आप यह लाए कहां से?

चौधरी भजन लालः राज चलाते है। हम तो यह भी बात देंगे कि आपकी जेब मे क्या क्या कागज रखे है?

चौधरी बंसी लालः आप जजो की जेबो सै कागजात ले आए क्या?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, कोर्ट से कोई कागज नही जाए। आम वकीलो मे चर्चा थी, चर्चा हमने सुनी और वह सही निकली। उन्होने भी इस बात के लिए इंकार नही किया। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा मे कानून व्यवस्था बहुत भाानदार है। बाकी प्रदे ाो से मुकाबला करे, तब पता चलता है कि हमारे प्रदे ा मे कानून व्यवस्था कैसी है?

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।मै मुख्य मंत्री जी से एक बात कहना चाहूंगा कि हमारे जिले रोहतक मे दिन–प्रतिदिन अपराधो की संख्या बढ रही है। दु,ख इस बात का है कि युवा पीढी, जिनसे हमारी सारी आ ाएं जुडी हुई है, वही इन अपराधो की तरफ बढ रही है। (विघ्न) इस समस्या का समय रहते समाधान नही किया गया तो इसके लिए हम भी दोशी होगे और आप भी दोशी होंगे। आप इसलिये दोशी होगे कि आप जान–बूझकर इन बातो को दबाने की कोि ा ा कर रहे है और हम आपको नही बतायेंगे तो इसलिये दोशी होंगे कि हमने आपको इन समस्याओ से अवगत नही कराया। छोटे छोटै

बच्चे जिनको कोई ज्ञान नही है, दे ाी कटटे आदि लिये घुम रहे होते है। यह बहुत चिंता का विशय है। सरकार का दायित्व बनता है कि उन पर रोक लगाई जाए।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अब मै इस मैम्बर्ज के मो ान का लिखित जवाब पढना चाहता हूं, जो इस प्रकार है:– कानून व्यवस्था की स्थिती पुरी तरह नियंत्रण मे है और दूसरे राज्यो से बेहतर है। राज्य मे कोई भी उग्रवादी हिंसक वारदात नही हुई। उग्रवादी गतिविधियो के संबंध मे गांव गजलाना (कुरुक्षेत्र) से केवल अपहरण की एक घटना हुई थी जिसमे दो व्यक्तियो का अपहरण कर लिया गया था और दोनो व्यक्ति सकु ानल अपने घर लौट आये थे। हरियाणा पुलिस ने दुर्दांत उग्रवादी बलदे सिंह निवासी हबारा कलां और उसके साथी दिलेर सिंह को गिरफतार कर लिया हैं।

पुलिस विभाग ने अपनी तत्परता और निपुणता दिखाते हुए फरीदाबाद, करनाल सोनीपत और गुडगांव इत्यादि भाहरो से पैसे छिनकर भागते हुए अपराधियो को तत्काल पकड लिया। इनमे से एक अपराी को घटनाहोने के कुछ घंटो बाद ही खोज निकाला था और अपराधियो को गिरफतार कर लिया गया था तथ लूटी हुई सारी रा ाि बरामद कर ली गई थी। सोनीपत की इ0 सी0 इ0 फैक्टरी के खजानची से 7 डाकूओ ने 3.25 लाख रुपये छिन लिये। इन 7 डाकुओ म से छः को गिरफतार कर लिा है जिनसे 3 रिवाल्वर मिले तथा काफी नकदी भी बरामद हो चुकी है। गुडगांव

मे लुट की दो घटनां होते ही अपराधियो को कुछ घण्टे मे ही गिरफतार कर लिया गया हरियाणा पुलिस ने सेना के एक लैफटीनैंट को गिरफतार किया है, वह अपने गांव के चार व्यक्तियो की हत्या तथा 14 अन्य को घायल करने के अपराधो मे वांछित था ओर पिछले 14 वर्शो से अपनी गिरफतारी से बच रहा था।

राज्य प्र ाासन ने सदा ही आव यकता पडने पर तत्परता दिखाई है तथा साम्प्रदायिह तथा अन्य ताकतो की उकसाट के बावजुद भी कानून और व्यवस्था को भली भांति से नियंत्रण किया है।

यदि अपराध संबंधी आंकडो पर गौर किया जाये तो पता चलेगा कि अपराध पूरी तरह से नियंत्रण मे रहा है। तिथि 31—8—94 तक कत्ल के कुल 426 मुकदमे दर्ज हुएहै जिनमे से तफती ा पूरी करके 249 केसो का चालान विभिन्न अदालतो मे दिया जा चुका है। बाकि अभियोग अनुसंधान के विभिन्न चरणे पर है।

स्त्रियो का मान एवं सम्मान रखने के लिए सख्त हिदायते दी गई है। स्त्रियो से संबंधित सभी अपराध के मामले तुरंत दर्ज किये जाते है, उनका अनुसंधान राजपत्रित अधिकारी की देखरेख मे किया जात है। तिथि 31—8—94 तक केवल 173 केस बलात्कार बारे दर्ज किये गये है। जिनमे से सौ केसो की तफती ा पूरी करके चालान अदालतो मे दिए जा चुके है। इन सभी अपराधो

मे राजपत्रित अधिकारी तुरन्त मौके पर जाता है। अभी एक महिला राजपत्रित अधिकारी की देखरेख मे राज्य गुप्तचर विभाग मे महिलाओ ओर बच्चो के विरुद्ध होने वाले अपराधे को रोकने के लिये एक सैल का गठन किया गया है ताकि इन सभी मामो मे उचित कार्यवाही की जा सके।

वर्श 1994 के दौरान तिथि 31–8–94 तक 250 मामले अपहरण और भगाकर ले जाने बारे राजय मे दर्ज हुए है जिनमे से 78 मामले हल किए जा चुके है और बाकी के केस भीघ्र हल करने के ज्यादा से ज्यादा प्रयत्न किए जा रहे है।

वर्श 1994 के पहले आठ महीनो के दौरान डकैती के 31 मामले ओर लूट के 159 मामले दर्ज किए गयेहै जबकि पिछले वर्श इस समय की अवधि के दौरान डकैती के 52 और लूट के 136 मामले दर्ज किये गये थे। डकैती के 31 केसो मे 15 लाख 97 हजार 750 रुपये की सम्पत्ति लुटी थी जिसमे से 13 लाख 94 हजार 650 रुपये की संपत्ति बरामद की जा चुकी है। बरामदगी की प्रति ाता 87.29 प्रति ात है जो कि बहुत ही संतोशजनक है। इसी प्रकार लुट के 159 मामालो मे एक करोड 5 लाख 71 हजार रुपये की संपत्ति लूटी गई थी जिसमे से 71 लाख 22 हजार 820 रुपये की सम्पत्ति बरामद की जा चुकी है। इस प्रकार बरामदगी की प्रति ाता 67.38 प्रति ात जो कि काफी संतोशजनक है। हरियाण पुलिस इस बरामदगी के लिए बधाई की पात्र है। हरियाणा सरकार ने किसी भी राजनितिज्ञ को किसी भी अपराधी की मदद

नही करने दी और न ही सरकार किसी भी कीमत पर किसी राजनीतिज्ञ को किसी अपराधी की मदद करने देगी।

वर्श 1994 के दौरान पुलिस हिरासत मे 4 मौते दर्ज होनी पाई गई है। दण्ड प्रकियाओ की धाराओ के अनुसार दोशी पुलिस कर्मियो के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। ऐसे तीन मामलो मे दोशियो के विरुद्ध अपराधिक मामले दर्ज किये गये है और एक केस मे विभागीय कार्यवाही की जा रही है। पुलिस विभाग को सख्त हिदायते की गई है कि वे नागरिको के अधिकारो का सम्मान करें।

तिथि 25–8–94 को जब 6 कैदियो को सोनीपत से रोहतक ले जाया जा रहा था तो उनके भात्रुओ ने उनमे से दो को मार डाला थां। अपराधियेा की पुलिस वेन मे सभी यात्रियो को मारने की योजना थी और वे उनहे इकटठा ही जला देना चाहते थे। हरियाणा पुलिस ने अब तक उनमे से 10 अपराधियो को गिरफतार कर लिया है और 7 दोशी पुलिस कर्मचारियो के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही की जा रही है और उन्हे निलम्बित भी किया जा चुका है।

हरियाणा राज्य मे कानून व्यवस्था की स्थिती बहुत अच्छी है। हरियाणा राज्य के अपराधी दूसरे राज्यो मे भारण लिये हुए हैं। राज्य की जनता पूर्णतया सुरक्षित है और लागो के दिलो मे असुरक्षा की भावना नही है। उतर प्रदे ा वे दे ा के अन्य

भागो के नागरिक व उद्योगपति हरियाणा राज्य को सबसे अधिक सुरक्षित मानते है ओर यहां बसने और उद्योग करने को उत्सक है। राज्य मे जब भी कोई अपराधिक घटना होती है, तत्काल मामला दर्ज करके कार्यवाही भुरु कर दी जाती हे और मै यह वि वास दिलाता हूं कि हरियाणा पुलिस किसी भी कानून और व्यवस्था की स्थिती से निपटने के लिए सक्षम है। साथ ही मै यह भी कहना चाहता हूं कि लॉ एंड आर्डर के बारे मे किसी को संदेह की गुंजाइ ा नही होनी चाहिए। हमारी पूलिस और एडमिनिस्ट्रे ान पूरी तत्परता से काम करती है। हमारे प्रदे ा मे ला एंड आर्डर की जो स्थिती है, उसके बारे मे सारा दे ा चर्चा करता है कि हरियाणा प्रदे ा मे ला एंड आर्डर पूरी तरह से ठीक है। सारे दे ा के लोग हरियाणा प्रदे ा के लोगो की प्र ांसा करते है। हरियाणा प्रदे ा के विकास की, एडमिनिस्ट्रे ान की ओर ला एंड आर्डर की दूसरे प्रदे ाो के लोग मिसाल देते है। उसके बारे मे आप यह कहें कि यहां पर व्यवस्था ठीक नही है, यह मुनाबि बात नही है।

वर्श 1988–89 के लिए अनुदानो तथा विनियोजनो से अधिक मांगो पर चर्चा तथा मतदान

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now discussion and voting on the excess demands over grants and appropriations for the year 1988-89 will take place, As per the past practice and in order to save the time of the House, all the demands on the order paper will be deemed to have been

read and moved. The Hon'ble Members can discuss any demand but they are requested to indicate the demand number on which they wish to raise discussion.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 25726550 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Revenue.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 4753234 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Excise & Taxation.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 65803136 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Buildings and Roads.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 118041823 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Education.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 4292347 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Medical & Public Health.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 1256558 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Urban-Development.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 965365 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Food & Supplies.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 179814309 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Irrigation.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 2385990 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Industries.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 21789693 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Agriculture.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 11888003 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Animal Husbandry.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 24084598 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Community Development.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 35490329 be made to regularize the charges already incurred in excess

of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Transport.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 1388619 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Tourism.

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): स्पीकर साहब, मेरी प्रार्थना है कि ये डिमाण्डज 1988–89 की है ओर बहुत पुरानी डिमाण्डज है। यह केवल फारमैलिटी है और ये डिमाण्डज मेरे विरोधी भाईयो की सरकार के टाईम की है। इन डिमाण्डज पर बोलने वाली कोई बात नही है और न ही इन पर वोटिंग की कोई बात है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, नेहरा साहब ने ठीक कहा है कि ये बहुत पुरानी डिमाण्डज है। लेकिन मै कहना चाहता हूं कि हमारे पास सरकारी बिजनैस कोई लम्बा चौडा नही है। इसलिए आप इन डिमाण्डज पर मैम्बर्ज को बोलने का मौका दे ताकि मैम्बर्ज अपने इलाके की समस्याए सरकार के सामने रख सके।

श्री अध्यक्षः आप एप्रोप्रिए ान बिल पर बोल लेना।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, कुछ मैम्बर्ज को डिमाण्डज पर बोलने का टाईम जरुर दें।

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, इन्होने यमुना वाटर के बारे मे रुल 84 के तहत डिस्क ान के लिए मो ान दिया हुआ है, अगर आप डिमाण्डज पर डिस्क ान करेंगे तो उस पर डिस्क ान नही हो सकेगी। अगर आप लोग यमुना वाटर के बारे मे सीरियस है, तो आप उस पर डिस्क ान कर लें। ये डिमाण्डज तो बहुत पुरानी है। इन पर डिस्क ान करने वाली कोई खास बात नही है। यदि आप डिमाण्डज पर डिस्क ान करेंगे तो यमुना वाटर के बारे मे डिस्क ान करने के लिए टाईम नही रहेगा। स्पीकर साहब, यह बात है। They are not serious about the Yamuna Water Agreement.

श्री अध्यक्षः आप एप्रोप्रिए ान बिल पर बोल लेना।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मै क्लीयर कर देता हू। हमारी ऐसी इन्टैं ान नही है। We are serious and you are also serious. हम यह नही कहतू कि हम सीरियस नही है।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): यदि आप यमुना वाटर के बारे मे सीरियस है, तो आप उस पर डिस्क ान कर लें।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यदिहम अब से यमुना वाटर के बारे मे डिस्क ान भ्ाुरु कर देते है तो भी आपको हाउस का टाईम बढाना पडेगा।

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, मेरा निवेदन है कि हाउस को टाईम बढाने का कोई औचित्य नही है। न तो हमने

यहां लंच का प्रबंध कियाहुआ है और न ही अब प्रबंध कर सकते है।

प्रो0 सम्पत सिंहः इतना लंच जरुरी नही है। जितनी यमुना वाटर के बारे मे डिस्क ान जरुरी है इस पर भी कम से कम एक घंटा टाईम बढाना पडेगा। (व्यवधान एवं भाोर)

(No member rose to speak on the Subject.)

Mr. Speaker: Now I shall put the various demands to the vote of the House.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of a sum not exceeding Rs. 25726550 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Revenue.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 4753234 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Excise & Taxation.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of a sum not exceeding Rs. 65803136 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Buildings and Roads.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 118041823 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Education.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 4292347 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Medical & Public Health.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 1256558 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Urban-Development.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of a sum not exceeding Rs. 965365 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Food & Supplies.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 179814309 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Irrigation.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 2385990 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Industries.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 21789693 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Agriculture.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 11888003 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Animal Husbandry.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of a sum not exceeding Rs. 24084598 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Community Development.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of a sum not exceeding Rs. 35490329 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Transport.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 1388619 be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1988-89 in respect of Tourism.

The motion was carried.

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव–

हरियाणा सरकार द्वारा हस्ताक्षरित यमुना जल समझौते संबंधी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a notice of motion under Rule 84 from Sarvshri Bansi Lal, Chattar Singh Chauhan, Ram Bhajan, Attar Singh, Karan Singh Dalal, Om Parkash Jindal, Om Parkash, Sampat Singh, Dhir Pal Singh, Balwant Singh, Ram Kumar Katwal, Suraj Bhan Kajal and Mani Ram Rupawas, M.L.As which is as under-

The the Yamuna Water Agreement signed by the Haryana Government, be discussed.

Hon'ble Member. may move his motion.

Chaudhry Bansi Lal: Sir, I beg to move-

That the Yamuna Water Agreement signed by the Haryana Government be discussed

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Yamuna Water Agreement signed by the Haryana Government be discussed

चौधरी बंसी लाल (तो ाम): अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनो हमारे मुख्य मंत्री ने यमुना नदि के पानी के बंटवारे के बारे मे 4–5 स्टेटो के साथ एक एग्रीमैंट किया है। इस एग्रीमैंट के तहत इन्होने हरियाणा के हितो के साथ, हरियाणा की जनता के साथ वि वासघात किया है। जिसमे हरियाणा का पानी कम हो

गया है। इस एग्रीमैंट से पहले 1954 का जो एग्रीमैंट था और उसके हिसाब से हरियाणा को कितना पानी मिलना था, वह बताता हूं। 1954 के एग्रीमैंट के मुताबिक अगर ताजेवाला हैडवर्क्स से 5890 क्यूसिक पानी डिसचार्ज होगा तो हरियाणा का हिस्सा होगा 66 परसैंट, यदि 5890 क्यूसिक से लेकर 8790 क्यूसिक तक पानी डिस्चार्ज होगा तो हरियाणा का भोयर 77 परसैंट होगा, ओर 8790 क्यूसिक से लेकर 9280 क्यूसिक पानी डिस्चार्ज होगा तो 73 परसैंट और 9280 से लेकर 10900 क्यूसिक पानी डिस्चार्ज होगा तो हरियाणा का हिस्सा होगा 77 परसैंट (विघ्न) ओर 10900 क्यूसिक से ज्यादा पानी मिलेगा तो हरियाणा का हिस्स होगा 66 परसैंट। अब जो समझौता हुआ है और जिस पर मुख्य मंत्री जी ने दस्तखत किए है उसमे अब हरियाणा का पानी होगा 47.8 परसैंट, यू0 पी का होगा 33.6 परसैंट, राजस्थान का हो गया 9.3 परसैंट और हिमाचल प्रदे ा का हो गया 3 परसैंट और दिल्ल का हो गया 6 परसैंट। इसके साथ ही एक नयी बात और की वह जो नया एग्रीमैंट हुआ है जिसपर मुख्य मंत्री कह रहे हैकि कहां से कागज उठा लाए, इस बारे में मै आपको बताना चाहता हूं कि यह ओरिजनल एग्रीमैंट की कापी है, जिस पर आपके दस्तखत है। इसमे एक क्लाज है जिसमे लिखा है:—

"Provided also that in a year when the availability is less than the assessed quantity, first the drinking water allocation of Delhi would be must and the balance will be

distributed amongst Haryana, U.P., Rajasthan and Himachal Pardesh in proportion to their allocation."

(इस समय श्री उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)

उपाध्यक्ष महोदय, पहले इस पानी मे राजस्थान का कोई हिस्सा नही था, हिमाचल प्रदे ा का कोई हिस्सा नही था, यू0 पी0 का हिस्सा बढ गया और दिल्ली को ज्यादा पानी दे दिया। उपर से मुख्य मंत्री जी ने यह कह दिया कि मानवता के आधार पर पानी दे दिया। मुख्य मंत्री जी मे मानवता भी गजब की भरी हुई है। जब जब भी पानी का समझौता हुआ है, हरियाणा के लोगो के साथ मुख्य मंत्री जी ने वि वासघात किया है। इस पानी मे आज जब फसल सोइंग का वक्त होता है और फसल पकने के वक्त हमको जो पानी मिलना चाहिये था, वह नही मिलता। जहां हमे पहले 77% पानी मिलता था, वही अब हमें 53–54% पानी मिलेगा और कुल 44.8% प्राप्त होगा। मै मुख्य मंत्री जी से एक बात जानना चाहता हूं। राजस्थान मे एक साहिबी नदी आती थी, एक दोहान नदी, लन्डोहा नदी और एक कृश्णावती नदी आती थी सदियो से इनका पानी राजस्थान से आता था ओर अब वहां पर राजस्थान ने बांध बनाकर उनका पानी रोक दिया है। अब एक कतरा पानी भी उनका हरियाणा मे नही आता। मुख्य मंत्री जी ने उस वक्त यह सवाल पूछा था कि नही कि इन नदियो के पानी पर क्या हरियाणा का हक बनता है? क्या वह पानी हरियाणा मे आएगा? उपाध्यक्ष महोदय, ये हरियाणा का पानी नये सिरे से राजस्थान को देने जा

रहे हैं लेकिन जो पानी हरियाणा मे आता था वह क्यों बंद हो गया। यह हरियाणा के हितो के साथ वि वासघात हुआ। वहां पर कई स्टेटो के मुख्य मंत्री थे। उपाध्यक्ष महोदय, रेणुका तथा किसाऊ बांध की पोजी ान क्या है? कब कंस्ट्रक ान भुरु होगी? कब ये चालू होगे और कब हम को पानी मिलेगा? इसके साथ ही साथ भारत सरकार ने मुख्य मंत्री जी से जो दस्तखत करवाए है, मै उनके बारे मे समझ सकता हूं कि मुख्य मंत्री जी कांग्रेस के मुख्य मंत्री है। दिल्ली वालो ने एक धमकी दी और इन्होने झट से दस्तखत कर दिये। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से यह जानना चाहूंगा कि क्या दस्तखत करते वक्त मुख्य मंत्री जी ने भारत सरकार को यह नही कहा कि रीआर्गेनाईजे ान आफ पंजाब एक्ट मे प्रोवीजन है कि रोपड हारिके ओर फिरोजपुर हैडवर्क्स है, जहां से पानी डिस्ट्रीब्यूट होता है, उनका कंट्रोल बी0 बी0 म0 बी0 को देंगे वह अब तक क्यो नही दिया गया? रिआर्गेनाईजे ान आफ पंजाब एक्ट मे प्रोवीजन है कि इनका कन्ट्रोल बी0 बी0 एम0 बी0 के पास रहेगा। मुझे अच्छी तरह याद है जब मै हरियाणा का मुख्य मंत्री था और पंजाब मे ज्ञानी जैल सिंह जी मुख्य मंत्री थे, उस वक्त पंजाब रबी सोइंग सीजन के वक्त 16000क्यूसिक पानी ले गया। मैने इस बारे मे इंदिरा जी से ि ाकायत की कि हमारा सारा पानी तो पंजाब ने ले लिया और सोइंग से हम लोग रह गए। इंदिरा जी ने ज्ञानी जी को बुलाया और कहा कि तुमने यह पानी ले लिया है जो कि हरियाणा का था। अब इनकी जरुरत को पूरा करो ताकि हरियाणा में रबी की फसल बोई जा सके। ज्ञानी जी ने

कहा था कि हम पूरे कर देगे, मगर उसकी बजाय जहां तक मुझे याद है, बदले मे हमको 12000 कयूसिक पानी मिला था और उसके आगे उन्होने हमको पानी नही दिया। आज किरतपुर या रोपड जहां से पानी डिस्ट्रीब्यूट होता है, वहां पर जो पुराने टाईप के गेज लगा रखे थे, उनको बदलने का फैसला किया गया था और यह फैसला किया गया था कि नये टाईप के गेज लगाए जाएं। उनसे यह फैसला हेागा कि पानी कहां जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा तो यह एक्सिपीरियंस है कि पंजाब हमे ाा पानी की चोरी करता है और हरियाणा को कम देता है क्योंकि कन्ट्रोल बी0 बी0 एम0 बी0 को नही दिया है पंजाब वालो ने कन्ट्रोल खुद अपने हाथ मे ले रखा है। उपाध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी को दिल्ली की सरकार को कहना चाहिए था कि पहले उन हैड वर्क्स का कंट्रोल बी0 बी0 एम0 बी0 को दे, तब मै इस बारे मे बात करुंगा। उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से एस0 वाई0 एन0 एल0 नहर आज तक नही बनी है। मुख्यमंत्री जी को चाहिए था कि वे पहले कहते कि एस वाई एन एल बनाएं, उसके बाद हम अगली बात करेंगे। इस पर मै बाद मे बात करुंगा। उपाध्यक्ष महोदय, आज यमुना का पानी दक्षिणी हरियाणा को जाना चाहिए था। कुरुक्षेत्र , करनाल, पानीपत, सोनीपत, रोहतक, भिवानी, महेन्द्रगढ, रिवाडी, फरीदाबाद, और गुडगांव जिले मे जाना चाहिए था। उपाध्यक्ष महोदय, जीन्द जिले की जींद तहसील ओर हिसार जिले की हांसी तहसील तक जो पानी जाना चाहिए था, उसमे से कुछ पानी मुख्यमंत्री जी ने यू0 पी0 को, कुछ हिमाचल को, कुछ दिल्ली और बाकी राजस्थान

को दे दिया है। ऐसा करके इन्होने हरियाणा की जनात को पानी क्यों वंचित कर दिया है। अब सरकार कहती है कि जनता को ज्यादा पानी मिलेगा। उपाध्यक्ष महोदय, जो यह एग्रीमैंट है इसमे यह कहा गया है कि अगर यमुना मे पानी कम होगा, तो दिल्ली को पीने के पानी की प्रायरिअी दी जाएगी। उपाध्यक्ष महोदय, क्या दिल्ली के आदमियो को ही प्यास लगती है? क्या हरियाणा के आदमियो को प्यास नही लगती है? अगर दरिया मे पानी इतना ही आया क दिल्ली ही पी सके, तो क्या हरियाणा की जनता प्यासी रहेगी? मै यह नही कहता कि नै ानल कैपिटल को पानी नही दिया जाए लेकिन नै ानल कैपिटल को पानी देने के कई प्रस्ताव है। वहां पर भाखडा का पानी भी जा सकता है। पंजाब के हिस्से से भी जा सकता है। उत्तर प्रदे ा से गंगा राम ईस्टर्न का पानी दिल्ली मे लगता है। पिछले साल भारत सरकार ने एक स्कीम बनाई थी कि भाारदा दरिया का पानी दिल्ली मे पीने के लिए लाया जाए। अब उन्होने चौधरी भजन लाल जी पर प्रै ार डाल कर दस्तखत करवा लिए इसलिए अब पैसे भी खर्च करने की आव यकता नही रही। जब मै मुख्यमी होता था तो दिल्ली वालो ने मुझसे पानी मांगा था। उस वक्त दिक्षित जी हैल्थ मिनिस्टर थे। उस समय पीने के पानी की जो स्कीम होती थी, वह हैल्थ डिपार्टमैंट के पास होती थी। आजकल अर्बन डिवैल्पमैंट में है। उन्होने मुझे कहा कि हमे पानी दे दो तो मैने कहा कि मै आपको पानी दे दूंगा लेकिन उसके बदले मे जितना पानी मै आपको दूंगा, उतना और उसके अलावा 100 क्यूसिक ट्रीटीड वाटर (Extra) आप

हमें देंगे। इसके अलावा जो नहर बनवाउंगा उसके पैसे भी आपको देने पडेंगे इसके लिए दिक्षित जी तैयार हो गए। उपाध्यक्ष महोदय, दो करोड रुपये दिल्ली पैरलल पर खर्च हुए। जो पानी हमारा सीपेज मे जाता था, उससे उसके आस पास की जमीन कल्लर हो गई सेम बढ गई ओर पटेरा भी खडा रहता था। उपाध्यक्ष महोदय, वहां से पक्की नहर बनने की वजह से वह जमीन री–क्लेम हो गई और हमको 100 क्यूसिक पानी ज्यादा मिल गया। इसमे हमारा पैसा नही लगा बल्कि दिल्ली सरकार का लगा। अब जो हथिनी कुंड बैराज बन रहा है वह भारत सरकार और उतर प्रदे ा की सरकार के कारण लेट बन रहा है। हरियाणा सरकार के कारण लेट नही बन रहा है। मुख्यमंत्री जी को तो यह चाहिए था कि यह हथिनी कुंड बैराज सैन्टर गवर्नमैंट को प्रोजैक्टह हो क्योंकि पहले तो यह बहत सस्ता बनना था लेकिन अब यह बहुत महंगा बनेगा। इसलिये वह पैसा सैन्टर सरकार से लेना चाहिए। इसी तरह से एक गलती और हुई है जिसमे मुख्यमंत्री जी भी भाामिल है और पहले की सरकार के मुख्यमंत्री भी है। चौधरी देवी लाल जी ने भी यह गलती की थी कि मसानी बैराज जो बनाया, उस पर जो 40 करोड रुपये खर्च हुए वे पैसे और माईनर्ज पर पक्के खाले बनाने पर खर्च होते तो महेन्द्रगढ, रिवाडी और झज्जर तहसील के किसानो को फायदा हो जाता। आज उसको इग्नोर करने से किलोई के हलके के गांव हसनगढ के हल्के के कुछ गांव है ओर बेरी हल्के के गांव के लोग पानी आगे न जाने की वजह से और फीडर मे पानी खडा रहने से परे ाान है। मैने वहां पर पहाडीपुर

और अछेज दो गांव देखे, उन गावो मे दहलीज तक पानी खडा है। लोगो को अंदर जाने मे भी तकलीफ होती है तो क्या उन सब चीजो का ईलाज इन चीजो मे नही करना चाहिए था? जे0 एल0 एन0 का पानी, जो बैकवर्ड इलाका है, जहां पर लोगो के पास कमाकर खाने के लिए साधन नही है उन के लिए लाना चाहिए था। मगर मुख्यमंत्री जी ने तो मानवता के आधार पर पीने का पानी दिल्ली को दे दिया। गंगा नदी मे ही इतना पानी है कि उस पानी से ही दिल्ली को पीने का पानी दिया जा सकता था। मुख्यमंत्री जी को यह भी चाहिए था कि हरिद्वार से करनाल तक नहर बनाकर पानी लाने की जो स्कीम हमने 18–20 साल पहले बनाकर भारत सरकार को भेजी थी, जिसमे 12600 क्यूसिक के लगभग पानी आ सकता था, उसके बनवाने की इजाजत हमें दो क्योंकि जब दिल्ली को पीने के पानी की जरुरत है तो हमारी बाते भी माननी चाहिए थी। हरिके से पाकिस्तान को पानी जा रहा है। राजस्थान के मुख्यमंत्री और मेरा एक समझौता हुआ थ जिस पर हम दोनो के और दोनो प्रदे ाो के सिंचाई मंत्रियो के दस्तखत भी है। उसमे यह था कि जो हिन्दुस्तान का पानी पाकिस्तान को जाता है अगर उस पानी को राजस्थान की कैनाल मे डाल देते है और राजस्थान भी हमे उतना ही पानी सिरसा जिले मे दे देगा। इस तरह से सिरसा जिले मे भी पानी की पूर्ती हो जाएगी और सिरसा जिले मे पानी ज्यादा होगा तो दूसरे इलाको मे भी पानी दिया जा सकता है क्योंकि वहां इसकी ग्रिड बनी हुई है। पता नही यह बात इनके सामने आई है या नही, उपाध्यक्ष महोदय, एक

बहुत बडी बात और है जो यह है कि सिरसा जिले मे जो ओटू लेक है, उसमे पहले बहुत पानी होता था लेकिन अब उस ओटू`क की यह हालत हो गई है कि उसमे पानी है ही नही। इसमे पानी इसलिए नही है क्योंकि यह लेक बैराज तक मिटटी से भरी पडी है। हरियाणा को चाहिए कि वह उसओटू लेक को दस, बीस करोड खर्च करके 15 या 20 फुट तक गहरा खेदे और उसको रेलवे लाईन तक बनाए तथा वहां लोगो को सिंचाई के लिए पानी दें। उपाध्यक्ष महोदय, गरवहां पर जाकर देखे तो रोना आता है कि कहां पहले इतनी बडी लेक थी और कहां वह लेक आज मिटटी से भरी हुई है। उससे सिंचाई भी हो सकती है। वहा पर टूरिस्ट कम्पलैक्स भी हो सकता है और मछली पालन भी हो सकता है। इस पानी से आबपा ाी भी हो सकती है। मगर आज उसकी कोई भी चर्चा नही है। उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से आगरा कैनाल की बात है। आगरा कैनाल के बारे मे जैसा मैने कल भी निवेदन किया था कि मेरे वक्त में यह समझौता हो गया था कि हरियाणा इस कैनाल का कंट्रोल अपने हाथ मे ले ले लेकिन पेसे के उपर झगडा था। उस समय उतर प्रदे ा सरकार कहती थी कि हमको मार्किट रेट पर वैल्यू दो, जबकि हम कहते है कि जो बुक वैल्यु है वह लो। आज मेवात के एरिया में, फरीदाबाद जिले में जहां जहां भी इस आगरा कैनाल का पानी लगता है, वहा पर इसका पानी नही पहुंचता। मै यह कहना चाहूंगा कि हरियाणा रकार को चाहिए कि वह उतर प्रदे ा से यह कहे कि इस नहर का कंट्रोल हम दे दो और पैसे के लिए भारत सरकार के सिंचाई

मंत्री आर्बिट्रेटर मुकर्रर कर दो और जितना पैसा भारत सरकार के सिंचाई मंत्री एज एक आर्बिट्रेटर कहेतो तो उतना पेसा हम यू0 पी0 को दे देंगे ताकि मेवात के इलाके और फरीदाबाद जिले मे पानी लग सके और पानी लगने से लोगो का गुजारा हो सके। लोगो पर पानी काटने पर तावान लग जाता है। छोटी छोटी बातो के लिए मेवात के लोगो को मथुरा और आगरा तारीख भुगतने जाना पडता है। मै समझता हूं कि हरियाणा सरकार एग्रीमैंट साईन करने से पहले यह बात करे कि पैसे का फैसला भारत सरकार करके दे, जो भारत सरकार कहेगी हम दे देंगे। उपाध्यक्ष महोदय, जब भी चौधरी भजन लाल के वक्त मे कोई इंटर–स्टेट समझौता हुआ पानी या किसी भी चीज का, तो हरियाणा के साथ हमे ाा वि वासघात हुआ। 1976 की 24 मार्च को मैने इदिरा जी से फैसला करवाया कि 3.5 मिलियन एकड फुट पानी हरियाणा को दिया जाएगा। मैने इंदिरा जी से कहा कि बहन जी, पंजाब पानी छुपाता है। पंजाब पानी बताता है 1.85 मिलियन एकड फुट और पंजाब के पास है 19 मिलियन एकड फुट। पंजाव वाले मानते नही थे कि इतना पानी है। जब यह बात कैबिनेट में आई तो मैने कहा कि पानी जब 19 मिलियन एकड फुट है तो 15.85 कैसे बताते है तो इंदिरा जी ने कहा कि जो ज्यादा हो, वह तुम ले लेना। फैसले मे इंदिरा जी ने जो लिखवाया वह यह थाः

"The State of Haryana will get 3.5 m.a.f and the State of Punjab will get the remaining quantity not exceeding 3.5 m.a.f"

फिर चौधरी भजन लाल जी त ारीफ ले आए और 31 दिसंबर 1981 को एक समझौता किया। उस समझौते में पंजाब ने यह बात मान ली कि पानी 17.17 मिलियन एकड फुट है क्योंकि इंदिरा जी ने कैबिनेट मे कह दिया।

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अंडर रुल 84, यमुना के जल के बारे मे, जो समझौता हुआ है, उस पर डिस्क ान चल रही है और ये एस0 वाई0 एल0 भाखडा रावी के पानी का जिक्र कर रहे है। इस सदन का समय बडा किमती है। डेढ बजे सदन ने उठ जाना है। जो मतलब वाली बात है या कोई सुझाव है वह ये कहें। भाखडा रावी के बारे में यहां जिक्र न करे।

चौधरी बंसी लालः उपाध्यक्ष महोदय, पंजाब ने यह बात मान ली है कि 17.17 मिलियन एकड फुट पानी है और भजन लाल जी ने दस्तावेज दिए। यह हरियाणा सरकार का ऐक्स्ट्राआर्डिनरी गजट है। इस गजट मे माना है इसमे एग्रीमैंट छाप रखा है। इसमे भजन लाल ने माना है कि पंजाब का भोयर 4.22 और हरियाणा का वही रहा 3.5 एम0 ए0 एफ0।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): हरियाणा का 3.83 एम0 ए0 एफ0 माना है।

चौधरी बंसी लालः 3.83 तो मै इराडी ट्रिब्यूनल से कराकर लाया था। (विघ्न) जो एग्रीमैंट है उस पर चौधरी भजन

लाल, मुख्य मंत्री हरियाणा, ि ाव चरण और सरदार दरबारा सिंह, मुख्य मंत्री पंजाब के दस्तावेज है और यह आपकी गजट नोटीफिके ान है। आपके वक्त का है। इसमे है कि पंजाब का भोयर 4.22, हरियाणा का 3.5, राजस्थान का 8.60 है। राजस्थान को जो पानी मिला हुआ है वे वह भी इस्तेमाल नही कर पा रहे है। मगर उपाध्यक्ष महोदय, मुझे ताज्जुब है कि पहले राजस्थान को 8 मिलियन एकड फुट पानी मिलता था लेकिन चौधरी भजन लाल ने 31 दिसम्बर 1981 को राजस्थान को 8.60 मिलियन एकड पानी देना मान लिया और हरियाणा वही का वही 3.5 पर ही खडा रहा। मै यह कहना चाहता हूं कि जब जब ऐसा पानी के बंटवारे का टाईम आया और इंटर–स्टेट ऐग्रीमैंट का समय आया, भजन लाल ने हरियाणा की जनता के साथ वि वासघात किया और फिर बात करते है 3.83 की। इस बारे मे भी मै बता देता हू। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी बंसी लाल जी, बहुत अच्छा होगा यदि एव0 वाइ0 एल0 की बजाये फोक्स यमुना वाटर तक ही रहे। आप एस0 वाई0 एल0 की बजाये अपनी डिस्क ान यमुना वार तक ही महदूद रखे।

चौधरी बंसी लालः उपाध्यक्ष महोदय, मेरी सारी बाते यमुना वाटर से ही संबंधित है। मै कहना चाह रहा था कि ये धमकी मे आकर दस्तखत तो कर आए लेकिन दस्तखत करने से पहले इनको यह सारे प्वायंट वहां रेंज करने चाहिए थें जोकि इन्होने नही किये। मेरा यह कहना है कि These things should

have been raised then and there. उनकी डांट डपट के आगे दस्तखत करने की बजाये यह सारे प्वायंट इनको उनको सामने रेंज करने चाहिए थे। This is what I am saying and I am trying to point out my own point to build the case.उपाध्यक्ष महोदय, पिले साल हमने इस सदन मे कुछ मुददे उठाये थे कि पंजाब के मुख्य मंत्री ने प्राईम मिनिस्टर साहब को इस संबंध मे एक लैटर लिखा है। इन्होने बडे काफी डैन्स के साथ इस सदन मे यह कह दिया कि पंजाब के मुख्यमंत्री ने ऐसा कोई लैटर नही लिखा है और यह भी कहा कि मैने पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ बातचीत कर ली है। उन्होने ऐसा कोई लैटर नही लिखा है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे पास पंजाब के मुख्य मंत्री महोदय सरदार बेअन्त सिंह जी का वह लैटर है जो कि उन्होने प्राईम मिनिस्टर साहबको लिखा हुआ है। यह 10 मार्च, 1992 का लैटर है। इस लैटर को हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने आन दि फलोर आफ दि हाउस डिनाई कर रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, क्या क्या कहे? कहां कहां कहें? कोई कहने की बात हो तो कहें? कही कोई बात कहने वाली इन्होने छोडी ही नही। फिर यह 3.83की बात को उठाते है। मै एक बात कह देता हूं कि इराडी ट्रिब्यूनल भजन लाल के समय मे बना था। अभी इराडी ट्रिब्यूनल की कार्यवाही चल रही थी कि मै मुख्य मंत्री बन गया। मै इराडी ाहब से पांच सात बार मिला और मैने उन से यह कहा कि इराडी साहब सैन्ट्रल कैबिनेट मे यह फैसला हुआ है कि जो फालतू पानी होगा, वह हरियाणा को मिलेगा। मैने भारत सरकार के आर्डर उनको दिखाये कि Punjab

will get the remaining quantity not exceeding 3.5 Million acre fit. इराडी साहब मुझे कहने लगे कि चौधरी बंसी लाल जी, You are right. Whatever you are telling is correct. But what can I do? I am a sitting judge of the Supreme Court. When your predecessor has already agreed on 31st December, 1981 and he has conceded that Punjab will get 4.2 m.a.f and Haryana will get 3.5 m.a.f, whenrejudicate cut applies, how can you go beyong that and how can I go beyong that.? When your procedure himselfhas conceded. Now I cannot go beyong that. Then I requested him again that something should be done. उपाध्यक्ष महोदय, पानी जब बढा और इराडी कमि ान के सामने जब यह साबित हो गया कि अवेलेबन पानी 18.28 मिलियन एकड फुट था, उस पानी को इराडी साहब ने उसी प्रपो ानल रे ाो के साथ, 31 दिसम्बर 1981 को हरियाणा की जनता के साथ वि वास घात हुआ था, उसी परपो र्निल रे ाो मे पंजाब को जो पहले 4. 22 मिलियन एकड फीट था, उन्होने फिर 5 एम0 ए0 एफ. कर दिया। उसी रे ाो मे हरियाणा का 3.5 उम0 एफ0 था। इराडी साहब को मैने कई बार समझाने की कोि ा ा की लेकिन ये श्री मान जी तो ऐसे थे कि जब उनसे मिलने जाते तो उनकी भाशा इनको समझ मे नही आती थी और इनकी भाशा उनकी समझ मे नही आती थी क्योंकि वे साउथ इंडियन थे। मैने जब एक्सप्लेने ान किया, he said that difficulty was that I could not follow your predecessor and your predecessor could not follow me. (Interruptions).

एक आवाजः तो आप चले जाते।

चौधरी बंसी लालः मै तो वहां गया था लेकिन उससे पहले ही इन्होने हाथ कटवा दिये थे। तो उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी को यह कहना चाहूंगा कि इस हाउस मे एक युनानीमस रैजोल्यूसन आना चाहिए और इसको ठीक किया जाये। और हमारी जो दूसरी स्कीमे है, उनको पूरा किया जाये। हमें जो राजस्थान से पानी आना था उसे रोक लिया गया है। वह भी हमे मिले और यमुना का भी हमें पूरा पानी मिले। गंगा से नहर निकालने की इजाजत दी जाए। हथिनी कुंड बैराज को सैंट्रल प्रोजैक्ट बनाया जाए। इस तरह को रैजोल्यू ान युनानीमसली लाया जाए और पास किया जाए। इतनी बात कहते हुए मै आपका धन्यवाद करता हू।

चौधरी औम प्रका ा चौटाला (नरवाना): उपाध्यक्ष महोदय, यमुना जल समझौते पर सदन मे चर्चा हो रही है। यह चर्चा बजट अधिवे ान मे भी चली थी और इस प्रकार के एक मुतफिक रैजोल्यू ान पास करने की बात कही गई थी। तब सरकारी पक्ष की तरफ से मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि हम रैजोल्यु ान पास नही करेंगे लेकिन हरियाणाके हित हमारे हाथो मे सेफ है। तब मैने कहा था कि कही यमुना का पानी दूसरी स्टेट को न दे बैठें क्योंकि दूसरी स्टेटस की डिमांड चल रही है। मुख्य मंत्री जी ने इसी सदन मे आन दी फलोर आफ दि हाउस आ वासन दिया था कि प्र न ही नही उठता। यमुना जल मे सिवाय हरियाणा और यू0 पी0 के किसी का हिस्सा नही है। हम

इम बात के अलावा और बात को किसी किमत पर नही मानेंगे। मुझे हैरानी है कि उसी मुख्यमंत्री ने आज दूसरे प्रदे ाो की हिस्सेदारी कैसे मान ली? मुख्य मंत्री अगर यह कह कर भी सदन को तसल्ली करवाते कि हमारी मजबूरी थी तो भाायद सदन के सदस्य मुख्य मंत्री को और ताकत देने की कोि ा ा करते। लेकिन इन्होने उसबात को छिपाने के लिए इस प्रकार के बयान अखबारो मे छपे कि इस बारे मे विपक्ष की आलोचना गलत है। उसमे 2/3 हिस्सा हरियाणा का था और 1/3 हिस्सा यू0 पी0 का था। बैराज बन जाने पर 5.23 अरब क्यूसिक मीटर हरियाणा का और 2.54 अरब क्यूसिक मीटर यू0 पी0 को मिलेगा। यदि हरियाणा के हिस्से के आधार पर देखा जाए तो यू0 पी0 को 2.54 अरब क्यूसिक मीटर पानी के बदले हरियाणा को 5.08 अरब क्यूसिक मीटर पानी मिलना चाहिए लेकिन समझौते के मुताबिक हरियाणा के 2/3 हिस्से मे सिर्फ .15 अरब क्यूसिक मीटर पानी फालतू मिलेगा। मुख्य मंत्री जी ने अखबारो मे यहां तक ब्यान दे दिया कि यह पहला अवसर है जिसमे हरियाणा प्रदे ा को इतना अधिक पानी मिलेगा। हरियाणा प्रदे ा ने आज तक यमुना के पानी मे से 5.23 अरब क्यूसिक मीटरपानी इस्तेमाल नही किया। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके जरिए मुख्य मंत्री से यह जानना चाहूंगा कि पुराने एग्रीमैंट के मुताबिक, जिसके बारे मे सबको ज्ञान होगा, भाायद इस पर चर्चा भी कर ली गई होगी, यमुना वाटर के बारे मे जो कुछ पहले समझौता हुआ था, वह समझौता 1954 मे रिन्यू हुआ था। वह समझौता 2000 तक लागू था। उस समझौते की रुह के

हिसाब से हरियाणा प्रदे ा को 10900 क्यूसिक मीटर पानी मिलना चाहिए और यह रे ाो 77 परसैंट थी और उतर प्रदे ा को 23 परसैंट मिलना चाहिए था यानि उस एग्रीमैंट के मुताबिक हरियाणा प्रदे ा को 77 परसैंट और उतर प्रदे ा को 23 परसैंट पानी मिलना था। नए समझौते की नकल हमारे बार बार आग्रह करने पर भी मुख्य मंत्री जी ने हमको नही दी। प्रैस के लोगो को भी मुख्यमंत्री गुमराह करने की कोि ा ा की है। सदन को भी गुमराह करने की कोि ा ा की है। हमने इस बारे मे गवर्नर साहब को भी लिखा और राश्ट्रपति महोदय को भी लिखा कि हमे उससमझौते कि प्रति भेजी जाए जो यमुना वाटर के बारे मे हुआ है। उस फैसले का ज्ञान भाायद हरियाणा प्रदे ा के लोगो को नही हैं। मै तो हैरान हु कि जब मैने कल कैबिनेट के कुछ मंत्रियो के मुतालिक कुछ कहा, तो कुछ मंत्री तै ा मे आ गए थे। उनहोने मुख्य मंत्री से यह नही पूछा कि समझौता तो आप 12 मई को करके आ गए और हमारे से आज 16 मई को दस्तखत करवा रहे है। किस प्रकार के फैसले के मुताबिक हरियाण प्रदे ा को यमुना का पानी ज्यादा मिलना चाहिए, मै उस डिटेल मे नही जाउंगा। मै मेरे से पूर्व वक्ता की तरह सदन का ज्यादा समय बर्बाद नही करना चाहूंगा। मै केवल यमुना एकोर्ड पर ही अपनी बात करना चाहूंगा। मुझे हैरानी है कि मेरे से पूर्व वक्ता ने 45 मिनट खर्च कर दिए। उसमे से एक मिनट भी यमुना समझौते पर एक भी बात नही कहीं उन्होने वही बाते कल कही थी। दूसरी नही कहीं आज उन्ही बातो को रिपीट किया है जबकि उनको यह पता है कि एस

वाई एन एल नहर का एक रैजोल्यु ान कर आने जा रहा है। बार बार रैपिटे ान से आदमी को दुख होता है।

चौधरी बंसी लालः उपाध्यक्ष महोदय, मैने एस वाई एल नहर के बारे मे पासिंग रैफ्रेंस देने की कोि ा ा की थी और यमुना के समझौते के बारे मे भी बाते कही है।

Mr. Deputy Speaker: Excuse me Bansi Lal Ji, it was not a passing reference. The major part of your speech was devoted to other than Yamuna Water agreement.

चौधरी बंसी लालः उपाध्यक्ष महोदय, इस मुख्य मंत्री ने बार बार हरियाणा प्रदे ा के साथ धोखा किया है।

चौधरी जगदी ा नेहराः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (विघ्न एवं भाोर)

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः मै मुख्य मंत्री जी से बात कर रहा हूं, आप जैसे ********* से अपनी कोई बात नही है। (विघ्न एवं भाोर)

चौधरी जगदी ा नेहराः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (विघ्न एवं भाोर) हम भी इनसे बात करते हुए भार्म आती है। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, इनहे यमुना जल समझौते की बात करनी चाहिए लेकिन ये करकास्ट की बात कर रहे है। इन्हे यमुना जल समझौते की बात करनी चाहिए परन्तु ये कह रहे है ब्रिवरी की बात। यमुना जल समझौते पर बोलते हए

इनहे अपना कोई सुझाव देना चाहिए लेकिन ये एक्सप्रैस हाईवे की बात कर रहे है। अभी थोडी देर पहले ये श्रीमान् जी बंसी लाल जी पर हंस रहे थे कि यमुना की जगह भाखडा की बात कर रहे है लेकिन ये श्रीमान अब खुद क्या कर रहे है? उपाध्यक्ष महोदय, इन्हे भी मैने मुददे से हटना नही चाहिए। (विघ्न)

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय, मैने बहुत पहले ही यह बात कह दी थी और मै उसी पर अब आ रहा हू। मेरे कहने की मन् ाा यह थी कि एक डैमोक्रटिक सैटअप मे किसी व्यक्ति वि ोश को क्या यह अधिकार हासिल हो सकता है कि उसके दस्तखतो से सारी स्टेट के हित बेचे जा सकते है? क्या हरियाणा प्रदे ा का पानी बेचा जा सकता है? उपाध्यक्ष महोदय, वह मुख्य मंत्री जिसके ब्यान रोज अखबारो मे आ जाते है कि हम यहा महा पंजाब की समर्थन करते है, वह तो यह भी लिख कर दे सकते है कि हरियाणा प्रदे ा का अस्तित्व ही समाप्त हो जाए, हमे हरियाणा प्रदे ा नही चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, हम यहा पर जनता जर्नादन का प्रतिनिधित्व करते है। मै आपके माध्यम से इस सदन मे हरियाणा प्रदे ा की जनता को यह आ वासन दिलवाना चाहूंगा कि हमे उनके अधिकारो के लिए जनतांत्रिक तरीके से निर्णायक लडाई लडेंगे। इसके साथ ही मै हरियाणा प्रदे ा की इस सरकार को भी यह कह देना चाहूंगा कि इस सरकार ने चाहे यमुना जल समझौता कर के हरियाणा प्रदे ा के हितो को बेच दिया हो, लेकिन राश्ट्रीय समाजवादी पार्टी किसी भी कीमत पर

इसको बर्दा त नही करेगी। हम इस यमुना जल समझौते को नही मानेगे और इस सरकार को इस बात के लिए विव ा कर देंगे कि वह खुद ही इस समझौते से मुनकिर हो जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, ये बात करते हुए कहते है कि रेणुका बांध से लाभ मिलेगा लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, रेणुका बाध बनने के बाद उससे जो पानी मिलेगा, वह दिल्ली सुबे को मिलेगा। उसमे हरियाणा प्रदे ा की तो एक क्यूसिक पानी भी नही मिलने जा रहा है। ये किसाउ बांध की बात करते है वह बांध कब बनेगा? उसका फैसला सन् 2025 तक है और भाायद 2025 तक वह बन सकेगा। लेकिन इसमे भी हमे बहुत थोडा हिस्सा मिलने जा रहा है। चौधरी बंसी लाल जी ने बताया कि मसानी बैराज बन गया था। यह मसानी ब्रिज भी उन दिनो बनाया गया था जब हरियाणा प्रदे ा का दक्षिणी हिस्से का बहुत सा पानी बह जाता था। झज्जर सब डिवीजन था, रिवाडी था, गुडगांव का पटौदी क्षेत्र था। उपाध्यक्ष महोदय, ये जनाब तो खुद उधर कभी गए नही होंगे। जब चारो तरफ तीसरी मंजिल तक पानी ही पानी था। तब उस पानी को बांधने के लिए ही एक बांध बनाया गया था। उसके बाद इस प्रकार की कमजोर सरकारे आती रही जो राजस्थान सरकार को इस बात के लिए मजबूर नही कर सकी कि हमारे उस हिस्से के पानी को वह इस्तेमाल न कर सके। हमे वह पानी क्यो नही दिया जा रहा है? इस सरकार के होते हुए उतर प्रदे ा ने भी एक नई नहर निकाल ली जो कि पुराने एग्रीमैंट के मुताबिक नही थी। इस समझौते से एक और नुकसान हमे होने जा रहा है। आज ये हथिनी कुड बैराज की बात करते

है। हथिनी कुंड बैराज के लिए अखबारो मे बडे बडे इ ि तहार दिए गए थे और बडा प्रचार किया गया था कि हरियाणा सरकार ने एक बहुत बडा मार्का पार कर लिया है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्ररी जी से जानना चाहता हूं कि 1977 मे फलड आया था तो उस वक्त ताजेवाला हैडवर्क्स का जो नुकसान हुआ था उसको ठीक करने का निर्णय लिया गया था। हमारी सरकार ने उस वक्त यह निर्णय लिया था लेकिन आप लोगो की सरकार आने के बाद उस काम को रोक दिया गया था। यह तो अंग्रेजो के समय का बना हुआ था और अब उसकी जगह सैंकडो करोड रुपये उस पर खर्च करके उसको बनाने जा रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, ताजेवाला हैडवर्क्स पर हमारा कन्ट्रोल होता था।

बैठक का समय बढाना

श्री उपाध्यक्षः अगर सदन की सहमति हो तो सदन का समय 30 मिनट के लिये और बढा दिया जाये।

आवाजेः ठीक है जी।

श्री उपाध्यक्ष महोदयः ठीक है सदन का समय 30 मिनट के लिये बढाया जाता है।

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव–

हरियाणा सरकार द्वारा हस्ताक्षरित यमुना जल समझौते संबंधी (पुनरारम्भ)

चौधरी औम प्रका ा चौटाला: उपाध्यक्ष महोदय, यह यमुना जल देने का दुखदायी निर्णय लिया गया है। यह नया जो यमुना जल बोर्ड बनेगा, उसमे भी सभी सरकारो के प्रतिनिधि होगे, उस पर भी हमारा कंट्रोल नही होगा। हमारे हिस्से का पानी चला गया ओर वह हमारे पैसे से ही बांध बनेगा और उस के बाद जो बोर्ड बनेगा उस पर हमारा कंट्रोल नही होगा। आज ये कहते है कि मानवता के आधार पर हमने पानी दिया है, आज इनको मानवता याद आई यह बहुत अच्छी बात है। लेकिन मानवता और अधिकार मे बहुत अंतर होता है। जिस दिन यह समझौता हुआ था उस से अगले दिन ही राजस्थान मे लडडु बांटे जा रहे थे और दिल्ली मे खुि ायां बनाई जा रही थी लेकिन हरियाणा के लोग मायूस हो रहे थे। उस वक्त जब मुख्यमंत्री जी ने ब्यान दिया था कि हमने मानवता के नाते पर पानी दिया है तो मै आपको याद दिलाना चाहता हूं कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भैरों सिंह भोखावत ने यह ब्यान दिया था कि हरियाणा का मुख्यमंत्री कौन होता है हमे मानवता के नाते पानी देने वाला, हम कोई भिखारी नही है, यह तो हमारा अधिकार है। उस पानी को चाहे हम पीने के लिए प्रयोग करे, चाहे सिंचाई के लिए। उपाध्यक्ष महोदय, जिन लोगो को उस पानी मे कोई हिस्सा नही था, वे आज हमें आखें दिखा रहे है और इधर हमारा हक चला गया। इस बात को हम छिपाने मे लगे हुए है। यह सरकार कायर ओर कमजोर है। ये लडाई नही लड सकते लेकिन मै आपके माध्यम से सदन मे एक बात कहना चाहूंगा कि राश्ट्रीय समाजवादी पार्टी इस बात को किसी भी कीमत

पर नही मानेगी क्योंकि हरियाणा हमने बनाया था। हरियाणा के लिए लडाईयां हमने लडी थी। हरियाणा का आस्तित्व चौधरी देवी लाल ने कायम रखा था। हरियाणा हमे प्यारा है और हम एक नवम्बर को हरियाणा दिवस पर नारनौल के मुकाम से भारी संख्या मे यहां पहुंचेगे। मै सरकार को चुनौती देकर जा रहा हू। महिलाओ को तो ये रास्ते मे परे ाान कर सकते है लेकिन 23 नवम्बर को हम चण्डीगढ मे आएंगे और लाखो की संख्या मे आएंगे, अगर सरकार मे हिम्मत हो तो उस उबाल को रोक लें। हम समय का इंतजार नही करते, हम अधिकार हासिल करना जानते है। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से फिर कह रहा हूं कि हम इससे एक इंच भी पीछे नही हटेंगे। हम इस यमुना समझौते को नही मानेंगे। इसी के साथ मै आपका धन्यवाद करता हूं।

(इस समय बहुत से मैम्बर बोलने के लिए खडे हो गए)

श्री उपाध्यक्षः आप सब बैठ जाएं।

चौधरी बंसी लालः उपाध्यक्ष महोदय, आप बे ाक एक दिन और बढा दें। यह बहुत ही इम्पोर्टेंट मामला है और इस पर जो भी बोलना चाहे, उन सबको बोलने दें। यह कोई ऐसा मामला नही है जिस पर सभी डिफर करते हो। इसलिए मै समझता हूं कि जितने भी लोग बोलना चाहे, उनको बोल लेने दें। आप चाहे तो

एक या दो घण्टे और बढा लें। आज बहस खत्म न होती तो इस कल के लिए रख लें। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ): उपाध्यक्ष महोदय, जल समझौता एक राश्ट्रीय जल समझौता है और इसमे मेरी पार्टी के लोगो ने बहुत प्रयास किए है। श्रीमान अटल बिहारी वाजपेयी जो विपक्ष के नेता है, राजस्थान के मुख्यमंत्री भैरो सिंह भोखावत, मदन लाल खुराना, चौधरी भजन लाल और मुलायम सिंह यादव, इन सब लोगो के प्रयास से यह समझौता हुआ है। आजादी के बाद से दे ा मे जो राश्ट्रीय सम्पत्ति है चाहे वह नर्मदा नदी हो, चाहे कावेरी हो, हमारे यहां पर यमुना है, वैसे ही सारी नदिया राश्ट्र की समपत्ति है और सारे दे ा की जनता उसका उपयोग कर सकती है। अब जहां जहां पर भी प्रान्तो मे विवाद है, उसके अनुसार जिस जिस स्टेट से भी नदियां गुजरती है, तो उन प्रान्तो की सरकारो ने अपने कुछ अधिकार इन सम्पत्तियो पर ज्यादा माने है। मै इसमे विस्तार से नही जाना चाहूंगा क्योंकि मेरे से पहले मेरे कई वरिश्ठ साथियो ने इसके बारे मे कहा है। चौधरी बंसी लाल जी की कलम से भी कई बार यमुना के और हरियाणा के विवाद के समझौते हुए। उन्होने इसके लिए प्रयास भी किए। लेकिन औम प्रका ा चौटाला जी के समय मे कोई समझौते नही हुए। उनकी किस्मत मे तो समझौते आए ही नही है, बल्कि उनकी किस्मत मे तो लडना ही आया है। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहूंगा कि 1991 से चौधरी भजन लाल जी की सरकार बनी

है और हरियाणा की जनता ने इनको मुख्य मंत्री बनाकर भेजा है। इन्होने चुनाव से पहले जनता से कुछ वायदे किए थे। उन वायदो मे दो वायदे वि ोश थे एक तो एस वाई एल को पूरा करना, दूसरा वायदा रावी–व्यास का पानी लेना और हरियाणा मे कानून और व्यवस्था को मजबूत करना। कानून और व्यवस्था के बारे मे तो मै चर्चा नही करुंगा। पिछले बजट अधिवे ान मे विपक्ष की तरफ से हम सब साथियो ने मिलकर मुख्यमंत्री जी से एक निवेदन किया था और इस सदन मे एक प्रस्ताव पास करने की बात आयी थी। उपाध्यक्ष महोदय, यह एस वाइ एल का मुददा कितने दिनो तक ऐसे रहेगा। जब सदन चल रहा होता है तो बेअंत सिंह कोई न कोई ऐसी बात कह देते है, परंतु इस बार अपने पोते के चक्कर मे उलझकर उन्होने कुछ नही कहा वरना कोई न कोई बात वह कह ही देते है। हमारे मुख्य मंत्री जी को तो उनके यहां चाय पीने की बडी आदत है। इन्होने भी उनके सामने ऐसी बात कह दी कि जिससे हरियाणा की जनता मे चिंता होने लगी। इस बार भी जो समझौता हुआ है, उसमे यह ठीक है कि दिल्ली को पीने का पानी मिलना चाहिए क्योंकि दिल्ली मे कोई नदी नही है और वह तीन चार राज्यो के बीच मे घिरी हुई है। मुख्यमंत्री जी ने कोई दिल्ली को पानी देकर हरियाणा की भाान नीची नही की है बल्कि राश्ट्र हित मे यह समझौता करके उन्होने इस भाान को और उंचा ही किया है। इस समझौते से इनकी राश्ट्रीय साख ही बढी है। यह भी इंदिरा गांधी की तरह ही काम कर रहे है। इसी तरह से इन्होने भी इस समझौते को करके अपनी राश्ट्रीय छवि को तो बढाया है,

लेकिन इससे हरियाणा का नुकसान हुआ है। हम जानते है कि चौकीदार को अपनी ढेरी की रखवाली को करनी ही पडती है। लेकिन जैसे उतर प्रदे ा के मुख्य मंत्री जी ने कहा कि हमारी तो पानी की जरुरत बढ गई है और इसी तरह से हिमाचल जैसे राज्य से जहां से सब कुछ नीचे उतरता है वह भी पानी मांग रहे है। वे पानी कहां से उपर चढाएंगे? उनको भी अपना नया चैनल बनाना पडेगा। इसी तरह से दिल्ली की मांग अब यमुना से पूरी नही हुई तो उन्होने भी गंगा नदि का पानी ले लिया। इसलिए हमारे मुख्य मंत्री जी को भी हरियाणा की जरुरतो की ओर देखना चाहिए। बंसी लाल जी ने ठीक ही कहा कि जिन जिलो से हम आते है वहां एक मैरानी बैराज की नीवं रखी गई। लेकिन जब से मसानी बैराज बना है, तब से साहबी नदी मे एक बूंद भी पानी नही आया। फरीदाबाद, गुडगांव, महेन्द्रगढ और रिवाडी जिलो मे जल स्तर नीचे चला गया है। बैंक ने यह निर्णय लिया है कि टयूबवैल के लिए कर्ज नही देंगे। किसान का बेटा होने के नाते है यह कह सकता हूं कि महेन्द्रगढ नारनौल के दोजाना गांव मे 600 और कही 450 फुट पर है। पीने के पानी की हालत गर्मियो मे इतनी बुरी होती है कि कहां से कैसे गुजारा करते है, यह हम जानते है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा कहने का भाव है कि पानी के बंटवारे के मामले की मुख्यमंत्री जी को जोरदार तरीके से पैरवी करनी चाहिए थी। मै गुजारि ा करना चाहता हूं कि यमुना जल समझौते पर मुख्य मंत्री जी को अपने हरियाणा की बढी हुई मांगो को जोरदारी से रखना चाहिए था। हरियाणा के पानी का हिस्सा काटकर इन

नट ौल कोई उपलब्धि नही हुई है। हरियाणा के हिस्से का पानी कम हुआ है। मुख्य मंत्री जी आंकडो की बात करते है। यह जो समझौता हुआ है इसमे हरियाणा को 5730 बी0 सी0 एम0 का लौस हुआ है। पानी का जो स्पे ाल एलोके ान आफ यमुना वाटर है उस पानी को यह बता रहे है this is not regular water, this is not regular supply. हरियाणा के लिए यह नियमित पानी नही है। प्रधान मंत्री जी ने यह तो इनकी तारीफ ज्यादा कर दी या ये राश्ट्रीय स्तर की राजनीति करना चाहते है। सैन्टर मे इनकी चलती है। प्रधान मंत्री जी इनकी कांग्रेस पार्टी के है। मुख्य मंत्री जी हरियाणा के हितो के बारे में अपनी जिम्मेदारी समझते हुए हरियाणा के पानी की जो कम मात्रा हुई है कम से कम उसको रिटेन करवाए। यमुना जल समझौते पर मुझे यही निवेदन करना है।

प्रो0 संपत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने अपने भाशण मे सभी फैक्टस एण्ड फिगर्ज सरकार के सामने रखे है और जो जो प्र न चौटाला साहब ने सरकार से करे है, उनका उतर सरकार के पास नही है। अगर मुख्य मंत्री महोदय जवाब देंगे, तो पता चल जाएगा। मै तो सिर्फ दो चार बेसिक सवाल पूछना चाहूंगा। सब से पहले तो ै यह कहना चाहता हूं कि इनकी ऐग्रीमैंट की जो कापी है, वह कई मैम्बर्ज को नही मिली है, वह कापी सदन के टेबल पर आए ताकि सभी लोग उससे एनलाइटण्ड हो जाए 1954 के एग्रीमैंट की कापी अगर टैबल पर अवेलेबल है,

तो 1994 की एग्रीमैंट की कापी भी आनी चाहिए। जो चिटठी लिखी गई है उसका जवाब जो नेहरा साहब ने दिया है वह सब पोलिटिकल है। उसमे एग्रीमैंट का कही भी जिक्र नही है। मै इतना ही बताना चाहता हूं कि पहले इन्होने लिखा कि ताजेवाला से हमे इतना पानी मिलेगा, ओखला से इतना पानी मिलेगा लेकिन मुख्य मंत्री जी ने एग्रीमैंट किया है उसमे कही भी ऐसा जिक्र नही है कि पानी का अलग अलग से कैसे डिस्ट्रीब्यू ान होगा। उस एग्रीमैंट मे ऐसी कोई बात नही है। दूसरी बात यह है कि जो पुराना 1954 को एग्रीमैंट था, उसको ये एग्रीमैंट ही नही मान रहे है। अब जो नया एग्रीमैंट है उसमे लिखा है–

"and whereas the water was being utilized by the basin States ex-Tajewala and Okhala for meeting the irrigation and drinking water, needs without any specific allocation."

इसका मतलब तो यह हुआ कि आज तक जो पानी हम लेते रहे है, वह बिना स्पैसिफिक एलोके ान के ही लेते रहे है। उसके लिए कोई स्पेसिफिक रिकार्ड नही था। फिर यह जो 1954 का एग्रीमैंट है, यह कहां से आ गया? सरकार बार बार ब्यान भी दे रही है कि वह तो किसी स्टेट का एग्रीमैंट ही नही था। That was very much an agreement between the States. How they can say that there was no agreement? 1954 के एग्रीमैंट का जो आखिरी पैरा है पी0 डबल्यू0 डी0 इरीगे ान ब्रांच ने पंजाब सरकार व गवर्नर के बिहाफ पर साईन किए हुए है। इसी तरह से जो चीफ

इंजीनियर यू0 पी सरकार के है, उनके भी साईन उस पर है। उसके लास्ट पैरा मे यह लिखा है

"In witness whereof, the chief Engineer uttar Pardesh, Public Works Department (Irrigation Branch) for and on behalf of the Governor of the Uttar Pardesh and the Chief Engineer and Secretary to Government, Punjab, P.W.D. Irrigation Branch, for and on behalf of Governor of Punjab have signed this deed."

तो उपाध्यक्ष महोदय, फिर ये कैसे कह रहे है कि वह एग्रीमैंट नही है? अब जो ये समझौता साईन करके आए है उसमे लिखा है–

".....whereas a demand has been made by some basin States for a specific allocation of water for a long time. When water was being utilized by the basin States as per specific allocation of water, how this demand was raised all of a sudden?

फिर भी यह कह रहे है कि बेसन स्टेटस ने आवाज उठाई थी। दिल्ली हिमाचल, राजस्थान, आवाज उठा रहा था। फिर बेसन स्टेटस को यू ही इसमे जोड दिया गया। यह मांग इन तीनो स्टेटस की थी कि इस एग्रीमैंट को खोला जाए जिनको ये बैनिफिट देकर आए है। इसी तरह से आगे के एग्रीमैंट का जिक्र आते हुए इन्होने कहा कि हैड क्वाटर्ज बनाएंगे। हथिनी कुंड बैराज बनाएंगे। उससे कह रहे है सिल्ट आनी बन्द हो जाएगी और पानी बढ जाएगा। इनको पता होना चाहिए कि यह बैराज है। यह कोई

डैम नही कि पानी बढ जाएगा। इस तरीके से आगे जो इन्होने मैं ान किया है, उससे नेहरा जी ने जनरल ओपिनियन पैदा करने की कोि ा ा की है कि हरियाणा का 2/3 व यू0 पी का 1/3 हिस्सा था जो 1954 का एग्रीमैंट था उसमे 223 और 1/3 भोयर का स्पैसिफिक एलोके ान नही है। उसमे यह था कि जनता पानी अवेलेबल होगा उसमे 77 प्रति ात हरियाणा का होगा और 23 प्रति ात यू0 पी0 को होगा। मै आगे बताना चाहता हूं कि नेहरा जी ने जो चिठठी लिखी उसमे यह लिख दिया कि पानी कितना अवेलेबल होगा। उसमे से हरियाणा का हिस्सा वर्तमान 23 है कि इसमे पानी घटता बढता रहता है। देखने की बात यह है कि कहां 77 परसैंट और फिर 66 परसैंट से 47 परसैंट तक लेकर आ गए है। इसी तरह से जहां तक कंट्रोल की बात थी, उसके बारे मे साफ लिखा है–

" The maintenance of Tajewala headworks and related training works will be the responsibility fo the Punjab Govt. (the then Punjab Govt. and now Haryana Govt.) The Punjab Govt. will initiate all proposals for proper control and maintenance of the head works and improvement of the same."

तो डिप्टी स्पीकर साहब, ये उसका कंट्रोल आज अपर यमुना रिवर बोर्ड को दे रहे है। अपनी दाढी दूसरे के हाथ मे पकडा रहे है। तो इससे ज्यादा हमारे इंट्रस्ट की सैक्रीफाइस और क्या होगी। फिर बाद मे क्या कह रहे है कि अब तक हमारी मैक्सीमम यूटिलाइजे ान 4.77 एम0 ए0 एफ0 हुआ है। मै इनको

बताना चाहता हूं कि मैक्सिमम यूटिलाइजे ान 5.49 एम0 ए0 एफ0 ले कर आ रहे है। एक तो आपके पास इन्फ्रास्ट्रक्चर नही है। दूसरी तरफ नदी का पानी हर समय एक जैसा नही रहता है। रावी ब्यास नदी पानी तो बढ गया है। तो इस रनिंग वाटर के बारे मे जैसे पहले एग्रीमैंट क्लाज थी, अगर वह रखी जाती तो ठीक था। इन्होने यह भी जिक्र किया कि इससे क्या क्या फायदे होंगे। इन्होने कहा कि इससे दादुपुर और नलवी नहरो मे पानी आ जाएगा। तो डिप्टी स्पीकर साहब, 5.73 मे से 5.49 एम0 ए0 एफ0 का मैक्सीमम युटिलाइजे ान है। बाकी 0.24 एम0 ए0 एफ0 बचता है और इसके आप क्यूसिक बना लें। ये कहा से दादुपुर नलवी को पानी देंगे? एक तरफ तो यह कहते है कि यमुना को हम माडर्नाइज करेगे और दूसरी तरफ दादुपुर नलवी को पानी देंगे। यह केवल झांसा देने वाली बात है। इसमे रैलेवेंट एक चीज थी कि इनको कंडी ान लगानी चाहिए थी कि हाईडल चैनल का कंट्रोल अपर यमुना बोर्ड के पास होगा। बजाय इधर उधर की बातो के वह कंडी ान लगानी चाहिए थी। डिप्टी अपस्ट्रीम पर यू0 पी0 सरकार ने जो हाईडल चैनल बना रखी है, उसकी कैपेसिटी साढे पांच हजार क्यूसिक है। अगर यू0 पी0 सरकार साढे पांच हजार क्यूसिक पानी अपस्ट्रीम पर ले लेगी और एस्केप पर नही छोडेगी तो वह साढे पांच हजार क्यूसिक पानी चला जाएगा। आपको कहा से पानी मिलेगा? आपको यह करना चाहिए था कि हाईडल चैनल का कंट्रोल अपर यमुना बोर्ड को देते। उसका उनका अपना कंट्रोल है। उसमे किसी का दखल नही है। (घंटी)

डिप्टी स्पीकर साहब, मै लास्ट प्वायंट पर कहना चाहता हूं और वह आपके इलाके से संबंधित है। डिप्टी स्पीकर साहब, ये बार बार हथिनी कुंड बैराज का जिक्र करते है। इसके बारे मे जो चीज आपके सामने नही आई है, वह मै कहना चाहता हूं। ठीक है यह जो कह रहे है कि इसका रास्ता खुल गया है। रास्ता क्या खुल गया है?इन्ही के पहले जो इरीगे ान प्राजैक्टस थे, वे इन्होने वर्ल्ड बैंक को सबमिट किए थे। उनके अन्दर बकायदा हथिनी कुंड बैराज का भी जिक्र है। उन प्रोजैक्टस के लिए पहले 161 करोड 63 लाख रुपये का जिक्र था लेकिन बाद मे वह प्राईस बढने के कारण रा ि ा बढ कर 163 करोड रुपये हो गई। उसमे दो करोड रुपए का इजाफा हो गया। उस प्रोजैक्ट के बारे मे आपका जो एग्रीमैंट हुआ है, वह मार्च 194 मे हुआ और यह एग्रीमैंट हुआ है 21 मई, 1994 को। अब आप यह बताए कि हथिनी कुंड बैराज समझौते का हिस्सा कहां से है। इसके लिए आलरेडी पैसा सैंक ांड है। इसका क्या मतलब है? यह प्रोजैक्ट आपका आन गोईंग प्रोजैक्ट था, जिस पर म ीनरी आ चुकी थी। इसके लिए वर्ल्ड बैंक से लोन ले लिया है। वह इस समझौते से पहले ले लिया है, वह इसका पार्ट कैसे रहेगा? मेरे कहने का मतलब है कि इन्होने टोटल इंट्रस्टस को सैक्रीफाइस कर दिया है। इन्होने अपनी कुर्सी बचाने के लिए केन्द्रीय सरकार के सामने अपने घुटने टेक दिए है। हम इसको बर्दा त नही करेंगे। हम इस फैसले को रदद करवा कर रहेंगे। जैसे हमारे लीडर चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी ने कहा कि हम अपनी जान की बाजी लगा देंगे और इस

फैसले को रदद करवाएंगे इन्ही को थूक कर चाटना पडेगा। और हम इन्ही से इस फैसले को रदद करवाएंगे।

बैठक का समय बढाना

श्री उपाध्यक्ष : अगर हाउस की सैंस हो तो हाउस का समय आधा घंटा बढा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री उपाध्यक्ष : ठीक है हाउस का टाईम आधा घंटा और बढाया जाता है।

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव–

हरियाणा द्वारा हस्ताक्षरित यमुना जल समझौते संबंधी (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): उपाध्यक्ष महोदय, इस बहस मे हिस्सा लेते हुए चौधरी बंसी लाल जी ने अपनी बात कहीं (ाोर)

प्रो0 संपत सिंह: आप उस एग्रीमैंट की कापी तो हमें दे दें।

चौधरी भजन लाल: अभी उसकी नोटिफिके ान नही हुई है। जब उसकी नोटिफिके ान हो जाएगी तो आपको कापी भी मिल जाएगी। जब तक नोटिफिके ान नही हो जाती तब तक आपको उसकी कापी नही दी जा सकती।

चौधरी औम प्रका ा चौटाला: उस एग्रीमैंट की कापी हमारे पास है। आप कहेंगे, हमारे पास कहां से आई? (इस समय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)

चौधरी भजन लाल: आप चोरी करके ले आए होंगे। (ाोर)

चौधरी औम प्रका ा चौटाला: यह विद्या चरण भाुक्ला का लैटर है। उसके साथ कापी है। जो आपने एग्रीमैंट साईन किया है, उसकी कापी आप हमें दे।

चौधरी भजन लाल: जब तक नोटिफिके ान नही हो जाती, आपको उसकी कापी नही मिल सकती।

प्रो0 संपत सिंह: यह मेरा पास भाुक्ला जी का लैटर है। यह मै आपको पढकर सुना देता हू।

चौधरी भजन लाल: यह तो एग्रीमैंट ही है। नोटिफिके ान तो नही है। नोटिफिके ान होने के बाद आपको उसकी कापी मिल जाएगी।

Mr. Speaker: Sampat Singh Ji, it is his prerogative, not yours.

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय अभी 3 लीडर्ज बोले है। मुझे इनकी बातें सुनकर बहुत आ चर्य हो रहा है। मै समझ रहा था कि ये कुछ ठीक बात करेंगे। सुझाव के तौर पर कोई

अच्छी बात कहेंगे और यदि इस नुक्ते मे कोई कमी रह गई है तो उसका ठीक करने के बारे मे सुझाव दंगे लेकिन खडे होते ही यह कह दिया कि भजन लाल ने हरियाणा प्रदे ा के लोगो के साथ वि वासघात कर दिया। जैसे हरियाणा प्रदे ा के यही ठेकेदार है। जैसे हमारी जिम्मेवारी इन्ही की है, हमारी तो कोई जिम्मेवारी ही नही है और न ही हम हरियाणा प्रदे ा के हितो की रक्षा कर सकते है। हरियाणा प्रदे ा के हितो की रक्षा करना ये ही जानते है। हमें तो ये कुछ समझते ही नही। महानुभावो भजन लाल वह आदमी है (14:00 बजे) जिसने चण्डीगढ के मामले मे यह कहा कि पंजाब को नही जाना चाहिए। जब चण्डीगढ पंजाब को ट्रांसफर करने का एक तरह से निर्णय हो गया था, यहां पर इ तहार छप गए थे, 1986 को चण्डीगढ पंजाब को चला जाएगा। उस दिन चण्डीगढ मे खु ी के लिए लाईटस का इंतजाम भी किया गया था। यह तक चण्डीगढ पुलिस की बैजिज़ पर भी पी0 पी0 लगाने की तैयारी हो चुकी थी। उस सूरत मे मैने राजीव गांधी जी को कहा कि मेरे मुख्य मंत्री रहते हुए चण्डीगढ पंजाब को नही जा सकता। आप चाहे तो इस बात की ताईद चौधरी सुल्तान सिंह से कर सकते है कि मैने राजीव गांधी जी को क्या कहा था मैने कहा कि आपकी कृपा से मै मुख्यमंत्री रहा और इंदिरा गांधी जी की भी बडी कृपा रही लेकिन बिना कुछ लिए हम चण्डीगढ पंजाब को ट्रांसफर नही होने देंगे। कम से कम भजन लाल तो ऐसा नही करेगा। आप चाहे तो मेरा इस्तीफा ले सकते है। ये बाते मैने कहीं

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय ऐसी कोई बात उस वक्त नही हुई थी कि चण्डीगढ पंजाब को फलां तारीख को ट्रांसफर हो जाएगा, ऐसी कोई बात मेरी जानकारी में नही है। यह कहते है कि मैने हरियाणा के हितो के लिए ऐसा किया। मै पूछना चाहता हूं कि जब यह पानी का एग्रीमैंट किया गया, तो फिर इनकी आत्मा कहां चली गई?

प्रो0 संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय मै एक छोटी सी बात कहना चाहता हूं। मुख्यमंत्री जी यह सही बात कह रहे है कि 26 जनवरी, 1986 को चण्डीगढ पंजाब को ट्रांसफर किए जाने का एक तरह से अंतिम फैसला हो ही चुका था और सारी तैयारी हो गई थी। यह सही बात है। इस बारे मे अखबारो मे भी खबर आई थी, बंसी लाल जी इस खबर से कैसे अनभिज्ञ रहे, समझ मे नही आता। अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हूं कि जो चण्डीगढ पंजाब को ट्रांसफर होने से रुका, वह इनकी वजह से नही, बल्कि हमारे नेता चौधरी देवी लाल जी द्वारा जो लडाई लडी गई, उस वजह से रुका था क्योंकि 23 जनवरी को हमारे 3 साथी भी भाहीद हुए थे। इसलिए चण्डीगढ पंजाब को ट्रांसफर होने से बचा था। मेरे कहने का मतलब यह है कि हमारे जन आन्दोलन के कारण ही ऐसा हुआ था।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय अगर ये कहते है तो हम लोग भी पंजाब की तरह से रैजोल्यू ान पास कर देते है कि यह समझौता गलत हुआ है। इस समझौते को छोडिए। हम इसे

नही मानते। ये ऐसा प्रस्ताव ले आए और हम उसको यूनानिमसली पास कर देंगे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अब ये दूसरी बात पर आ गए है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने उसी वक्त उस से इंकार कर दिया और असैंबली मे प्रस्ताव पास करवा दिया, यह रिकार्ड की बात है। जब हम बैठे थे तो उन्होने रिकार्ड दिखाया था। कौन सी बात को लेकर ये प्रस्ताव लाने की बात करते है। प्रस्ताव लाने मे हमें कोई ऐतराज नही है लेकिन ये खुद कहें कि इनकी वजह से यह बात सिरे नही चढी, ये इस बात को माने तो सही।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, अगर आज भी ये ऐसा प्रस्ताव ले आए कि यह समझौता गलत है और हरियाणा के हितो के साथ ज्यादती की गई है, तो हम युनानिमसल उसे पास कर देंगे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये उस वक्त कह देते कि हम इसको नही मानते। उस वक्त तो ये कर्ता–धर्ता थे, एमरजैंसी के हीरो ये थे। ज्यादती और जुलम के भी यही हीरो थे। उस जमाने मे तो जो कुछ भी कर सकते थे। सैंटर मे ये सब कुछ थे। फिर उस वक्त इस नहर को क्यों नही बनवाया? अध्यक्ष महोदय, ये कहते है कि मैने फैसला 1976 मे करवाया था तो फिर इनको नहर बनाने मे उस वक्त कौन रोकता था? एक कस्सी भी कही पर ली हो तो ये बता दें। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि

उसके बाद 1979मे मै मुख्य मंत्री बना और इस फैसले को करवाने के लिए मै रात दिन लगा। रात दिन लगने के बाद मैने मीटिंग करके पानी का फैसला करवाया। इस काम के लिए उस वक्त प्रधान मंत्री जी ने श्री पी0 ि ाव भांकर को नियुक्त किया। हालांकि इरिगे ान का महकमा उनके पास नही था बल्कि उस वक्त राव वीरेन्द्र सिंह के पास महकमा था। राव वीरेन्द्र सिंह को यह काम इसलिए नही सौंपा गया क्योंकि वे हरियाणा के थे। प्रधान मंत्री जी ने उस वक्त कहा था भजन लाल जी हम इस काम की जिम्मेदारी किसी दूसरी प्रदे ा केमंत्री को सौंपेगे, जिससे दोनो प्रदे ाों की तसल्ली हो। चाहे राव साहब इंसाफ भी करेंगे, तब भी पंजाब वाले कहेंगे कि राव वीरेन्द्र सिंह जी हरियाणा के है। हालांकि इरीगे ान का महकमा उनके पास था लेकिन फिर भी उन्होने यह काम पी0 ि ाव भांकर के जिम्मे लगाया। मीटिंग करके उन्होने यह फैसला किया। इंदिरा जी ने बहुत मु ि कल से उस फैसले को मनवाया। एक एग्रीमैंट हुआ, तीन मुख्य मुत्रियो के साईन हुए। मेरे, राजस्थान ओर पंजाब के मुख्य मंत्रियो के साईन हो गए और इंदिरा जी ने उस नहर कीआधार ि ाला रखी। अध्यक्ष महोदय, उस वक्त मै हरियाणा का मुख्य मंत्री था, ये नही थे जब इसकी आधारि ाला रख के काम भाुरु करवाया। (विघ्न) उस दिन मेरी कोि ा ा से ही यह काम हो सका। चौधरी साहब अगर किसी मामले को उलझाना हो, तो कुछ भी कह कर उलझाया जा सकता है लेकिन हमें पानी की आव यकता थी हमें 3.5 एम0 ए0 एफ0 पानी चाहिए था। अगर उस वक्त नहर बन जाती तो 3.5

एम0 ए0 एफ0 पानी भी 5एम0 ए0 एफ0 पानी जितना काम करता। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि कितने साल हो गये है 1981 को? 1981 को गए 13 साल हो गए है। हम चाहते थे कि यह फैसला हो। पानी पंजाब ने देना है। पंजाब ने नहर बनानी है और अगर थोडा–बहुत झुक कर भी नहर बन जाए और पानी हरियाणा मे आ जाए तो कितनी बडी बात हो जाती। इसलिए हम ने उस वक्त इस बात को माना था। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि उसके बाद इराडी कमी ान ने 3.83 एम0 ए0 एफ0 पानी देने का फैसला दिया। लेकिन फिर अकालियो ने कह दिया कि हम इस समझौते को नही मानते। इराडी कमी ान ने हमारे पानी को बढाकर 3.5 एम0 ए0 एफ0 की बजाय 3.83 एम0 ए0 एफ0 कर दिया। यह सारा फैसला हो गया। हम चाहते है कि किसी तरह से नहर बने और हरियाणा के किसानो को पानी मिल जाए। अब ये कहते है कि नुकसान कर दिया। नहर का 85 प्रति ात काम हो गया है। आज औम प्रका ा चौटाला हरियाणा के हितो की बात कर रहे है। मै इनसे पूछता हूं कि जब ये कुर्सी पर थे तो क्या इन्होने एस0 वाई0 एल0 नहर बनाने की बात की थी? बस एक बार बादल से पत्थर रखवाने की बात तो की उसके बाद तो ये डेट ही भूल गए। उसका नाम लेना ही भूल गए। प्रका ा सिंह बादल क्या कहता है कि हम नहर को मिटटी से भरे और ये श्रीमान् जी कहते है कि पंजाब मे मुख्य मंत्री प्रका ा सिंह बादल होना चाहिए। इस बारे मे इनके रोज स्टेटमैंट आते है। सबसे ज्यादा हरियाणा के नुकसान की बात बादल ही करता है। यह बात

कोई दूसरे लीडर नही कहते है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, हमने तो हमे ाा ही कहा है कि हरियाणा के किसानो को पानी मिले, मै जहां इस नहर को छोड कर गया था, वह वहीं की वही पर खडी हुई है। इस पर भारत सरकार का पांच सौ करोड रुपया लग गया। इस बात से मै सहमत हूं और अपोजी ान के भाईयो से भी सहमत हू। आप भी भारत सरकार से कहते है और हमसे भी कहते है ओर मुझे प्रस्ताव पास करने मे भी कोई एतराज नही है कि नहरे बननी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, पांच सौ करोड तो लग जाए और पानी फिर भी पाकिस्तान को जा रहा है। हरियाणा पानी की एक एक बूंद को तरह रहा है। अब बंसी लाल जी कहते है कि दक्षिणी हरियाणा के साथ ज्यादती हो गई। बंसी लाल जी, दक्षिणी हरियाणा आज का नही बना है। जब हरियाणा बना था, तब दक्षिणी हरियाणा भी बन गया था। पहले भी जब भी पानी की बात आई है तो ज्वायंट पंजाब के समय मे भी दक्षिणी हरियाण के लोग पावर मे थे। वह वक्त न तो बंसी लाल जी के वक्त मे था, न भजन लाल के वक्त मे था और न ही देवी लाल के वक्त में था। उस वक्त रोहतक के प्रोफैसर भोर सिंह, चौधरी रणबीर सिंह, चौधरी जिरक राम और चौधरी लहरी सिंह थे, ये सारे के सारे लीडर उसी एरिया के थे। पानी का अलग अलग हिसाब है। जब आप लोगो की सरकार थी, तो उसी वक्त आप दक्षिणी हरियाण को पानी दे देते, आज आपको दक्षिणी हरियाणा से बहुत प्यार हो गया है। आपने उस वक्त उन्हे पानी क्यों नही दिया? आपको देना चाहिए था। लेकिन आप भी नही दे सके। न चौधरी देवी लाल दे

और न ही भजन लाल दे सकता था क्योंकि इसका सिस्टम अलग अलग है। आज जिस इलाके को भाखडा का पानी मिलता है, क्या उस इलाके के पानी को कोई काट सकता है। अध्यक्ष महोदय, उस जमाने मे लोग पांच मील से पीने के पानी लाते थे। ये चाहते तो उस वक्त भिवानी,, हिसार और सिरसा मे जमुना का पानी ले जा सकते थे, लेकिन कैसे ले जा सकते थे क्योंकि यहतो मुनासिफ बात नही होगी। इसके बाद इन्होन कह दिया कि पंजाब मे जितने हैडवर्क्स है, उन पर कंट्रोल बी0 बी0 एम0 का होना चाहिए जबकि उस पर पंजाब सरकार का कंट्रोल है। मै इनको कहता हूं कि आप भी बहुत लम्बे वक्त तक मुख्य मंत्री रहे है, साढे सात साल तक मुख्य मंत्री रहे है, कर्ता–धर्ता रहे है तो आपने उस वक्त उनका कंट्रोल बी0 बी0 एम0 को क्यों नही दिलाया। कंट्रोल दिलाना कोई आसान बात नही है।

चौधरी बंसी लालः मैने तो उसके लिए खुब डांट कर लडाई लडी थी। आप हमें यह बताए कि आपने क्या किया है।

चौधरी भजन लालः तो भजन लाल ने क्या कम लडाई लडी है? आपने तो चण्डीगढ के बदले गांव मांग लिए और सारा सत्याना ा कर दिया। अगर आज हम भी उस बात पर रहे तो हरियाण को और ज्यादा नुकसान हो जाएगा।

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी ने तो हरियाणा को माना ही नही था।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने कहा कि मैने हरियाणा को नही माना था। मै चौटाला साहब की इत्तलाह के लिए बताना चाहता हूं कि जब रिआर्गनाईजे ान आफ पंजाब एक्ट बना, उससे पहले 'पार्लियामैंटरी कमेटरी आन दि डिमांड आफ पंजाबी सूबा' एक कमेटी बनी ाी उस के अध्यक्ष लोक सभा के स्पीकर सरदार हुक्म सिंह थे। वे चेयरमैन थे। उस कमेटी के 20 मैम्बर थे। उनमे मै भी एक मैम्बर था। उस कमेटी की मीटिंग मे यह बात हुई थी कि हरियाणा का कुछ हिस्सा राजस्थान मे मिला दो और कुछ दिल्ली मे मिला दो। उसकी उस रिपोर्ट मे मेरा डायसैटिंग नोट है जो पार्लियामैंट मे पे ा की गयी थी। मेरा कहना था कि हरियाणा को फुलफलैजड स्टेट बनाना चाहिए। आज हरियाणा के लोग इसलिए पंजाब से अलग हो रहे है क्योकि पंजाब वाले हरियाणा का हक खा गए है। दिल्ली मे भाामिल कर देते तो हमारे साथ और बुरा होता यह हमारी युनानीमस रिपोर्ट है कि हरियाणा और पंजाब दोनो अलग अलग बना दिए जाएं। अध्यक्ष महोदय, ये श्रीमान् जी तो उस वक्त राजनीति मे भी नही थे।

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी हाउस को गुमराह कर रहे है। वह रिकार्ड या तो ये लाकर आपको दिखा दें या फिर मै आपके सामने वह रिकार्ड पे ा कर दूंगा। इनका बकायदा डायसैटिंग नोट यह है कि हरियाणा प्रदे ा नही बनना चाहिए और पंजाब की स्थिती ज्यों की त्यों रहनी चाहिए।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, अगले सै ान मे ये तो वह रिकार्ड आपको लाकर नही दिखाएंगे। लेकिन मै आपको वह ला दूंगा और पढकर भी सुना दूंगा। यदि आप कहोगे तो मै उसको टेबल आफ दि हाउस पर भी रख दूंगा।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै यमुना के पानी के समझौते पर तो डिटेल मे बाद में बताउंगा। पहले इन्होने जो छोटे छोटे प्वायंट उठाए है उनके बारे मे बता दूं। इन्होने आगरा कैनाल के कंट्रोल के बारे मे कहा कि इसका कंट्रोल हमारे पास होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, ये भी इतने साल मुख्य मंत्री रहे है, लेकिन वह कंट्रोल हमारे पास नही आया। हमने भी इसके लिए कोि ा ा की है। परंतु हमारी यही कोि ा ा रही है कि यह कंट्रोल हमें मिलना चाहिए जो अभी तकहमें नही मिला है। इसके अलावा यहां तक जमुना का ताल्लुक है, इसके बारे मे चौटाला साहब ने एक दो बातें बडी गर्मी से कह दी कि सरकार बडी भारी भ्रश्ट है और उसने गडबडी की है। इनहोन यह भी कह दिया कि बिजली का एग्रीमैंट कर लिया और हमारो करोड रुपये का उसमे घपला कर दिया। अध्यक्ष महोदय, वह प्रोजैक्ट ही चार करोड रुपये से भी कम का है।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, जहां तक मुझे याद है कि चौटाला साहब ने हजारो का धपला नही बल्कि सैंकडो रुपये का घपला ही कहा था। यह आप रिकार्ड निकलवा कर देख लो।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये तो अभी भी हजारो करोड रुपये का ही कह रहे है। जिस आदमी ने घपले ही करना सीखा हो तो वह घपले की ही बात करेगा। इनका तो कोई और प्रोग्राम ही नही है। इनका तो कम ही घपले करने का है। इस हरियाणा प्रदे ा की जनता इनके कारनामो को जानती है। हरियाणा मे इनका चार साल तक राज रहा। इस दौरान क्या क्या हुआ, वह सब लोग जानते है।

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। हमने मुख्य मंत्री जी से कई दफा कहा है कि आप उस एम0 ओ0 यू0 की कापी क्यो नही सदन मे पे ा करते ताकि यह पता चल जाए कि आप रिनोंग ग्रुप ओर आईजन वर्ग की कम्पनी के साथ किस रे ाो से और किस प्रकार का सौदा करके आए है? हमारे बार बार कहने के बावजूद भी उस एम0 ओ0 यू की कापी सदन मे क्यों नही रखी जाती? अध्यक्ष महोदय, हमने इसके लिए गवर्नर को भी लिखा, मुख्य मंत्री को भी लिखा, प्राईम मिनिस्टर को भी लिखा और राश्ट्रपति को भी लिखा। लेकिन आज तक भी वह कापी पे ा नही की गयी। हमारे मुख्य मंत्री तो बहुत ही ईमानदार है और इनकी ईमानदारी की चर्चा तो जन्मजात से है। इनको तो घुटी भी ईमानदारी की मिली हुई है लेकिन जो फैसले ये करके आए है, उस एम0 ओ0 यू0 की कापी इस सदन मे रखी जानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मै आपसे उम्मीद करता हूं कि

आप मुख्य मंत्री जी को यह आदे ा देकर वह कापी इस सदन मे पे ा करवाएं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होने कह दिया कि एम0 ओ0 यू0 की कापी सदन मे रखी जानी चाहिए क्योंकि यह बेचारा जानता तो कुछ भी नही। इसके सप्पा लग गया होगा लेकिन सप्पा क्या लग गया? बेचार सात दिन तक लगातार मुख्यमंत्री भी नही रहा। मुख्यमंत्री इसलिए नही रहा क्योंकि इसकी किस्मत मे मुख्यमंत्री रहना लिखा ही नही है। तकदीर ही ऐसी है। वेद ओर भाास्त्र भी कहते है कि अंगहीन आदमी राजा नही हो सकता और ऐसा होना भी प्रदे ा के लिए भाुभ नही है। (विघ्न) इनको यह पता होना चाहिए कि एम0 ओ0 यू0 फाईनल नही होता है इसलिये ये मैमोरैंडम आफ अंडरस्टेडिंग होता है। जब यह फाईनल एग्रीमैंट होगा, तो हम बकायदा टेबल पर भी इसको रखेगे और आपके पास भी उसकी दो दो कापी भेज देंगे। ये रोजाना ब्यान देते है कि बाहर की कंपनी के साथ स्टेट गवर्नमैंट तो एग्रीमैंट कर ही नही सकती। लेकिन इन्हे यह नही पता कि इनके साथ कौन एग्रीमैंट करेगा? इनके साथ तो इनका पडोसी भी एग्रीमैंट नही करेगा। लेकिन आपको पता होना चाहिए भारत सरकार ने 1992 मे वह बकायदा नोटिफाई किया है। चिटठी लिखी है कि स्टेट गवर्नमैंट को अधिकार है कि किसी भी बाहर की कंपनी के साथ कोई भी प्रोजैक्ट वह साईन कर सकती है। यह एग्रीमैंट है और उसके तहत बकायदा बातचीत भारत सरकार ने की

है। छः बार उनसे बातचीत की है और भारत सरकार ने एन0 टी0 पी0 सी0 से बातचीत की। एन0 टी0 पी0 सी0 ने कह दिया कि हमारे पास तुमहारे हिस्से का पैसा नही है, इसलिए हम इस प्रोजैक्ट को नही लगा सकते (ाोर एवं व्यवधान) यह टेन्डर नही है। ग्लोबल टैण्उर है। जिस कंपनी से स्टेट गवर्नमैंट ने कोई प्रोजैक्ट कराना हो, तब ग्लोबल टेंडर होते है। अब काम ग्लोबल टैण्डर का नही है, यह का उस कंपनी के साथ एग्रीमैंट का है कि वह बिजली तैयार करके हमें किस रेट पर देगी? सारा खर्च उसका है। हमारा उसमे कुछ भी नही है। भारत सरकार ने कई मीटिंगे की। मीटिंग करने के बाद भारत सरकार ने जवाब दे दिया कि आप सीधे करना चाहे तो कर सकते है। एन0 टी0 पी0 सी0 के पास पैसा नही है इसलिए हम नही कर सकते। अध्यक्ष महोदय, हमने उनके साथ 5–6 मीटिंगे की, मीटिंगे करने के बाद इसका एग्रीमैंट हुआ। एग्रीमैंट जो हुआ है, वह 1 रुपया 92 पैसे प्रति युनिट बिजली लेने का है। ग्लोबल टैण्डर तो उसका होता है कि स्टेट गवर्नमैंट पैसा लगाकर के किसी चीज को बनवाए। टैंडर तो वही करेग जिसने बिजली बनानी है। 1 रुपया 92 पैसे पर बिजली जो कि 68.5 प्लान्टलोड फैक्टर पर है। अगर उससे उपर चला जाएगा तो बिजली का रेट कम हो जाएगा। 1 रुपया पच्चेतर पैसा, सत्तर पैसा या साठ पैसा हो जाएगा। डेढ रुपया हो सकता है। अगर हनड्रड परसैंट चला गया तो इसका रेट 1 रुपया 55 पैसे रह जाएगा। हमारे बाद महाराश्ट्र ओर कर्नाटक के साथ 2 रुपया 40

पैसे मे समझौता हुआ है। इतना भाानदार एग्रीमैंट हुआ है और उसको ये बिगाडना चाहते है।

श्री अध्यक्षः यह एग्रीमैंट कितने साल के लिए है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, 25 साल तक उनको इसी रेट पर बिजली देनी पडेगी।

श्री अध्यक्षः उसके बाद क्या होगा वह म ानिरी कहां जाएगी?

चौधरी भजन लालः उसके बाद हमारे पास रहेगी, फिर उसका एग्रीमैंट होगा।

प्रो0 राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, क्या मुख्यमंत्री महोदय बताएंगे कि यह जो कंपनी इजराइल की है, जो बिजली की जनरे ान करेगी, क्या वह कंपनी कभी ब्लैक लिस्टिड रही है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सोचने की बात भी नही है। चौटाला साहब ने एक ब्यान दे दिया कि यह कंपनी ब्लैक लिस्टिड रहीहै। उस कंपनी का दूनिया मे दूसरा या तीसरा नंबर है। चाईना में भी मै गया हूं। चाईना मे इस कंपनी के 10 प्रोजैक्ट चल रहे है। इस कंपनी का नाम इतना उंचा है, जिसका कोई अंत नही है। आम आदमी इस कंपनी की तारीफ करता है। हम उसको क्या दे रहे है? लगा तो वे रहे है सब कुछ। इन्वैस्टमैट उनकी है।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी, 1 रुपया 92 पैसे मे बिजली का बडा सस्ता एग्रीमैंट करके आए है। एग्रीमैंट की कापी हाउस की टेबल पर रख दें तो बहुत अच्छा है।

चौधरी भजन लालः बंसी लाल जी, अभी एग्रीमैंट होना है। एक महीने के अंदर अंदर हो जाएगा। ज्यों ही एग्रीमैंट होगा, तो उसकी एक एक कापी सभी मैम्बर्ज को दी जाएगी।

श्री औम प्रका ा जिंदलः अध्यक्ष महोदय, मेरा एक टैक्नीकल प्वायंट है कि मुख्यमंत्री महोदय जी ने जो कहा है, वह बहुत सफाई के साथ कहा है और उसमे 95 प्रति ात ***** है, क्योंकि यह जिस प्लांटका जिक कर रहे है, वह लगना नही है। अगर लग जाये तो बहुत अच्छी बात है। लेकिन यह जो कह रहे है, यह सिर्फ पब्लिक को धोखा देने की बात की है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः झूठे भाब्द, कार्यवाही से एक्सपन्ज कर दिया जाए।

चौधरी भजन लालः कोई घपला तो नही हो रहा है। (ाोर)

श्री सतबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, अभी चौटाला साहब ने कहा कि ग्लोबल टैण्डर होना चाहिये जिसका मतलब है इंटरनै ानल बिड। यह कौन सी कंपनी है मुख्यमंत्री महोदय बताएं। हम तो इस तरह का प्रोजैक्ट चाहते है कि जो प्रदे ा की सब से ज्यादा सस्ती बिजली दे सके। अगर इस तरह का एग्रीमैंट

सरकार ने किया हो तब तो ठीक है। लेकिन मुख्यमंत्री महोदय ने आर्बिट्रेरिली आफ अन्डर स्टैंडिंग भी कर लिया। यह सब कुछ मुख्यमंत्री महोदय ने अपनी निजी स्वार्थ के लिये किया है। प्रदे ा के हितेा को ध्यान मे नही रखा गयाहै। इसलिए ग्लोबल टैंडर अव य होने चाहिए ताकि सरकार किसी दूसरी कंपनी को भी इस कंपनी से सस्ती बिजली देने का मौका दे सके जिससे हरियाणा प्रदे ा को सस्ती बिजली मुहैया करवायी जा सके।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार ने अमेरिका, जर्मनी, जापान वगैरह बीसो कंपनियो से बातचीत करने के बाद ही सस्ती बिजली देने वाली इस कंपनी को हमारे हवाले किया और जब यह एग्रीमैंट फाईनल होगा तो भारत सरकार की ऐप्रूवल से ही होगा। ऐसा नही है कि हम सीधा ही इस तरह का एग्रीमैंट कर लेंगे बकायदा बैक की गारंटी, स्टेट बैंक की गारंटी, सबसे गारंटी के बाद काम आरम्भ होगा।

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री का अपना खुद का ब्यान ही कंट्राडिक्टरी है। एक तरफ तो उन्होने यह कहा कि ऐसा कोई एग्रीमैंट नही हुआ और कहा कि इसके लिए ग्लोबल टेण्डर काल करने की आव यकता नही है। ग्लोबल टैण्डर क्या होते है यह तो ये समझ नही पाये। दूसरी तरफ यह कहा कि उस कंपनी ने 1.92 रुपये पर यूनिट के हिसाब से हमे बिजली देने के लिए मान लिया है और साथ यह कह रहे है कि वह कंपनी सबसे ज्यादा सस्ती बिजली दे रही है। क्या सरकार की

यह जिम्मेदारी नही थी कि किन्ही और कंपनी से भी पूछ लिया होता। हो सकता है कि कोई 1.40 रुपये पर यूनिट के हिसाब से बिजली देने के लिये तैयार होती। हो सकता है कि जिसकंपनी की ये सराहन कर रहे हैउससे इनका कोई नजदीकी रि ता रहा हो? लेकिन मै इस बहस मे नही पडना चाहता। अगर इसके अलावा किसी और कंपनी से एग्रीमैंट करते जोकि प्रदे ा को सस्ती बिजली दे सकती, तो इससे हमे काफी लाभ होता। यह स्टेट के इंट्रस्ट मे था। स्टेट के इंट्रस्ट को ध्यान मे रखना चाहिये था। कुछ कहने से पहले ये भूल जाते है कि उन्होने पहले क्या कहा था और अब क्या कह रहे है (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, क्या बात करे? अक्ल का और इनका कोई मेल नही है। (ाोर) मैने पहले कहा कि 10 कंपनियो से भारत सरकार ने एन0 टी0 पी0 सी0 ने बात की है। (ाोर)

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो यह कह रहे है कि उसने सस्ती बिजली दी है दूसरी तरफ यह कह रहे है कि भारत सरकार ने लिखकर दे दिया कि टेण्डर कर सकते है। मै आपके द्वारा यह जानना चाहता हूं कि क्या मुख्यमंत्री को इस बात का ज्ञान है कि भारत सरकार के होम मिनिस्टर इस बात की जांच कर रहे है कि भारत सरकार के उर्जा मंत्री का इस कंपनी के साथ क्या रि ता है? क्या इस प्रकार की जानकारी उनके पास है? इसके साथ साथ मुख्यमंत्री यह भी बताएं

कि क्या केन्द्र के उर्जा मंत्री ने इस मामले मे आपको कोई पत्र लिखकर भेजा है कि दो अक्तुबर को आप ईजराइल जा रहे है और आईजन वर्ग नाम की कंपनी के साथ आप इसप्रकार का सौदा कर आएं। इन मेरी दो बातो का मुख्यमंत्री महोदय स्पश्टीकरा दे ताकि हाउस को व हरियाणा की जनता को सही हालत का पता चल सके।

चौधरी भजन लालः जो खुद ********** होता है वह सब को ********** समझता है। अध्यक्ष महोदय, इनको होम मिनिस्टरी का भी अब पत चल गया। ये कहते है कि सैंअर मे जो उर्जा मंत्री है, उनका उस कंपनी वालो के साथ क्या रि ता है? तो इसका मतलब यह हुआ कि होम मिनिस्टर वाले पहले इनको चिठठी दिखाते है। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, हमारा एग्रीमैंट हो गया कि 1.92 रुपये से ज्यादा एक युनिट का रेट नही होगा। इससे कम रेट वाला कोई और नही था। हमने दस कंपनियो से पूछा था।

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः हमे एम0 ओ0 ू0 की कापी दी जाए। (ाोर)

बैठक का समय बढाना

श्री उपाध्यक्ष : अगर हाउस की सैंस हो तो हाउस का समय आधा घंटा बढा दिया जाए।

आवाजेंः ठीक है जी।

श्री उपाध्यक्ष : ठीक है हाउस का टाईम आधा घंटा और बढाया जाता है।

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव

हरियाणा सरकार द्वारा हस्ताक्षरित यमुना जल समझौते संबंधी (पुनरारम्भ)

चौधरी औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मै आपसे यह पूछना चाहता हूं कि क्या "*" लफज़ पार्लियामैंटरी लफज़ है। मुख्य मंत्री ने इस लफज़ को बार बार यूज किया है। क्या इनको पिछला सै ान याद नही है।

श्री अध्यक्ष: यह भाब्द रिकार्ड न किया जाए।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, जैसे कोई भाशा बोलेगा उसका जवाब वैसे ही दिया जाएगा। (ाोर)

चौधरी औम प्रका ा चौटाला: मै इस सरकार को * * * और कायर सरकार कहता हूं?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, इस मर्द के हाथ पांव तो देखो। (ाोर)

चौधरी औम प्रका ा चौटाला: मै ** ** ** ** ** ** से बात नही करुंगा।

श्री अध्यक्ष: यह बात रिकार्ड पर न लाई जाए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इनका एक ही है कि ऐग्रीमैंट होकर कही स्टेट के किसानो को बिजली और पानी न मिल जाए। ये प्रदे ा के किसानो को गरीब और पिछडा रखना चाहते है। अगर लोगो के पास साधन होंगे तो इनको कौन पूछेगा इसलिए ये लोगो को बैकवर्ड रखना चाहते हैं। इन्होने अपने जमाने में चार साल में एक भी थर्मल प्लांट की आधारि ाला रखी हो तो बता दें। ये काम करना तो जानते हीनही है। ये तो लूटने के लिए आते है। चाहे कोई नौकरी का बात हो चाहे कोई और काम हो। इनका काम तो लूटने का था। ये नै ानल हाई वे को फोर लेनिंग का काम बन्द करवा कर चले गए।ये भी जानते है और लोग भी जानते है कि दोबारा मु कल से हाथ पैर जोड कर हम उस फोन लेनिंग के काम को पूरा करवाने जा रहे है। अध्यक्ष महोदय, आप इनका करतूतो को और करानामो को जाते है। इनकी मं ाा यह है कि अगर कोई प्लांट बनना भाुरु हो गया, तो जनता इनको वोट नही देंगी। (ाोर)

श्री कृश्ण लालः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। जैसे मुख्य मंत्री जी ने कहा कि पूर्व सरकार ने किसी थर्मल पावर प्रोजैक्ट की आधारि ाला नही रखी। पानीपत थर्मल पावर प्रो जैक्ट के फर्स्ट और सेकिण्ड युनिट का काम 1977 में भाुरु हुआ था और फर्स्ट यूनिट में 1979 में प्रोडक ान भाुरु कर दी थी। यह रिकार्ड की बात है। सैकिण्ड युनिट ने 1980 में

प्रोडक ान भाुरु कर दी थी जिसका बिजली बोर्ड के कर्मचारियो को बोनस भी मिला था। आप इसको चैक करवा लें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह क्या बात करते है। इन्होने एक बात कह दी कि हमने एक्सप्रैस हाई वे का एग्रीमैंट इनो कम्पनी को दे दिया। अभी उसके बारे में एम0 आ0 यू0 है। अभी वह सोर्ट–आउट हो रहा है। वह कम्पनी एक्सप्रैस हाइवे बनाएगी। सारी दुनिया उस कम्पनी के पीछे घूम रही है। दिल्ली वाले कहते है कि हमारे यहां आ कर रोड बनाए। उत्तर प्रदे ा वाले कहते है कि हमारे यहां आ कर रोड बनाए और गुजरात वाले कहते है कि हमारे यहां आ कर रोड बनाए। उस कम्पनी ने पैसे की कोई बात नही कही है। पैसे के बारे में उनका सिर्फ यक प्रोग्राम है ि कवह टोल टैक्स से पैसा वसूल करेंगे। आप सभी जानते है कि जी0 टी0 रोड रपर बहुत हैवी ट्रैफिक है। एक्सप्रैस हाइवे 6 लेन का बहुत ही भाानदार रोड बनेगा। उससे लोगो को यातायात की सुविधा हो जाएगी। आजकल नै ानल हाइवे पर रोजाना एक्सीडैंटस से चार या पांच लोग मरते है और कोई भी दिन ऐसा नही होगी जिस दिन नै ानल हाइवे पर एक्सीडैंटस से चार पांच आदमी न मरते हों। यह 6 लेन का रोड बन जाने के बाद लोगो का बहुत बचाव हो जाएगा। लेकिन अभी इस बारे में सोर्ट आउट करके देख रहे है कि लोगो से लम्बे अर्से तक कम से कम टोल टैक्स का पैसा ल करके कैसे वसूल किया जा सकता है। यह बकायदा मिटिंग करके सोर्ट–आउट किया जा रहा है। लेकिन

मेरे विरोधी पक्ष के भाईयो का एक ही मकसद है कि स्टेट में विकास का कोई काम न हो। इनका और कोई मकसद नही है। अध्यक्ष महोदय, अब मै यमुना के बारे में बात करुंगा। यमुना जल का ऐग्रीमैंट 1954 में हुआ था और वह सन् 2000 तक के लिए हुआ था। सन् 2000 में अभी साढे पांच साल बाकी रहते है। साढे पांच साल के बाद, चौधरी बंसी लाल जी आप जरा ध्यान से सुन लीजिए क्योंकि आपको एक कान से ऊंचा सुनता है इसलिए दूसरे कान से ध्यान दे कर सुन ले। (हंसी)

चौधरी बंसी लालः मुझे तो एक कान से ऊंचा सुनता है या नही लेकिन आपको एक आंख से दिखता ही नही है। (हंसी)

चौधरी भजन लालः आप जरा मेरी आंख की तरफ अपनी उंगली करके देखे। मुझे कौन सी आंख से कम दीखता है? (हंसी)

चौधरी बंसी लालः आप जरा अपने च मे उतारे (हंसी)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सन् 2000 खत्म होने के बाद यह नए सिरे से ऐग्रीमैंट होता तो चौधरी बंसी लाल जी उसमें कितने झमेले होते। यह मै आपको अलग से बता सकता हूं।

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। यमुना जल के बारे में जो 1954 का ऐग्रीमैंट था, वह सन् 2000 में रीन्यू ही होना था। कोई नया

ऐग्रीमैंट नही हो सकता था। उस पानी में उतर प्रदे ा और हरियाणा प्रदे ा के अलावा किसी का भी हिस्सा नही है। यमुना जल के बारे में 1954 से पहले जो ऐग्रीमैंट हुआ था, वह ऐग्रीमैंट 1954 मे रीन्यू हुआ था नया ऐग्रीमैंट नही हुआ था इसलिए सन् 2000 मे भी यह रीन्यू ही होना था। नया ऐग्रीमैंट नही होना था। हम इसको भी नही होने देंगे। हम इसको रोकैंगे। चाहे हमें इसके लिए अपनी जान की बाजी लगानी पडें। हम इसको रोकेंगे। (ाोर)

चौधरी भजन लालः इसको राकने की आपकी क्या हैसियत है? जो ऐग्रीमैंट होता है, वह रीन्यू नही होता है। वह नए सिरे से नया ऐग्रीमैंट होता है। (ाोर)

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः आपने जो ऐग्रीमैंट किया है, हम उसको रोकेंगे। (ाोर)

चौधरी भजन लालः आप कौन होते है इसको रोकने वाले? (ाोर)

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः हम एक बूंद भी पानी नही देंगे। यह बात हम फिर दोहरा रहे है। हरियाणा प्रदे ा किसी के बाप की बपौती नही हैं यह हरियाणा प्रदे ा के 1.60 करोड लोगो का पानी है। हमारा यह अंतिम फैसला है कि हम इसको रोकेंगे।

चौधरी भजन लालः क्या हरियाणा प्रदे ा आपके बाप की बपौती है। आप इसको रोक कर दिखाएं। (ाोर)

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः आप देख लेना, हम इसको रोकेंगे। (ाोर)

चौधरी भजन लालः इसको रोकने की आपकी हैसियत क्या है? आप अपनी गलतियो की वजह से अपना दिवाला निकाल कर आज हमारे सामने बैठे है। (ाोर) जिसके पिता की इस दे ा का डिपटी प्राईम मिनिस्टर होते हुए भी जमानत जब्त होते होते बची है, इससे बुरी बात और क्या हो सकती है। आप क्या बोलते है? (ाोर) जनता का कुछ काम किया है आपने। तभी तो आपका यह हाल हुआ है। हमने जनता का काम किया है। भजन लाल ने आज तक कोई इलैक ान नही हारा। और सुनो तीन बार मै आपके **********(ाोर) आप क्या बोलते है?

श्री अध्यक्षः डण्डा देने वाली बात को रिकार्ड न किया जाएं

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, क्या मुख्य मंत्री महोदय को यह अधिकार है कि जैसा चाहे बोल दें। स्पीकर साहब ***** भाब्द को एक्सपंज करने से काम नही चलेगा। ऐसे ***** देने वाले बहुत देखे है। ये ***** देने वाले कौन? आप इनको सभ्य बात करनी सिखाएं। यह केवल

एक्सपंच करने का सवाल नही है। हम इसको एक्सपंज की बात से नही मानेंगे। ये ऐसी बात कैसे कह सकते है?

चौधरी भजन लालः इन्होने वाक आउट करके जाना है।

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हम केवल एक्सपंच करने की बात को न ही मानेंगे।

Mr. Speaker: it has already been expunged.

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः हम माफी मांगने से कम मानने वाले नही ै। अध्यक्ष महोदय, क्या इनको अप ाब्द करने का अधिकार है? हम इस हाउस के सम्मानित सदस्य है। हम किस के रहमोकरम पर नही है? मुख्य मंत्री महोदय का हाउस में माफी मांगनी होगी। केवल एक्सपंज करने से काम नही चलेगा। (विघ्न) हमें माफी मंगवाने का अधिकार है। पहले भी मंगवाई है और अब भी इनसे माफी मंगवाएंगे। (ाोर) अध्यक्ष महोदय हमारे बार बार कहने के बावजूद भी ऐसा बात हुई है। (ाोर) हम इस बात को बर्दा त नही करेंगे। इस प्रकार के अनरगल अल्फाज़ इस्तेमाल करना, क्या लीडर आफ दि हाउस के लिए भाोभा देता है? आपकी मौजूदगी में बार बार कहने के बावजूद भी ये ऐसे भाब्द इसतेमाल किए जा रहे है। जब तक मुख्य मंत्री अपने अल्फाज़ आवास नही लेगें, खेद व्यक्त नही करेंगे, हम उससे कम मानने वाले नही है। इनकी तो आदत पडती जा रही है। मै इस बारे में आपकी रुलिंग चाहता हू। खाली ऐसे एक्सपंज करने से काम नही

चलेगा। इनकी हाउस के सदस्यो का अपमान करने की आदत बन गयी है। हम ऐसी बातो को बर्दा त नही करेंगे (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठिए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोद एक बात में ही मै सारी बातें खत्म करना चाहता हूं अध्यक्ष महोदय, मैने * * * * * देकर बना हूं, यह लफज़ कह दिया है, इसको वापस लेता हू। लेकिन बकायदा इनको धूल चटा कर बना दूं, यह बात तो सही है। (ाोर)

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, अप इनको कहें कि ये अपना फ्रैंडली मैच खत्म करे और मतलब की बात कहे।

श्री सतबीर सिंह कादयानः दिल्ली में एक ही केण्डीडेट के समर्थन में भजन लाल भी रैली को संबोधित कर रहे है और बंसी लाल भी कांग्रेस पार्टी के समर्थन में बोल रहे हैं। दिल्ली में किसी एक जगह से श्रीमती किरण चौधरी चुनाव लड रही थी, उसी के समर्थन में ये विकास पार्टी वाले भी बोल रहे है और कांग्रेस वाले भी जबकि यह कैण्डीडेट कांग्रेस पार्टी की ही थी। उस समय चौधरी बंसी लाल जी की विकास पार्टी को क्या फ्रैंडली मैच नही हो रहा था? अब ये इसको फ्रैंडली मैच बता रहे है। (ाोर)

राजस्व मंत्री(श्री निर्मल सिंह): अध्यक्ष महोदय, मै जानना चाहता हूं कि इनहोने जो भाब्द सरकार के बारे में इस्तोल किया, क्या वह पार्लियामैंटरी है?

श्री अध्यक्षः निर्मल सिंह जी, आप भी बैठिए।

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): अध्यक्ष महोदय इन्होने * लफज़ कहा है, इस बारे में मै आपकी रुलिंग चाहता हूं कि क्या यह लफज़ पार्लियमैंटरी लफज़ है। ये सरकार के लिए भाब्द कह रहे है क्या यह लफज़ पार्लियामैंटरी है? (विघ्न एवं भाोर) अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै ह भी कहूंगा कि इनको भी बोलना सीखना चाहिए। (विघ्न एवं भाोर) अध्यक्ष महोदय, हम इस बारे में आपकी रुलिंग चाहेंगे कि क्या "*" भाब्द पार्लियामैंटरी है, यदि नही, तो ये श्रीमान् जी इस लफज को वापिस लें। (विघ्न एव भाोर)

श्री अध्यक्षः इस लफजत्र को कार्यवाही से निकाल दिया जाये। अब आप बैठिए। (विघ्न एवं भाोर)

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से इनसे चाहूंगा कि ये अपना लफज़ वापिस लें। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अगर ये हाउस की कार्यवाही नही चलने देना चाहते तो हम भी कमजोर नही है। यह कोई तरीका नही है, इन्हे भी अपना लफज़ वापिस लेना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः नेहरा साहब, यह भाब्द कार्यवाही से निकाल दिया गया है। That is all अब आप बैठिए। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, मेरी यह गुजारि ा है कि दोनो तरफ से एक जैसी बात होनी चाहिए। ऐसा

नही होना चाहिए कि ये कहें कि हम तो वाक–आउट कर देंगे या काम नही चलने देंगै। अध्यक्ष महोदय, अगर सदन में सही तरीके से बोलने की बात ये लोग करते है तो इन्हे खुद भी सही बोलना चाहिए। (विघ्न) स्पीकर साहब, इन्हे अपने भाब्द के लिए हाउस में माफी मांगनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हाउस का डैकोरम एक तरफ से नही चल सकता। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः बटोडे से क्या कभी गुड की भेली निकलेगी। बटोडे में गुड की भेली कहां से आएगी। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, यमुना नदी का जो फैसला हुआ है, यह एक बहुत बडा ऐतिहासिक फैसला हुआ है। आप जानते है कि 1970 से यह मामला अटका पडा था। इस मामले को अटके हुए 24 साल हो गए है। पहले जो मुख्य मंत्री रहे है, वे भी कोि ा ा करते रहे है लेकिन इस बारे में कोई फैसला नही हो पााया। यह बहुत ही भााानदार फैसला हुआ है। कुछ बात राम बिलास भार्मा जी ने कही। कुछ ठीक बात कही। कुछ बोल बात कही। अध्यक्ष महोदय, मुझे एक बात याद आई। किसी ने खागड से पूछा अक दुडकै सै। वो बोलाः खागड सूं, अर छेरा भी करै, अक गाय का जाया हूं। (विघ्न) राम बिलास भार्मा जी ने कुछ ठीक बात कही। (विघ्न) ये ब्राहमण है और भाुद्ध आदमी है। (विघ्न) मैने तो तारीफ ही की है। (विघ्न)

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से इनको यह कहना चाहूंगा कि स्टेट का मुख्य मंत्री होते

हुए भी ये हरियाणा के हितो की रक्षा नही कर पाए। स्टेट के हितो की रक्ष्द्वाा करने में ये नाकामयाब रहे। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः मैने हरियाणा के हितो की रक्षा कैसे की है, मै सउसी बात पर आ रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, बहुत ही भाानदार और बढिया फैसला हुआ है। आप जानते है कि पूरे मुल्क में स्टेटो के आपस में कितने झगडे है। चाहे कांवेरी का झगडा है। चाहे नर्मदा का झगडा है। अध्यक्ष महोदय, यह फैसला करके हमने सारे मुल्क को एक रास्ता दिखाया है। 5 मुख्य मंत्री जो अलग अलग पार्टी से ताल्लुक रखते है, उसमें दो कांग्रेस के, दो बी0 जे0 पी0 के और एक एस. पी. और बी एस पी एलायन्स के मुख्य मंत्री भाामिल हुए और बैठकर ऐसा भाानदार फैसला किया है, जिसकी पूरे मुल्क में प्र ांसा हुई है। लोग आज यह कह रहे है कि इस तरह से मुख्य मंत्रीयो को बैठ कर आपस में फैसले करने चाहिए ताकि ने ान का नुकसान न हो। अध्यक्ष महोदय आज नै ान का सवाल हैं पानी कही भी जाया जाए, उससे सारे ने ान का नुकसान होता है। इसी बात को सामने रख कर भारत सरकार ने एक ने ानल पॉलिसी के तहत यह फैसला किया है। जिन राज्यो में पीने के पानी का संकट है, उन राज्यो में पीने के पानी का इन्तजाम होना चाहिए और उनको पीने का पानी दिया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय चौधरी बंसी लाल ने कहा कि दिल्ली को पीने के लिए पानी दे दिया।

चौधरी बंसी लालः इसमें पेज तीन पर कलाज तीन में यह लिखा हैः—

"Provided also that in a year when the availability is less than the assessed quantity, first the drinking water allocation of Delhi would be met and the balance will be distributed amongst Haryana, U.P., Rajasthan and Himachal Pardesh in proporation to their allocation."

तो अध्यक्ष महोदय पीने के पानी की प्रायरिटी सिर्फ दिल्ली को ही दी गई है। हरियाणा के लोगो को नही दी गई है। मुख्य मंत्री जी जो बात कह रहे है, वह गलत है।

चौधरी भजन लालः बसी लाल जी आप मेरी बात तो सुने। दिल्ली को पानी कहां से जाएगा। मेरा ख्याल है कि वह हरियाणा से होकर ही जाएगा। अगर यमुना मे पानी होगा तभी तो दिल्ली को पानी मिलेगा। दिल्ली को मिलने से पहले तो हरियाणा को मिलेगा।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय मुख्य मंत्री जी जो बात जुबानी कह रहे है उससे ऐग्रीमैंट की सैंस नही बनती है। इसलिए इन्हे चाहिए कि एक क्लाज अलग से बना लें। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः बंसी लाल जी, आप ऐग्रीमैं को पढ लेना। तभी आपको पता चलेगा कि ऐग्रीमैंट में क्या है।

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय ऐग्रीमैंट के हिसाब से दिल्ली को पानी देने के बाद हरियाणा को बचा हुआ पानी दिया जाएगा। अब हम ऐंग्रीमैंट को माने या मुख्य मंत्री जी की बात को माने। अब तो ये एग्रीमैंट से मुनक रहे है।

चौधरी भजन लालः आप पहले ऐग्रीमैंट तो सुन लें। हमने जो ऐग्रीमैंट किया है, यह बहुत ही भाानदार है और हरियाणा के हितो के लिए है। 1974 से लेकर आज तक हमने 20 साल में ताजेवाला से जो पानी इस्तेमाल किया है, वह 19974–75 मे 2.20 बी0 सी0 एम0, 1975–76 में 2.30 बी0 सी0 एम0 और उसके बाद 1.74, 2.29, 2.26, फिर इसके बाद 2.220, 1980–81 में 2.190, 19981–82 में 2.10, 1982–83 में 2.530, 1983–84 में 2.66 बी0 सी0 एम0 इस्तेमाल किया है। एक दफा जो पानी हमने सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया है, वह 1985–86 में 3.190 बी0 सी0 एम0 है।

श्री अध्यक्षः इसकी ऐवरेज क्या है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय मै अगर सारी की ऐवरेज निकाले तो यह पौने तीन के करीब बैठेगी। (विघ्न) आप पहले सुन ले फिर जो कहना है, कह लेना।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै मुख्य मंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि ये पहले हमें बोल लेने दे। फिर मुख्य

मंत्री जी चाहे तो जवाब दे दें। हमें कोई ऐतराज नही होगा। इसमें लिखा है कि :–

"Punjab and U.P. will have the right to utilize the excess water over 10900 cs. in the ration of 2/1....."

यह जो ऐग्रीमैंट मुख्य मंत्री जी करके आए है, उसमें हरियाणा कापानी 5.730 बी0 सी0 एम0 होगा और यू0 पी0 का पानी 4.32 बी0 सी0 एम0 होगा। वह एक तिहाई नही रहा बल्कि उतर प्रदे ा का पानी बढ रहा है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हमारी जो ऐवरेज आई है, वह 3.56 बी0 सी0 एम0 की है ओर यह टोटल है।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी हमें टोटल बताएं। ये जो बता रहे है, वह गलत बता रहे है। मुख्य मंत्री जी, यह आंकडे आप दोबारा देखे। आप हमें टोटल पानी के आंकडे देख कर बताएं। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये बात तो सुन नही रहे है। इन्हे आप कहे कि पहले हमारी बात तो सुन लें। ये ऐसी बाते करके हाउस को गुमराह कर रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः गुमराह हम नही, ये कर रहे है।

श्री अध्यक्षः जो गवर्नमैंट का स्टेटमैंट है, वह सही है। उसमे गुमराह करने वाली कोई बात नही है। आप मुख्य मंत्री जी की बात सुनें। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ताजेवाला का टोटल पानी इतना ही है। जो ऐग्रीमैंट हमने किया है उसमे ताजेवाला का पानी हमको 5.23 बी0 सी0 एम0 मिलेगा। जबकि हमने पिछले बीस सालो में आज तक भी 3.56 बी0 सी0 एम0 से जयादा पानी इस्तेमाल नही किया है। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, यह ऐग्रीमैंट कहां पर है? यह हमें भी तो बताएं। मै इनको चैलेंज करता हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः आप एक मिनट सुनने की कृपा तो कीजिये। (ाोर)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप पहले मुख्य मंत्री जी की सारी बातें सुन लीजिए। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी को एक बात का स्पश्टीकरण करना चाहिए कि कभी तो यह ताजेवाला की बात कहते है और कभी यह यमुना की बात कहते है।

चौधरी भजन लालः मै ताजेवाला की बात कर रहा हूं कि ताजेवाला में हमने ज्यादा पानी लिखा है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मुख्य मंत्री जी इस बात को स्पश्ट करे। पहले तो यह कह रहे थे कि यह सारा पानी है और जब सम्पत सिंह ने दो बार इनसे पूछा कि क्या यह साराा यमुना का पानी है? तो अब मुख्य मंत्री जी कहते है कि मै ताजेवाला की बात कर रहा हूं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा ओखला पर आज तक हरियाणा को पानी नही मिलता था लेकिन हमने नये ऐग्रीमैंट में ओखला में भी हरियाणा का भोयर 0.50 बी0 सी0 एम0 लिया है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आप एक बार सन् 1954 का ऐग्रीमैंट देख तो लिजिए।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी पहले आप बैठिये और मुख्य मंत्री जी को सारी बाते कहने दें। (ाोर) आप मुख्य मंत्री जी को बीच बीच में न टोके।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ओखला में कभी पानी का हमारा हिस्सा नही था लेकिन हमने ओखला में भी हरियााा का भोयर 0.50 बी0 सी0 एम0 लिया है। कुल मिलाकर 5. 73 बी0 सी0 एम0 पानी हमने लिया है जो कि आज तक के

इतिहास में सारी यमुना से हरियाणा को पानी नही मिला है। जितना पानी हमें अब मिला है, उतना पानी हमने पहले कभी इस्तेमाल नही किया है।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है।

श्री अध्यक्षः ठीक है। हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढाया जाता है।

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव–

हरियाणा सरकार द्वारा हस्ताक्षरित यमुना जल समझौते सम्बन्धी (पुनरारम्भ)

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, एक बात तो कंफयूजन मे पड गयी। वह यह कि चौधरी सम्पत सिंह जी कह रहे है कि इतना पानी नही था और मुख्य मंत्री जी ने कहा, इतना पानी था। हम इस चक्कर में नही जाते कि कितना क्या था? हम तो ऐग्रीमैंट पर जाते है। पहले के एग्रीमैंट के हिसाब से 5890 क्यूसिक पानी अगर दरिया मे चले तो 66 परसैंट हरियाणा का और 34 परसैंट यू0 पी0 का था। 5890 से 8790 क्यूकि पानी इरिया मे चले तो 77 परसैंट हरियाणा का व 23 परसैंट यू0 पी0

का था। 8790 से 9280 क्यूसिक चले तो 73 परसैंट हरियाणा का व 27 परसैंट यू0 पी0 का था। 9280 से 10900 क्यूसिक से ज्यादा चले तो दो तिहाई पानी हरियाणा का एक तिहाई यू0 पी0 का था। हमें मुख्य मंत्री जी, इसमें बता दे कि वह क्लाज कहा है जिसमें यह है कि हरियाणा को 2/3 पानी मिलेगा और यू0 पी को एक तिहाई पानी मिलेगा? क्योंकि इस ऐग्रीमैंट से तो ऐसा लगता है कि हरियाणा का 5.730 बी0 सी0 एम0 और यू0 पी0 का 4.034 बी0 सी0 एम0 होगा। इस हिसाब से तो यह रे ाो बिगड गई, इसकी क्लेरीफिके ान दे?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, सवाल यह नही है कि आज टोटल कितना पानी अवेलेबल होगा। इस नदी पर कोई डैम नही है जैसे भाखडा का डैम है। इस नदी में तो पानी का फलो आता है जो बाढ के समय ज्यादा आएगा और बाद में कम पानी चलेगा। इसलिए, स्पीकर साहब, जो गेज लगे हुए है, पहले ताजेवाला पर थे, अब जब हथिनीकुंड बैराज बन जाएगा तो उसपर गेज होगें। जैसे पहले गेज के हिसाब से था वैसे अब नही है। 1954 का आपके पास एग्रीमैंट नही है तो वह मंगवा ले। एक स्टेज पर पानी 10900 क्यूसिक होता हे तो पानी का फलो चेंज होता रहेगा। बरसात में ज्यादा होगा। बाद के टाईम में कम होगा। लेकिन सवाल टोटल पानी का भी है। टोटल पानी में, अगर यह कहते है कि ताजेवाला से जिस तरह से निकलता था, वहांसे पानी छोडते थे, जो डिस्ट्रीब्यू ान सिस्टम था, उस डिस्ट्रीब्यू ान

सिस्टम को इनहोन इस बार चेंज नही किया। टोटल मिलियन क्यूबिक पूरे साल का लिया है और यह बन जाता है 10900 मे से 2500 यू0 पी का और 8400 हरियाणा का। यह 77 परसैंट बनता है। अगर यह ताजेवाला से मिल रहा था तो वह कितना हो, यह बात अलग है लेकिन पहले उसका 77 परसैंट मिल रहा था। आज परसैंटेज के हिसाब से 11.983 बी0 सी0 एम0 का एग्रीमैंट करके आए है और इस 11.983 मे से 5.730 आपको मिलेगा। यह सिर्फ 47 परसैंट बनता है। टोटल वाटर मे से इस तरह से क्लीयर कट 30 परसैंटपानी लूज किया है। इसकी पूर्ती कहां से करेंगे, यह बताएं?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, यह गलत तरीके से बात को मोड कर इस ढंग से पे ा करते है कि क्या कहूं? काफी भाानदार फैसला हुआ है, पहले से पानी फालतू लिया है। ओखला पर पहले हमारा हिस्सा नही था। हमने ओखला पर हिस्सा लिया है। चार ऐग्रीमैंट हुए है।

श्री अध्यक्ष: अगर ओखला पर हिस्सा नही था, तो गुडगांव कैनाल और आगरा कैनाल पर पानी कैसे आ रहा था? (विघ्न)

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, पहले रेनी सीजन मे आता था, अब हिस्से से आएगा।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, वह टोटल मे से जाएगा। अलग पानी नही है।

सिंचाई मंत्री (श्री ऐ0 सी0 चौधरी): स्पीकर साहब, अपोजी ान के भाईयो ने कुछ बाते यहां हाउस में रखी है जिसका जवाब सरकार दे रही है। मै आपसे अनुरोध करुंगा और आपकी रुलिंग भी चाहूंगा कि अगर इन भाईयो को सरकार की किसी स्टेटमैंट पर कोई भाको– ाुबहा है तो वे मेहरबानी करके, सरकार को बीच में न टोक करके अपनी भांकाए अलग से लिख दे और स्टेटमैंट पूरी होने के बाद अपनी भांकाओ का समाधान सरकार से करवाएं लेकिन इस तरह से बीच बीच में उठकर इस तरह हाउस का समय बर्बाद न करे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय 2/3 का भी हिसाब किताब मै इनको बता दूं। हमको मिला हैः 5.73 और उनको मिला हैः2.33। अब ये खुद ही हिसाब लगा ले कि यह दो–तिहाई है या नही। इसके साथ साथ मै यह भी बता दूं कि यह जो ऐग्रीमैंट हुआ है, वह हथिनी कुंड बैराज का है अगर यह न बने तो हरियाणा प्रदे ा का सत्याना ा हो जाएगा। हथिनी कुण्ड बैराज में सन् 1973 मे बाढ आने से कै ा आ गये थे और उसके बाद 1988 मे भी बाढ आयी और बहुत बडे बडे कैक आ गये। अगर ज्यादा बरसात फिर हो जाए और ताजेवाला हैड बह जाए तो एक बूंद भी पानी हरियाणा को नही मिलेगा। उससे यह सारा पानी दिल्ली से आगे उतर प्रदे ा की ओर आगे बह कर चला जाएगा।

बांध टूटने के कारण और बरसात के दिनो में हर छटे–महीने हरियाणा के किसानो को 55 करोड रुपये किसानो का नुकसान होता। इतनी बुरी हालत होती थी। इस हथिनी कुंड के बनने से किसानो को बहुत फायदा होगा। इससे दूसरा फायदा यह हे कि इस वक्त इसको कपैसिटी 14000 क्यूसिक की है और अब कपैसिटी होगी 27900 कुछ की। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, अब पानी कम है और जब बरसात होगी तो पूरा पानी आएगा। (ाोर)

चौधरी औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, हमारे मे से कोई भी नही बोलेगा, अगर मुख्य मंत्री जी हमारी कुछ बातो का स्पश्टीकरण कर दें कि टोटल भोयर हमारा कितना ताजेवाला से, कितना ओखला से, कितना रेणुका से और कितना किसाऊ से बनता है। बस इतना ही बता दे और हमारे मे से जैसे मैने पहले कहा, कोई नही बोलेगा। लेकिन मुख्य मंत्री अपनी ही बातो को बदल रहे है। बस, यही बता दे कि कहां कहां से हरियाणा को कितना कितना पानी मिलेगा।

श्री अध्यक्ष: चौटाला साहब पहले आप इनकी बात तो सुनिये।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, मैने बताया कि जब हथिनी कुंड बैराज बनेगा तो उससे हरियाणा को बडा फायदा होगा।

श्री अध्यक्ष: इससे आपकी नहर डबल होगी क्या?

चौधरी भजन लालः जी हां। बरसात के दिनो में हरियाणा के किसान सावनी की फसल, खरीफ की फसल को पकाएंगे और रबी की फसल की बुवाई करवा देंगे। अध्यक्ष महोदय, उससे एक तो सावनी की फसल पकेगी और दूसरी तरफ वह आशाढी की फसल की बुवाई करवा देगी। अगर गर्मियो में एक बरसात हो जाएगी, तो उससे अशाढी की फसल भी पक जाएगी। रेणुका और किसाऊ डैम न बनने की वजह से प्रदे ा का बहुत नुकसान हो रहा था। कई बार तो वहां पर चार पांच लाख क्यूसिक पानी हो जाता है। वह उपर से सारा बह जाता था और वह पानी बिहार तक नुकसान करता था। अब ये डैम बनेगे और उसके बाद बिजली भी बनेगी। ये कहते है कि रेणुका और किसाऊ डैम में हमारा हिस्सा नही है।

चौधरी बसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै एक कलैरिफिके ान चाहता हू कि जो किसाऊ बांध बनेगा, वह पुरानी साईट पर बनेगा या किसी नई साईट पर बनेगा? हमारी इतलाह यह है कि पुरानी साईट पर यू0 पी0 वालो ने पावा हाउस बना लिया है।

चौधरी भजन लालः ऐसी बात नही है। पावर हाउस तो उसके और नीचे बनाया है। जहां हथिनी कुंड में बैराज बनेगा, वहां अप स्ट्रीम मे पानी डालना पडेगा। (विघ्न) मै एग्रीमैंट की ही बात कह रहा हूं। (विघ्न)यह सदन है, गांव की गली नही है। आपको सोच समझ कर बात कहनी चाहिए। भजन लाल जो बात

कहता है वह रिकार्ड के हिसाब से कहता है। जो यह डैम बनेगे उनमें भोयर के मुताबिक पानी मिलेगा। गर्मियो में कई बार यमुना का पानी 1500 क्यूसिक तक आ जाता है। ये डैम बनने के बाद इसका पानी 6–7 हजार क्यूसिक तक जरुर रहेगा। इन्होने कहा कि दादुपुर और नलवी नहर को कहां से पानी देंगे। मैने बताया था कि हैड पर 27900 क्यूसिक पानी होगा। इससे हरियाणा प्रदे ा के लोगो को फायदा होगा। ये डैम बनने के बाद 16 मैगावाट बिजली और नई पैदा करेंगे। ये लोग इस बात को समझते नही है। इनहोने तो केवल भाोर मचा कर लोगो को गुमराह करना है।

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, लीडर आफ दि हाउस हर बार असत्य बात कर रहे है। यह मामला लोगो के इन्ट्रस्ट के साथ जुडा हुआ है।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, पहले आप इनकी सारी बात सुन लें। उस के बाद बोलना।

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः ये सारी बातो को तोड मरोड कर पे ा कर रहे है। हमे अफसोस है कि आप हमारी बात नही सुन रहे है। ये सारे हाउस को गुमराह करने की कोि ा ा कर रहे है। यह प्रदे ा के 1.60 करोड लोगो के हित की बात है। उसमें भी मुख्य मंत्री तोड–मरोड कर बात कह रहे है। एक तरफ ये कहते है कि पहली बार 5.7 एम0 ए0 एफ0 पानी मिला है।

अध्यक्ष महोदय, मै इनसे एक बात पूछना चाहता हू कि अगर किसी के पास दस एकड जमीन है और उसमें से वह चार एकड जमीन पर का त करता है तो क्या बाकी 6 एकड पर उसका अधिकार चला जाएगा। हमारा जितना हिस्सा है उसके मुताबिक मुख्य मंत्री क्या एग्रीमैंट करके आए है। हमें तो अपना हिस्सा पूरा मिलना चाहिए। आप गलत ब्यानी की कोि ा ा मत करे। जो फैसला हुआ, वह बताने की बात करे। आप यह मान कर चले कि आपने दबाव में आ कर हरियाणा के इन्ट्रस्ट को धोखा दिया है।

श्री अध्यक्षः आपको बीच में बोलने का कोई हक नही है। (ाोर)

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः यह यमुना के पानी का सवाल नही है। यह हरियाणा प्रदे ा के इंटरैस्ट का सवाल है। मुझे हैरानी है और बडा अफसोस है कि मुख्य मंत्री हाउस को * * * * * * * कर रहे है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः आप हरियाणा प्रदे ा के ठेकेदार कहा से आ गए। (ाोर)

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः मुख्य मंत्री कोई भी बात सही नही कर रहे है।

श्री अध्यक्षः गुमराह भाब्द रिकार्ड न किया जाए। (ाोर) चौटाला साहब कृप्या आप बैठ जाएं। मुख्य मंत्री जी आप यह बताएं कि आपको दो जगहो से पानी मिलता है। ताजेवाला से जो

पानी आएगा, उसमें आपको दो एक की रे ाो है। ओखला मे पहले अपापका कितना भोयर था और अब कितना भोयर है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ओखला में पहले हमारा एक बूंद पानी नही था लेकिन अब हमें 0.50 हमारा हिस्सा मिला है।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः अगर हाउस सहमत है तो हाउस का समय 15 मिनट और बढा दिया जाए।

आवाजेंः ठीक है जी, हाउस का टाईम 15 मिनट और बढा दिया जाए।

श्री अध्यक्षः ठीक है हाउस का टाईम 15 मिनट और बढाया जाता है। (ाोर)

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव

हरियाणा सरकार द्वारा हस्ताक्षरित यमुना जल समझौते संबंधी (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): आप मेरी बात तो सुनिए। ताजेवाला में हमारा भोयर 5.23 है और उतर प्रदे ा का 2.33 है तो हमारा भोयर टू थर्ड हो गया या नही। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः 1954 के एग्रीमैंट के मुताबिक हमारा 77 परसैंट भोयर था।

चौधरी भजन लालः वह बरसात के दिनो की बात है। बरसात के दिनो में हम 30 हजार क्यूसिक के करीब लेंगे।

प्रो0 सम्पत सिंहः टोटल साल का यमुना मे पहले एग्रीमैंट के मुताबिक हमें कितना मिलता था और इस समझौते के बाद आज यमुना का टोटल पानी हमें कितना मिलेगा? सवाल यह नही है कि यूटिलाइजे ान कितना हुआ है। पानी तो कम भी हो सकता है और पानी ज्यादा भी हो सकता है। मै यह जानना चाहता हूं कि टोटल साल का पहले हमे यमुना में कितना पानी मिलता था और अकोरडिंग टू दिस एग्रीमैंट हमें कितना भोयर मिलेगा। यूटिलाईजे ान कितना हुआ है, यह बात नही। आप हमें यह बताएं कि भोयर यमुना के पानी मे कितना मिलना चाहिए?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होने तो वह बाते कहनी है जिनका कोई मतलब नही है। ये बगैर सिर पांव की बात करते है। मैने अभी आपके सामने ताजेवाला मे पानी का हिस्सा बताया है और ओखला में पानी का हिस्सा बताया है। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही भाानदार फैसला हुआ है। इन भाब्दो के साथ मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद।

15:19 बजे

श्री अध्यक्षः अब हाउस कल दिनांक 14–4–94 प्रातः9:30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ।